THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 75 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.14 2080 शनिवार, 3 जून 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तेलंगाना 'स्वर्णिम' पथ पर अग्रसर : केसीआर

सीएम ने तेलंगाना की योजनाओं को अन्य राज्यों के लिए आदर्श बताया

10वां तेलंगाना स्थापना दिवस का भव्य शुभारंभ

* *सरकार अगले महीने शुरू करेगी गृहलक्ष्मी योजना*
* *हैदराबाद को लघु भारत बताया, फौलादी कभी डगमगाएगा नहीं*
* *राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी तेलंगाना स्थापना दिवस की बधाई*

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस को यादगार बनाने के लिए आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश पर राज्यभर में भव्य समारोहों का आयोजन किया गया। सीएम केसीआर आज प्रगति भवन के अलावा नवनिर्मित डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में बड़े पैमाने पर तेलंगाना स्थापना दिवस का शुभारंभ किया। इसकी तैयारी में पूरा प्रशासन दमखम से कई दिनों से जुटा हुआ था।

सचिवालय में तेलंगाना स्थापना दिवस का भव्य शुभारंभ करने के बाद सीएम केसीआर ने अपने संबोधन में कहा कि तेलंगाना ने हर क्षेत्र में आश्चर्यजनक परिणाम हासिल किए हैं और प्रगति के पथ पर अग्रसर है, इसीलिए नौ वर्षों में उपलब्धियों को याद करने के लिए 22 दिनों तक समारोह आयोजित किए जा रहे हैं तथा सभी लोगों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

केसीआर ने कहा कि न सिर्फ आंदोलन के दौरान, बल्कि शासन के दौरान भी लोगों ने काफी सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने छह दशकों के संघर्ष के बाद आजादी हासिल की है। तेलंगाना के गठन से पहले तक सभी क्षेत्रों में तबाही दिख रही थी और तेलंगाना के गठन के बाद से यहां की हर समस्या को सुलझा लिया गया। तेलंगाना देश में एक दुर्जेय आर्थिक शक्ति के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य के कमजोर क्षेत्रों को सुदृढ़ करने और उन्हें प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए ईमानदारी से कड़ी मेहनत की है।

उन्होंने कहा कि वे केंद्र के शासकों की भेदभावपूर्ण नीतियों को बदलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने तेलंगाना के पुनर्निर्माण के नारे के साथ एक कदम आगे बढ़ाया है। यह कहा गया है कि नई प्रक्रियाओं को डिजाइन किया गया है। यह बताया गया कि लोगों की तत्काल जरूरतों, संसाधनों, तथ्यों और मौजूदा स्थितियों के आधार पर विभिन्न कानून, योजनाएं और दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं।

सीएम केसीआर ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपने शब्दों को याद किया। मैंने वादा किया था कि मैं तेलंगाना को आकार दूंगा ताकि देश तेलंगाना राज्य से सीख ले। वह फौलादी कभी डगमगाएगा नहीं। यह राष्ट्र को प्रेरित करने वाले राज्य के रूप में उभरा है।

केसीआर ने कहा कि उनकी पार्टी बीआरएस तेलंगाना आंदोलन के दौरान लोगों द्वारा व्यक्त की गई आकांक्षाओं से पूरी तरह वाकिफ है। उनके अनुसार, घोषणापत्र तैयार और कार्यान्वित किया गया है। केसीआर ने कहा कि 9 साल की अवधि में कोरोना के कारण तीन साल बर्बाद हो गए। शेष काल में पूर्ण गति से प्रगति हुई।

इसका विश्लेषण किया गया कि अभी जो तेलंगाना हम देख रहे हैं वह नवीन तेलंगाना, नवोन्मेष तेलंगाना है। तेलंगाना के विकास को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिल रही है। मैं इसमें शामिल लोगों, सरकारी कर्मचारियों और मशीनरी की सराहना करता हूं। तेलंगाना की योजनाएं अन्य राज्यों के लिए आदर्श और व्यवहार्य हैं। मुझे खुशी है कि कई नेता और सीएम कह रहे हैं कि वे तेलंगाना मॉडल को उनके राज्यों में इन्हें लागू करेंगे। उन्होंने अपने बयान में कहा कि उन्होंने उन समस्याओं का समाधान दिया है जो उन्हें वर्षों से परेशान कर रही थीं। ग्रामीण विकास और शहरी विकास के नाम पर व्यापक योजनाएं शुरू की गई हैं और उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए है।

सीएम केसीआर ने हैदराबाद को भारत का लघु रूप बताया। उन्होंने कहा कि वे 6,250 करोड़ रुपये की लागत से मेट्रो का विस्तार हवाई यात्रियों के लिए एयरपोर्ट तक कर रहे हैं। पता चला है कि इसे तीन साल के भीतर पूरा करने का फैसला किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि यातायात की समस्या को कम करने के लिए एसएसआरडीपी के तहत 67 हजार 149 करोड़ रुपये की लागत से फ्लाईओवर, अंडरपास और आरबीओ विकसित किए गए हैं। सीएम केसीआर ने लोगों को हर क्षेत्र में हुई प्रगति की जानकारी दी।

सीएम ने बताया कि राज्य सरकार अगले महीने जुलाई में गृहलक्ष्मी योजना शुरू करेगी। गृहलक्ष्मी योजना को बेघर महिलाओं को अपनी जमीन पर घर बनाने में मदद करने के लिए 3 लाख रुपये देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष गृहलक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन के लिए 12 हजार करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय लिया है और योजना के तहत पहले चरण में लाभार्थियों को तीन लाख रुपये दिये जायेंगे। यह कहते हुए कि तेलंगाना राज्य ने कल्याण क्षेत्र में "संपदा बनाएं और इसे वितरित करें" के नारे के साथ एक स्वर्ण युग शुरू किया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के गठन से पहले तेलंगाना प्रति व्यक्ति आय केवल 1,24,104 रुपये है। हालांकि, उनके जबरदस्त प्रयासों और कड़ी मेहनत के कारण, राज्य ने महत्वपूर्ण विकास हासिल किया और इसकी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 3,17,115 रुपये हो गई।

केसीआर ने बताया कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से बहुत अधिक है और यह भारत के बड़े राज्यों की तुलना में भी बहुत आगे है। उन्होंने आगे कहा कि कोरोना महामारी और नोटबंदी के कारण हुए आर्थिक संकट के बावजूद तेलंगाना राज्य 155 प्रतिशत विकास दर के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद से, तेलंगाना ने सभी प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है और इसकी जीएसडीपी 5,05,849 करोड़ रुपये से बढ़कर 12,93,469 करोड़ रुपये हो गई है।

>14

स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए सीएम केसीआर, मुख्य सचिव शांति कुमारी, डीजीपी अंजनी कुमार।

ओडिशा में ट्रेन हादसा

कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतरी, 50 यात्रियों की मौत, 350 से अधिक घायल

बालासोर, 2 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर जिले में बहानागा रेलवे स्टेशन के पास कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतरने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में 50 से अधिक लोगों की मौत की खबर है तो वहीं 350 से ज्यादा यात्री जख्मी हो गए हैं। ओडिशा के चीफ सेक्रेटरी ने बताया कि 132 घायल यात्रियों को सोरो और गोपालपुर सीएचसी में शिफ्ट किया गया है। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को अच्छी देखभाल के लिए रेफर किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि घायलों की संख्या ज्यादा होने के कारण एंबुलेंस के साथ बसों को भी बुलाया गया है।

बचाव अभियान के लिए टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। एसडीआरएफ की टीमें भी मौके पर मौजूद है। अधिकारियों के मुताबिक, कोरोमंडल एक्सप्रेस के चार डिब्बे पटरी से उतरे हैं। उन्होंने कहा कि हादसा शाम करीब 7.20 बजे बहानागा बाजार स्टेशन के पास हुआ।

विशेष राहत आयुक्त कार्यालय ने कहा कि बालासोर के कलेक्टर को भी सभी आवश्यक व्यवस्था करने के लिए मौके पर पहुंचने और राज्य स्तर से किसी भी अतिरिक्त मदद की आवश्यकता होने पर एसआरसी को सूचित करने का निर्देश दिया गया है।

घटनास्थल के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक कंट्रोल रूम पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैंने अभी-अभी इस दुखद रेल दुर्घटना की स्थिति की समीक्षा की है। मैं कल सुबह घटनास्थल का दौरा करूंगा।

ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप जेना ने बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर हैं। 600-700 रेस्क्यू फोर्स के जवान काम कर रहे हैं। रात भर रेस्क्यू ऑपरेशन चलेगा। सभी अस्पताल सहयोग दे रहे हैं। हमारीचिंता पीड़ितों को बचाने की है।

सीएम ममता बनर्जी क्या बोलीं

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हादसे को लेकर हैरानी हुई। उन्होंने बताया कि हम अपने लोगों की भलाई के लिए ओडिशा सरकार और दक्षिण पूर्व रेलवे के साथ समन्वय कर रहे हैं। हमारे आपातकालीन नियंत्रण कक्ष को तुरंत एक्टिव कर दिया है। इसका नंबर 033-22143526/22535185 है। बचाव के लिए सभी प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

>14

राहुल बोले- आजादी के बाद मानहानि में सबसे बड़ी सजा मुझे

संसद में अडाणी पर बोलने के तुरंत बाद मेरी सांसदी चली गई

वॉशिंगटन, 2 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के 6 दिन के दौरे पर हैं। उन्होंने वॉशिंगटन के नेशनल प्रेस क्लब में मीडिया के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान केरल में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (यूएमएल) से गठबंधन को लेकर राहुल ने कहा, मुस्लिम लीग पूरी तरह से सेक्युलर पार्टी है। विपक्ष एकजुट हो रहा है। हम सभी विपक्षी पार्टियों से बात कर रहे हैं। इस संबंध में काफी अच्छा काम हो रहा है। राहुल ने कहा, कई जगह ऐसी हैं जहां हम विपक्ष के साथ मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में हमें कई मुद्दों पर एक राय बनानी होगी, लेकिन मुझे विश्वास है कि हम चुनाव में साथ जरूर आएंगे। सांसदी जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, मुझे 1947 के बाद मानहानि के मामले में सबसे बड़ी सजा मिली है। मैंने संसद में अडाणी को लेकर स्पीच दी थी, जिसकी वजह से मुझे डिस्क्वालिफाई कर दिया गया।

भाजपा बोली, ऐसा कहना राहुल की मजबूरी :

मुस्लिम लीग को लेकर राहुल के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा, जिन्ना की मुस्लिम लीग पार्टी धार्मिक आधार पर भारत के बंटवारे के लिए जिम्मेदार थी। ये पार्टी राहुल के मुताबिक सेक्युलर पार्टी है। वायनाड में अपनी स्वीकार्यता बनाए रखने के लिए ऐसा कहना उनकी मजबूरी है।

रूस-यूक्रेन जंग पर कांग्रेस भाजपा के साथ :

यहां उनसे सवाल किया गया कि रूस और यूक्रेन जंग को लेकर कांग्रेस का रूस के लिए क्या स्टैंड है। इसके जवाब में राहुल ने कहा कि रूस को लेकर जो भाजपा का रुख है, वैसा ही रुख कांग्रेस का होगा। उन्होंने कहा कि रूस और भारत के बीच जो रिश्ता है, उसे नकारा नहीं जा सकता है। इसलिए हमारी पॉलिसी सरकार जैसी ही होती।

शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 साल पूरे

पीएम बोले- उन्होंने गुलामी की मानसिकता खत्म की, एक भारत-श्रेष्ठ भारत का विजन उनकी प्रेरणा

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। महाराष्ट्र में 7 दिनों तक चलने वाले समारोह के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो मैसेज टेलीकास्ट किया गया। मैसेज में उन्होंने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज ने गुलामी की मानसिकता खत्म की।

पीएम ने कहा, जब उनका राज्याभिषेक हुआ था तब स्वराज का नारा चारों दिशाओं में गूंजा था। शिवाजी ने हमेशा भारत की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखा। आज एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विजन में उनके विचारों की परछाई है। राष्ट्र कल्याण और लोक कल्याण उनकी शासन व्यवस्था के मूल तत्व रहे हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज साहस के प्रतीक, उनका जीवन प्रेरणा स्त्रोत

पीएम मोदी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज साहस के प्रतीक हैं और उनका जीवन तथा आदर्श प्रेरणा के स्त्रोत हैं। राज्य और प्रजा का कल्याण छत्रपति शिवाजी महाराज के शासन का मूल सिद्धांत था। उनका राज्याभिषेक दिवस नई चेतना, नई ऊर्जा लेकर आया है। शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक उस कालखंड का एक अद्भुत और विशिष्ट अध्याय है।

शिवाजी महाराज ने विश्वास जगाया कि खुद का शासन संभव है

पीएम मोदी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज का व्यक्तित्व अद्भुत था। उन्होंने स्वराज की भी स्थापना की और सुशासन कायम किया। वो अपने शौर्य के लिए भी जाने जाते हैं और अपने सुशासन के लिए भी।

सैकड़ों सालों की गुलामी ने हमारे देशवासियों का स्वाभिमान और आत्मविश्वास छीन लिया था। उस समय लोगों में विश्वास जगाना एक कठिन काम था। छत्रपति शिवाजी महाराज ने उस वक्त न केवल हमलावरों का मुकाबला किया, बल्कि लोगों में यह विश्वास भी जगाया कि खुद का शासन संभव है।

गुलामी के निशान से नौसेना को मुक्ति दिलाई

पीएम मोदी ने कहा, शिवाजी ने भारत के सामर्थ्य को पहचान कर जिस तरह से नौसेना का विस्तार किया वो आज भी हमें प्रेरणा देता है।

>14

गृहमंत्री की अपील के बाद मणिपुर में 140 हथियार सरेंडर

इनमें हाईटेक राइफल्स और ग्रेनेड, पांच जिलों से कर्फ्यू हटा

इंफाल, 2 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अपील के बाद मणिपुर में उपद्रवियों ने 140 हथियार सरेंडर किए हैं। इनमें एसएलआर 29, कार्बाइन, एके, इंसास राइफल, इंसास एलएमजी, एम16 राइफल जैसी हाईटेक राइफल्स और ग्रेनेड भी शामिल हैं।

मणिपुर पुलिस ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि ज्यादातर जिलों में स्थिति सामान्य है। राज्य में 3 मई को हिंसा भड़की थी। इसके बाद सुरक्षाबलों के करीब 2 हजार हथियार लूटे गए थे।

महीने भर बाद भी जब राज्य में हिंसा नहीं थमी तो गृहमंत्री अमित शाह 29 मई को चार दिन के दौरे पर मणिपुर पहुंचे। गुरुवार को शाह ने मणिपुर में लोगों से कहा था कि अफवाहों पर ध्यान न दें। हथियार रखने वालों को पुलिस के सामने सरेंडर करना होगा।

शाह ने कहा कि 2 जून से सर्च ऑपरेशन शुरू होगा। अगर किसी के पास हथियार मिले तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके 24 घंटे बाद ही इतनी बड़ी संख्या में उपद्रवियों ने सरेंडर किया है। उधर, राज्य के 5 जिलों से कर्फ्यू हटा लिया गया है।

4 दिन मणिपुर में रहे अमित शाह

3 मई से जारी हिंसा के बीच गृहमंत्री अमित शाह पहली बार राज्य के दौरे पर गए थे। वे 29 मई से 1 जून यानी 4 दिनों तक यहां रहे। उनके साथ केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ तपन डेका भी मौजूद थे। शाह ने 4 दिन के दौरे में कई फैसले लिए। इनमें राज्य के डीजीपी को हटाना सबसे बड़ा फैसला था।

KADEL

KADEL INSURANCE BROKERS (P) LTD.

Regd. Office : 402, Mogul Apartment, IRDA C.No. 127 (2/3/24)
Deccan Towers,Basheerbagh, Hyderabad - 500 001 (TS)
040-23237563, 23296634, 23230664, 66627751

कडेल इंश्योरेंस ब्रोकर केवल हैदराबाद में ही नहीं अपितु पूरे भारत में एक जाना-पहचाना नाम है। इसके संस्थापक पिछले 47 वर्षों से बीमा संबंधी विभिन्न सेवाएं प्रदान करते आ रहे हैं। पिछले 20 वर्षों से कंपनी बीमा ब्रोकिंग में सक्रिय है। ब्रोकिंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए कई मापदंड हैं, और आईआरडीए सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के पश्चात ही लाइसेंस प्रदान करता है, जिसके लिए कम से कम 75 लाख रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है। ब्रोकिंग लाइसेंस के सभी नियमों और शर्तों का अपवाद के बिना पालन किया जाना आवश्यक है। समय-समय पर IRDA की निरीक्षण टीम ब्रोकर के अनुपालन का निरीक्षण करती है। बीमा ब्रोकर को भारत में मौजूद सभी बीमा कंपनियों के साथ कारोबार करने का अधिकार है। वर्तमान में कडेल इंश्योरेंस ब्रोकर के पास 27 अधिकारी और कर्मचारी विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं जैसे मार्केटिंग, पॉलिसी मॉनिटरिंग और क्लेम विभाग इन विभागों में वरिष्ठ अधिकारी पूरी योग्यता के साथ अपना उत्तरदायित्व निभा रहे हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पॉलिसी में कोई त्रुटि न हो ताकि हमारे ग्राहकों को Claim के दौरान किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। हम लगभग 200 कंपनियों को अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं, जिनमें कपड़ा, इस्पात, रसायन, दवा, तेल रिफाइनरी, प्लास्टिक, पैकेजिंग, रबर टायर, धातु और खाद्य क्षेत्र शामिल हैं। हम सैकड़ों दुकानों और लगभग 8,000 नागरिकों को चिकित्सा बीमा (Mediclaim) तथा हज़ारों वाहनों की बीमा सेवाएँ भी प्रदान कर रहे हैं। परमात्मा की कृपा से हमने विश्व विख्यात संस्थान जैसे तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD) और मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में भी अपनी सेवाएँ प्रदान की है।

मुझे इन्श्योरेन्स ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं IRDA के परामर्श मण्डल का सदस्य होने का भी गौरव प्राप्त हुआ है।

हमारा यह स्पष्ट मानना है कि हमारी योग्यता परखने के पश्चात ही हमें आप सेवा का अवसर प्रदान करें।

इन्श्योरेंस संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु आपका स्वागत है :

सोहनलाल कड़ेल (चेयरमेन) 93922 33200

www.kadelinsurance.com kadelinsurance@gmail.com

राहुल गांधी के समर्थन में आए संजय राउत

कहा- पूरा विपक्ष एकजुट है, हम 2024 में भाजपा को हराएंगे

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने अमेरिका में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विपक्षी एकता पर दिए बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा है, उससे मैं सहमत हूं। पूरा विपक्ष एकजुट है। संजय राउत ने कहा कि 2024 में हम भाजपा को हराएंगे, ये हमारा विश्वास और आत्मविश्वास दोनों है। राहुल गांधी की बात बहुत समझदारी की बात है, बड़े नेता इसी प्रकार से बात करते हैं। हम एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर आगे जाएंगे। बता दें, अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में पत्रकारों के विपक्षी एकता पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि पूरा विपक्ष एकजुट है। हम सभी विपक्षी दलों से बातचीत कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि कुछ जगहों पर हम विपक्षी दलों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इसलिए यह कुछ हद तक जरूरत के मुताबिक लेन-देन है। हालांकि, मुझे विश्वास है कि गठबंधन होकर रहेगा। वहीं, केरल में अपने सहयोगी मुस्लिम लीग के बारे में सवाल पूछने पर राहुल ने कहा कि मुस्लिम लीग धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। उसमें गैर-धर्मनिरपेक्ष जैसा कुछ नहीं है।

विज्ञान भारती के अभा संगठनमंत्री जयंत सहस्त्रबुद्धे का निधन

पुणे, 2 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और विज्ञान भारती के अखिल भारतीय संगठनमंत्री जयंत सहस्त्रबुद्धे का शुक्रवार को पुणे मे निधन हो गया। दिल्ली मे हुए हादसे के बाद लंबे समय से उनका इलाज चल रहा था। मुंबई स्थित यशवंत भवन मे दोपहर 4 से शाम 6 बजे के दरम्यान जयंत सहस्त्रबुद्धे का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए रखा जाएगा। शाम 6 बजे यशवंत भवन से उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। संघ के कोकण प्रांत प्रचार विभाग ने बताया कि दिवंगत जयंत सहस्त्रबुद्धे का अंतिम संस्कार दादर के शिवाजी पार्क श्मशान घाट पर किया जाएगा।

आपके जज्बे को सलाम

पत्नी से झगड़ा होने के बाद गले में डाला फंदा

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन में तैनात कर्मियों ने ड्यूटी का ठीक से निर्वाह करते हुए एक शख्स की जान बचा ली। पत्नी से झगड़े के बाद शख्स फांसी लगा रहा था। उसने फंदे को गले में डाल लिया था। पीसीआर के पुलिस उपायुक्त आनंद मिश्रा ने बताया कि मामला कापसहेड़ा थाना इलाके की गली नंबर 4 का है। एक महिला ने रात को पीसीआर कॉल कर सूचना दी थी कि पति ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया है। वह गुस्से में हैं। फंदा लगाकर खुदकुशी करने जा रहे हैं। आनन फानन में पीसीआर कर्मी हवलदार बलराज और सिपाही दीपक मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से कमरे का दरवाजा तोड़ा तो श्याम कपड़े की मदद से फंदा बनाकर लटका हुआ था। पुलिसकर्मियों ने उसे नीचे उतारा। श्याम ने शराब पी रखी थी। झगड़ा होने पर उसने गुस्से में पत्नी की पिटाई कर दी और कमरे जाकर दरवाजा बंद कर लिया। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को उचित इनाम देने की घोषणा की है।

आतिशी का बढ़ा कद जनसंपर्क विभाग की मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल की सरकार में मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के जेल जाने के बाद से कई विभागों में फेरबदल हुआ है। दिल्ली मंत्री आतिशी का कद बढ़ गया है। दिल्ली कैबिनेट में फेरबदल करते हुए सरकार में आतिशी को जनसंपर्क विभाग की जिम्मेदारी मिल गई है। अभी वर्तमान में इस विभाग के अलावा बिजली, शिक्षा, महिला और पीडब्ल्यूडी विभाग की जिम्मेदारी मिली हुई है।

नेपाल के बाद 'अखंड भारत' पर

पाक ने जताया ऐतराज, पाक विदेश मंत्रालय का जहरीला बयान

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। भारत की नई संसद में 'अखंड भारत' के नक्शे पर भारत के पड़ोसी देशों ने ऐतराज जताया है। पहले नेपाल और अब उसके बाद पाकिस्तान ने 'अखंड भारत' के नक्शे पर नाराजगी जताई है। पाकिस्तान की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा कि भारतीय संसद की नई इमारत में लगाए गए प्राचीन भारत के नक्शे में पाकिस्तान और अन्य पड़ोसी देशों के इलाकों को भी दर्शाया गया है। पाक विदेश मंत्रालय ने बड़बोलापन दिखाते हुए कहा कि 'अखंड भारत' के विचार से वे बहुत चिंतित हैं। इससे पहले नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और बाबूराम भट्टाराई ने भारत की नई संसद में लगे 'अखंड भारत' के नक्शे पर ऐतराज जताया था। नेपाल के पीएम पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' से कहा भी था कि इस मामले को भारत यात्रा के दौरान उठाया जाए। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने जहरीला बयान देते हुए कहा कि 'भारत के कई केंद्रीय मंत्री इस भित्तिचित्र को अखंड भारत से जोड़ रहे हैं। बलोच ने कहा कि यह अखंड भारत का दावा विस्तारवादी मानसिकता का दिखावा है जो न केवल भारत के पड़ोसी देशों, बल्कि धार्मिक अल्पसंख्यकों की विचारधारा और संस्कृति को पराजित करना चाहता है।' पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने बिना मांगे ही सलाह दी कि भारतीय नेताओं को दूसरे देशों के खिलाफ बयानबाजी में शामिल नहीं होना चाहिए।

अखंड भारत में तक्षशिला, सिंधु, पुरुषपुर ये पाकिस्तान में

भारत के दुश्मन और कंगाल पाकिस्तान की हालत अपने देश में नहीं संभल रही है और वह भारत को नसीहत देने की हिमाकत कर रहा है। बता दें भारतीय संसद की नई इमरात में अखंड भारत का भित्तिचित्र लगाया गया है। इसमें वर्तमान पाकिस्तान के कई इलाकों जैसे तक्षशिला, मानसेहरा, सिंधु, पुरुषपुर, उत्तरापथ को दिखाया गया है जो प्राचीन काल में अखंड भारत का हिस्सा थे। पाकिस्तान तो 1947 में बना। इससे पहले अखंड भारत ही था, ऐसे में पाकिस्तान का ऐतराज करना किसी भी लिहाज से जायज नहीं है। लेकिन आतंकी की फैक्टरी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता।

नेपाल का कपिलवस्तु भी दर्शाया है अखंड भारत के नक्शे में

अखंड भारत के इसी भित्तिचित्र में लुंबिनी और कपिलवस्तु को भी दिखाया गया है जो वर्तमान समय में नेपाल का हिस्सा है। इस भित्तिचित्र के सामने आने के बाद नेपाल के वामपंथी नेता बुरी तरह से भड़क गए हैं। नेपाल के पूर्व पीएम बाबूराम भट्टाराई ने भारत को तो चेतावनी भी दे दी। वहीं चीन के इशारे पर नाचने वाले केपी ओली ने तो भारत की यात्रा पर आए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड से इस मुद्दे को भारतीय नेतृत्व से उठाने के लिए कहा है। दरअसल, नेपाल के ये पूर्व प्रधानमंत्री अपनी राजनीति चमकाने के लिए ऐसे मुद्दे उठाते हैं। भारत के साथ रोटी बेटी का संबंध है, जो काफी प्राचीन है। इस बात को नेपाल के पीएम प्रचंड ने भारत आकर फिर दोहराया है।

गुजरात में महसूस हुए भूकंप के झटके, घरों से बाहर निकले लोग

ऊना, 2 जून (एजेंसियां)। गुजरात के ऊना जिले में शुक्रवार सुबह-सुबह भूकंप की झटके महसूस किये गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.4 मापी गई है। बीते 25 मई को कच्छ जिले में शाम को भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3 मापी गई थी। भूकंप का केंद्र भचाऊ के पास था। भूगर्भविज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के मुताबिक शाम 6 बजकर 40 मिनट पर भूकंप आया था। इसका केंद्र जिले में भचाऊ से 19 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व में था। इस क्षेत्र में बीते 17 मई को भी भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.2 थी। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता का अंदाजा कुछ इस तरह से लगता है कि अगर भूकंप की तीव्रता 0 से 1.9 है तो ही सीज्मोग्राफी के जरिये भूकंप की जानकारी मिल पाती है। 2 से 2.9 तीव्रता पर बहुत कम कंपन महसूस होता है। 3 से 3.9 तीव्रता पर ऐसा लगेगा कि कोई भारी वाहन पास से गुजरा हो। वहीं भूकंप की तीव्रता 4 से 4.9 होती है तो घर में रखा सामान अपनी जगह से नीचे गिर सकता है। वहीं 5 से 5.9 भूकंप की तीव्रता है तो भारी सामान और फर्नीचर भी हिल सकता है। अगर तीव्रता 6 से 6.9 होगी तो इमारत का बेस दरक सकता है। अगर ये 7 से 7.9 हो जाए तो इमारतें गिर जाती हैं। वहीं 8 से 8.9 भूकंप की तीव्रता हो जाए तो सुनामी का खतरा ज्यादा तबाही आ सकती है। अगर ये 9 या उससे ज्यादा है तो भीषण तबाही का मंजर देखने को मिलेगा।

राजौरी जिले में सेना के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर

राजौरी, 2 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शुक्रवार सुबह एक आतंकवादी मारा गया। सेना से जुड़े अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि राजौरी के पास दासल गुर्जन के वन क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों के मद्देनजर सेना और पुलिस ने गुरुवार और शुक्रवार के दौरान रात को घेराबंदी की तथा तलाशी अभियान चलाया।रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों के सुरक्षा बलों पर गोली चलाने के बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और दोनों पक्षों के बीच रातभर गोलीबारी जारी रही। जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने बताया कि मुठभेड़ अभी जारी है और इसमें एक आतंकवादी मारा गया है।

अब आईएसआई ही दाऊद-हाफिज को जान से मारेगी

बन गया 'मौत का प्लान'

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। भारत के दो सबसे बड़े दुश्मन और मोस्ट वांटेड की लिस्ट में शुमार हाफिज सईद और दाऊद इब्राहिम को पाकिस्तान ने अपने घर में पनाह दे रखी है। लेकिन अब शायद इन दोनों के लिए पाकिस्तान में ही खतरा बना हुआ है। उन्हें शायद डर है कि कहीं न पाकिस्तान सरकार अपने फायदे के लिए उन्हें मरवा दे रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में जो आतंकवादी काम के नहीं रहे, उन्हें अब मार दिया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले 3 महीने में 4 ऐसे आतंकवादियों की मौत हो चुकी है या फिर उनकी हत्या करवा दी गई है, जो 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड है। इन आतंकवादियों में हिजबुल आतंकी और खालिस्तानी आतंकी शामिल है।

आईएसआई की नाराजगी पड़ती है भारी

पाकिस्तान में बीते दिनों भारत के कई दुश्मन मारे गए। इनमें से मारे गए

आतंकी का हाथ जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों को मारने के पीछे भी था। हाल ही में 6 मई को खालिस्तान कमांडो फोर्स के परमजीत सिंह की लाहौर में हत्या कर दी गई। मार्च महीने में आतंकी जहूर इब्राहिम की कराची में हत्या कर दी गई थी। वहीं 20 फरवरी को रावलपिंडी में हिजबुल के आतंकी बशीर अहमद पीर का मर्डर हुआ था। ये सारे ऐसे लोग थे, जिन्हें भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया जाता है और अगर वो किसी कारणवश फेल हो जाते है तो उसे आईएसआई नाराज हो जाता है और उन्हें मार देता है।

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी की मौत

सवाल ये है कि क्या आईएसआई अपनी यूज एन्ड थ्रो पॉलिसी के तहत कई आतंकियों को मौत के घाट उतार देता है। उनका सीधा मतलब होता है, जो आतंकी किसी काम के नहीं होते है, वो उन्हें पालते नहीं है। शायद इसी डर से मुंबई 1993 ब्लास्ट का आरोपी दाऊद इब्राहिम और मुंबई 26/11 का मास्टरमाइंड हाफिज सईद अपने बिल में छुपे है। उन्हें भी ये डर सता रहा है कि कहीं न आईएसआई अपनी यूज एन्ड थ्रो पॉलिसी के तहत मार न दे। इसका सबसे बड़ा सबूत तब देखने को मिला, जब 29 मई को प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा प्रमुख और हाफिज सईद के करीबी हाफिज अब्दुल सलाम भुट्टावी की पाक के जेल में संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। हाफिज अब्दुल सलाम भुट्टावी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी था।

बंगाल के चालक की सुपौल में हत्या

सुपौल, 2 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के चालक की सुपौल में बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना गुरुवार रात की है। भपटियाही थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-57 पर गुरुवार की देर रात आठ की संख्यां में अज्ञात बदमाशों ने मुर्गा लदे पिकअप को लूटने के दौरान घटना को अंजाम दिया। लूटपाट के दौरान वैन के चालक ने विरोध जताया तो बदमाशों ने उसके सिर में गोली मार दी। इलाज के क्रम में जख्मी चालक की मौत हो गई। पिकअप पर चालक के साथ दो और लोग थे। बंगाल के नदिया जिला के रहने वाले बुद्धदेव ने बताया कि आठ की संख्या में बदमाश थे और सबके हाथों में हथियार नजर आ रहा था। जब ड्राइवर ने गाड़ी रोकने से मना किया तो उसने सिर में गोली मार दी। इसके बाद गाड़ी में लूटपाट शुरू कर दी। बदमाशों के चले जाने के बाद जख्मी हालत में चालक को स्थानीय और राहगीरों की मदद से स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने नाम लिए बिना साधा राहुल गांधी पर निशाना, दिया बड़ा बयान

नागपुर, 2 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर बिना नाम लिए निशाना साधा है। महाराष्ट्र के नागपुर में मोहन भागवत ने देश में एकता और अनुशासन बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर बुरी नजर दिखाने वाले दुश्मनों को ताकत दिखाने के बजाय हम आपस में ही लड़ रहे हैं। आरएसएस चीफ ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता के लिए हर किसी को प्रयास करना चाहिए। भागवत ने मुसलमानों से अपील करते हुए कहा कि दुनिया में जब इस्लाम का आक्रमण हुआ तो वह स्पेन से मंगोलिया तक छा गया, लेकिन जब वक्त बीता तो वो सिकुड़ता चला गया। उन्होंने कहा कि आज भारत ही वो जगह है जहां इस्लाम की पूजा सबसे सुरक्षित तरीके से होती है। संघ के प्रशिक्षम वंग के समापन पर अपने संबोधन में भागवत ने देश के हर मुद्दे पर बात की। देशभक्ति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने हमें अनुशासन का पाठ पढ़ाया है और इसी अनुशासन को देशभक्ति कहते हैं। संघ प्रमुख ने नए संसद भवन की तारीफ की और साथ ही अमेरिका जाकर भारत सरकार और बीजेपी पर हमला बोलने वाले राहुल गांधी पर इशारों-इशारों में निशाना भी साधा। राहुल द्वारा देश की संसद और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े करने पर भागवत ने नाम लिए बिना उन्हें नसीहत देते हुए कहा कि विदेश जाकर देश की बदनामी न करें।

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर हुसैन राणा ने अमेरिकी अदालत द्वारा हाल ही में पारित उस आदेश को चुनौती देते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है, जिसके तहत उसके भारत प्रत्यर्पण का मार्ग प्रशस्त हुआ था। यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया ने 26/11 के मुंबई हमले के आरोपी राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी। राणा पर 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में संलिप्तता का आरोप है, जिसे लेकर भारत में उसके खिलाफ मुकदमा चलाया जा रहा है। तहव्वुर हुसैन राणा (62) ने अपने वकील के जरिये बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका दायर करते हुए भारत सरकार द्वारा उसके प्रत्यर्पण को चुनौती दी है। उसके वकील ने तर्क दिया कि राणा का प्रत्यर्पण अमेरिका-भारत प्रत्यर्पण संधि का दो तरह से उल्लंघन होगा। गौरतलब है कि भारत ने 10 जून 2020 को प्रत्यर्पण के लिए राणा की अस्थायी गिरफ्तारी की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने राणा के भारत प्रत्यर्पण का समर्थन किया था और उसे मंजूरी दी थी। इसके बाद, उसे गिरफ्तार किया गया था। राणा अभी लॉस एंजिलिस के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है। भारत में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा 26 नवंबर 2008 को मुंबई में किए गए हमलों में राणा की भूमिका की जांच कर रहा है। इन हमलों के दौरान अजमल कसाब नामक आतंकवादी जिंदा पकड़ा गया था, जिसे 21 नवंबर 2012 को भारत में फांसी की सजा दी गई। बाकी आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने हमलों के दौरान ढेर कर दिया था। मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिक सहित कुल 166 लोगों की जान गई थी।

बृजभूषण पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई

प्रियंका गांधी का पीएम मोदी से सवाल

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चीफ बृजभूषण शरण सिंह को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक अखबार की रिपोर्ट शेयर करते हुए ट्विटर पर पीएम मोदी को टैग किया और उनसे सवाल करते हुए लिखा- "नरेंद्र मोदी जी इन गंभीर आरोपों को पढ़िए और देश को बताइए कि आरोपी पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई?" दरअसल, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक अखबार की रिपोर्ट शेयर की जिसमें बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के एक दो नहीं बल्कि 10 मामलों का जिक्र है। इसमें बृजभूषण के खिलाफ यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया है और खिलाड़ियों ने कहा है कि बृजभूषण ने उनके साथ कई बार छेड़छाड़ की।

28 अप्रैल को की गई थी 2 एफआईआर

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 28 अप्रैल को दो एफआईआर दर्ज हुई थी। दोनों एफआईआर में आईपीसी की धारा 354 (महिला की लज्जा भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग), 354ए (यौन उत्पीड़न), 354डी (पीछा करना) और 34 (सामान्य इरादे) का हवाला दिया गया है। इन आरोपों में एक से तीन साल की जेल की सजा का प्रावधान है। पहली एफआईआर में छह वयस्क पहलवानों के आरोप शामिल हैं। इसमें रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के सचिव विनोद तोमर का भी नाम है। दूसरी एफआईआर एक नाबालिग के पिता की शिकायत पर दर्ज की गई है। यह पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 के तहत है जिसमें पांच से सात साल सजा का प्रावधान है। दूसरी एफआईआर में कहा गया है कि खिलाड़ी ने जब मेडल जीता तो आरोपी ने तस्वीर खिंचवाने के बहाने कस कर पकड़ लिया। इस दौरान उसके कंधे को जोर से दबाया और फिर जानबूझकर अपना हाथ उसके कंधे के नीचे ले गया। खिलाड़ी के शरीर को गलत तरीके से छुआ। पीड़िता से कहा, वह टच में रहे तो उसे सपोर्ट करेगा

बेंगलुरु पुलिस ने स्कूलों और आस-पास के इलाकों में मारे छापे, 200 से अधिक लोगों को लिया हिरासत में

बेंगलुरु, 2 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु पुलिस स्कूलों और कॉलेजों के आस-पास सक्रिय ड्रग माफिया को निशाना बनाकर छापेमारी कर रही है। शहर में 250 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी और तलाशी अभियान जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को छापेमारी तीन दिनों से जारी है। अब तक नशा तस्करी को लेकर 100 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं। छात्रों को ड्रग्स की आपूर्ति करने के आरोप में 200 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है और 15 किलोग्राम से अधिक गांजा और एमडीएमए जब्त किया गया है। गर्मी की छुट्टी के बाद फिर से खुले स्कूलों और कॉलेजों के आस-पास के इलाकों में छात्रों को बड़े पैमाने पर ड्रग्स बेचे जाने की सूचना मिलने पर पुलिस हरकत में आई। नशा माफियाओं पर नकेल कसने के तहत शहर के सभी प्रखंडों से पुलिस कर्मियों को लगाया गया है।

सरकार का हिस्सा होते हुए भी पहलवानों के समर्थन में

बीजेपी एमपी प्रीतम मुंडे, बहन पंकजा ने पार्टी को लेकर कही ये बात

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन कर रहे पहलवानों का विपक्षी पार्टियों तो खुलकर समर्थन कर ही रही हैं, अब बीजेपी के अंदर से भी उनके लिए आवाज उठने लगी हैं। महाराष्ट्र से बीजेपी सांसद प्रीतम मुंडे ने पहलवानों के समर्थन में बयान दिया है। प्रीतम मुंडे ने कहा कि जब कोई महिला इतनी गंभीर शिकायत करती है तो उसे बिना किसी शक के सच माना जाना चाहिए। बीजेपी सांसद ने कहा कि यह कोई भी सरकार या पार्टी हो सकती है। मेरा मानना है कि अगर इस स्तर के (बड़े) आंदोलन पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो यह सही नहीं है। इसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। प्रीतम मुंडे ने आगे कहा, भले ही मैं सरकार का हिस्सा हूं, लेकिन हमें स्वीकार करना होगा कि जिस तरह से हमें पहलवानों के साथ संवाद करना चाहिए था, वैसा नहीं हुआ। प्रीतम मुंडे के बयान के बाद ही उनकी बड़ी बहन और बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने पार्टी को लेकर असहज करने वाला बयान दिया है।

पंकजा बोलीं- पार्टी मेरी नहीं

पंकजा मुंडे ने कहा है कि वह बीजेपी की हैं लेकिन पार्टी उनकी नहीं है। बताया जाता है कि मुंडे बहनें बीजेपी में उपेक्षा से नाराज चल रही हैं। पंकजा और प्रीतम मुंडे महाराष्ट्र के दिग्गज बीजेपी नेता रहे गोपीनाथ मुंडे की बेटियां हैं। गोपीनाथ मुंडे को केंद्र की पहली मोदी सरकार में मंत्री बनाया गया था। मंत्री रहते हुए ही 2014 में एक कार दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। बीड से सांसद प्रीतम मुंडे को केंद्र सरकार में कोई मंत्रालय नहीं मिला है जबकि महाराष्ट्र में बीते साल एकनाथ शिंदे और फडणवीस सरकार गठित होने के बाद पंकजा को भी कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

हरियाणा से बीजेपी के सांसद ने किया सपोर्ट

प्रीतम मुंडे से पहले हरियाणा के बीजेपी सांसद बृजेंद्र सिंह ने भी पहलवानों के समर्थन में बयान दिया था। बृजेंद्र सिंह ने मेडल बहाने के लिए पहलवानों के हरिद्वार जाने को हृदय विदारक कहा था। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह के बेटे बृजेंद्र ने ट्वीट कर लिखा, मैं अपने पहलवानों की पीड़ा और लाचारी को महसूस कर रहा हूं, जो उन्हें अपने जीवन भर की कड़ी मेहनत- ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों के पदकों को पवित्र गंगा में फेंकने के कगार पर ले जाने के लिए मजबूर कर रहा है।

दिल्ली में बदमाशों के हौसले बुलंद

पुलिस अधिकारी पर चाकू से हमला कर किया घायल

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में इन दिनों चाकूबाजी की घटनाएं अचानक से बढ़ गई हैं। श्रेया हत्याकांड को हुए अभी एक हफ्ता भी नहीं बीता कि एक कांड और हो गया। इस बार बदमाशों ने शिकार दिल्ली पुलिस के जवान को ही बनाया है। वो तो गनीमत है कि पुलिसकर्मी को सिर्फ चोट आई है वह गंभीर नहीं है। इन घटनाओं ने देश की राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था में बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, घटना मोतीनगर थाना क्षेत्र की है। यहां एएसआई विक्रम सिंह जखीरा फ्लाईओवर के नीचे अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। इस दौरान उन्हें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। एएसआई ने तत्परता दिखाते हुए उसे रोका और उसकी तलाशी लेने लगे। इसी दौरान बदमाश ने चाकू निकाला और विक्रम सिंह पर हमला कर दिया। इस दौरान एएसआई ने खुद को बचाने की कोशिश कि लेकिन तब तक चाकू से उनके दाहिने हाथ पर चोट लग चुकी थी। एएसआई के दाहिने हाथ पर हमला करने के बाद बदमाश वहां से फरार हो गया।

हमले के तुरंत बाद एएसआई विक्रम को अस्पताल ले जाया गया है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धारा 186/353/307 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी की पहचान कर ली गई है और आरोपी को पकड़ने के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, विक्रम सिंह की हालात स्थिर बनी हुई है लेकिन इस तरह से पुलिसकर्मी पर हमले ने कई सवाल पैदा कर दिए हैं।

सु वि चा र
जैसे उबलते पानी में कभी परछाई नहीं दिखती ठीक उसी प्रकार परेशान मन से समाधान भी नहीं दिखते.. शांत होकर देखिए सभी समस्याओं का हल मिल जाएगा

केंद्र तेलंगाना के विकास के लिए प्रतिबद्ध : किशन रेड्डी

गोलकोंडा किले में मनाया गया तेलंगाना स्थापना दिवस

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र तेलंगाना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य को हर संभव मदद देने के लिए तैयार है। किशन रेड्डी आज ऐतिहासिक गोलकोंडा किले में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सीआरपीएफ और सीआईएसएफ की टुकड़ियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर की समीक्षा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य तेलंगाना के लोगों के संघर्ष और बलिदान के कारण एक वास्तविकता बन गया और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया।

पिछले नौ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार द्वारा किए गए उपायों के बारे में बताते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के लिए 1,20,000 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को शुरू करने के अलावा, रेलवे 720 करोड़ रुपये की लागत से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण कर रहा है और 30 और रेलवे स्टेशनों को आधुनिकीकरण के लिए चुना गया है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाली दो नई सुपरफास्ट रेलवे लाइनों के निर्माण को मंजूरी दे दी है और रेलवे अधिकारियों को इन क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए आवश्यक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने यह भी याद किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड को राष्ट्र को समर्पित किया था। बाद में, केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा तेलंगाना राज्य गठन के मौके पर "भारत सरकार की नौ साल की उपलब्धियों" पर दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। दिवस समारोह। उन्होंने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रकाशित 'नौ वर्ष सेवा, शुशासन और गरीब कल्याण' पर एक पुस्तिका भी जारी की। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना से मनाया जा रहा है और देश के सभी राज्यों के राजभवनों में आयोजित किया जा रहा है।

संस्कृति मंत्रालय, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में, गोलकुंडा किले में तेलंगाना स्थापना दिवस मना रहा है। यह आयोजन 'किला और कहानियां' नामक विशेष अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में किलों और उनके शानदार इतिहास को उजागर करना है, सांस्कृतिक गौरव के विषय को बढ़ावा देना है। किला और कहानियां अभियान के तहत, चित्तौड़गढ़ और कांगड़ा जैसे किलों में कई कार्यक्रम पहले ही हो चुके हैं, जबकि अन्य जगहों पर बिठूर किला, मांडू किला, झांसी किला और कांगला किला जैसे स्थलों के लिए योजना बनाई गई है। ये आयोजन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), विभिन्न क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों, ललित कला अकादमी, संगीत नाटक अकादमी, सीसीआरटी, साहित्य अकादमी और अन्य सहित संस्कृति मंत्रालय के तहत प्रमुख संस्थानों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से संभव हो पाए हैं।

लोगों की पीड़ा को देख सोनिया ने किया तेलंगाना का गठन : मीरा कुमार

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने आज कहा कि कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी ने क्षेत्र के लोगों की पीड़ा को देखते हुए पृथक तेलंगाना राज्य का गठन किया था। राज्य स्थापना दिवस समारोह का आयोजन गांधी भवन में कांग्रेस पार्टी के तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर आयोजित एक सभा में बोलते हुए, मीरा कुमार ने कहा कि वह तेलंगाना के लोगों के दर्द को समझने के लिए सोनिया को धन्यवाद देना चाहती हैं और कहा कि राज्य के लोगों को सभी ने धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना मुद्दे के बारे में किसी ने नहीं सुना और कहा कि केवल सोनिया ही तेलंगाना के लोगों को समझती हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य को संविधान के ढांचे के भीतर बनाया था और कहा कि यह कहना हास्यास्पद है कि तेलंगाना का गठन संविधान के खिलाफ किया गया था। मुझे खुशी है कि तेलंगाना के गठन के नौ साल बीत चुके हैं, लेकिन पिछले नौ वर्षों में तेलंगाना में चीजें नहीं बदली हैं। तेलंगाना के किसानों और श्रमिकों की समस्याएं जस की तस हैं। कांग्रेस तेलंगाना के लोगों की पीड़ा को बदलने के लिए काम करेगी। तेलंगाना के लोगों के जीवन में बदलाव आना चाहिए। कांग्रेस की सोच इन सबको साथ लेकर चलने की है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
PUB/0577

निविदा सं. : सी_एसजी_36_439 दि.29.05.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, दक्षिण मध्य रेलवे,सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेंट के माध्यम से दि.19.06.2023 के 15.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं. :1. निविदा सं. व तिथि : सी_एसजी_36_439 दि.29.05.2023 कार्य विवरण: 1. चित्तापूर स्टेशन पर फ्राइट ट्रेन एग्जामिनेशन फैसिलिटीज के विकास से संबंधित दूरसंचार या टेलिकाम व्यवस्था का प्रावधान । 2. वीकेबी-पीआरएलआय सेक्शन- जेडबी, युडीजीआर स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग के प्रावधान से संबंधित दूरसंचार या टेलिकाम व्यवस्था। 3. डब्ल्यूडी- एससी सेक्शन- डीआरआर,जीजीडी स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग के प्रावधान से संबंधित दूरसंचार या टेलिकाम व्यवस्था। 4. सीएचजेड-जीटी स्टेशनों के मध्य 209/23-26 किमी पर स्थित नई पुल या ब्रिज सं.282/ए युपी एंड डीएन के प्रस्तावित निर्माण सहित तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्था। ओपन कट एंड आरएच गिर्डर पध्दति व्दारा युपी एंड डीएन लाइन्स पर 4. x5.0x1.5एम प्रिकास्ट सेगमेंटल आरसीसी बाक्स सहित इएक्सजी ब्रिज नं.283 के लिए एडीशनल वाटर वे के प्रावधान के लिए विस्तार या एक्सटेंशन का प्रस्ताव। 5. एसएनएफ-एमएलवाय एसइसीः मौजूदा बीआर. नं.2(आरयुबी) किमीः 1/ 4-5 का प्रस्तावित पुनर्निर्माण से जुडी, आरसीसी बाक्सेस के रुप में 2x6.344+1x4.219 मीटर्स स्क्रू गिर्डर्स के सीमा या स्पैन संबंधित दूरसंचार व्यवस्था। 6. एलपीआय-एनपीएल स्टेशनों के मध्य किमी 153/13-15 पर स्थित नये पुल या ब्रिज नं.191/ए के निर्माण से संबंधित एयर पुशिंग तकनीकी व्दारा आरसीसी बाक्स केसिंग साइज 1x4 5x4 के माध्यम से 3000एमएम डाया एमएस वाटर कैरियर को बिछाने से जुडी तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्था। %. एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन-एलपीआय-एनपीएल स्टेशनों के मध्य रेलवे किमी 153/12-14 पर मौजूदा 8 लेन आउटर रिंग रोड के दोनो ओर सर्विस रोड के लिए 3x24(सीxसी बेयरिंग्स) कम्पोजिट गिर्डर्स स्पैन के 4 लेन आरओबी(2 नंबर्स) के प्रस्तावित निर्माण सहित दूरसंचार व्यवस्था (डिपाजिट वर्क)। 8. पीआरपीआयः पीआरपीआय स्टेशन पर 750 मीटर्स के लोडिंग लाइन के प्रावधान सहित दूरसंचार व्यवस्था। 9. केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शनः एएसएएफ-आरएलडब्ल्यू सेक्शन के मध्य किमी 220/1-219/29 पर स्थित 1. पुल सं. 192 अप के प्रस्तावित पुनर्निर्माण तथा पीआरपीआय-जीडीसीआर सेक्शन के किमी 24.865 पर स्थित 2. पुल सं.53 के प्रस्तावित पुनर्निर्माण एवं 3. एमएजीएच-आरजेयुए सेक्शन के मध्य 1.788 किमी पर स्थित पुल सं.1 एसएल से जुडी दूरसंचार व्यवस्था। 10. सिकंदराबाद डिवीजन-एच-बीम स्लीपर्स टीबीसीएसआर(एच-बीम)-गिर्डर ब्रिजेस पर 9370 नग सहित स्टील चैनल स्लीपर्स के नवीकरण के साथ तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्था। 11. एचवायबी स्टेशन पर 4 लिफ्ट्स के प्रावधान सहित तत्संबधित दूरसंचार व्यवस्था का प्रावधान। 12. केजेडजे-डीएलएस -- केजेडजे-डीएलएस पर स्लैम(साफ्टवेयर फार लोको एस्सेट मेनेजमेंट) के कार्यान्वयन सहित लैन या एलएएन इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुडी दूरसंचार व्यवस्था का प्रावधान। 13. केजेडजे- रन्निंग रूम- एससी डिवीजन के काजीपेट स्टेशन पर नई रन्निंग रूम के निर्माण से संबंधित दूरसंचार व्यवस्था का प्रावधान। 14. एससी डिवीजनः केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शनः -रेपल्लीवाडा-आसिफाबाद रोड स्टेशनों के बीच किमी 222/6-8 अप एंड डाउन तथा तृतीय लाइनो के एलसी नं.70(एम) के एवज में रोड अंडर ब्रिज(आरओबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। 15. डीकेजे-एमयुजीआर सेक्शन-टीपीटीवाय,एमयुजीआर स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग के प्रावधान से जुडी दूरसंचार व्यवस्था। 16. एमटीएमआय-जेएनपीएच सेक्शन-जेपीटीएन स्टेशन पर स्थित ट्रैक मशीन साइडिंग के प्रावधान से जुडी दूरसंचार व्यवस्था। 1%. एमएजीएच-जीडीसीआर सेक्शन- पीआरपीआय स्टेशन पर ट्रैक मशीन साइडिंग के प्रावधान से जुडी दूरसंचार व्यवस्था। 18. पीडीपीएल-एनजेडबी सेक्शन-एसटीबीडी, केआरएमआर, जीडीआरए, एलपीजेएल, एआरएमयु स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग के प्रावधान से जुडी दूरसंचार व्यवस्था। अनुमानित लागत(रु.) 1,1%,05,15%.95, बोली सुरक्षा/पूधरा(रु.) 2,08,500/- निविदा पुस्तिका मूल्यः रु. शून्य

अधिक जानकारी हेतु कृपया **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें। जीसीसी 2022 नुसार बोली सुरक्षा/पूधरा का भुगतान करें।

आयआरएसजीसीसी-2022 नुसार, सभी निविदादाताओं को मुफ्त में ई-निविदा प्रपत्रों को जारी किया जायेगा। (संदर्भः आयआरजीसीसी 2022 भाग-।. खंड-3)

वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद

रेलवे बोर्ड ने तेलुगु राज्यों में दो नई सुपरफास्ट रेलवे लाइनों के सर्वेक्षण को मंजूरी दी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दो तेलुगु राज्यों में एक और महत्वपूर्ण परियोजना की शुरूआत हो चुकी है। रेलवे बोर्ड ने दोनों राज्यों के बीच कनेक्टिविटी को और मजबूत करने के लिए दो नई सुपरफास्ट रेलवे लाइनों के लिए जरूरी सर्वे को मंजूरी दे दी है। रेलवे बोर्ड आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम-विजयवाड़ा और तेलंगाना में शमशाबाद के बीच पहली रेलवे लाइन और विशाखापट्टणम-विजयवाड़ा-कुरनूल मार्ग पर दूसरी रेलवे लाइन के सर्वेक्षण के लिए सहमत हो गया है। इसने दक्षिण मध्य रेलवे को लिखा है।

सर्वेक्षण इन लाइनों पर सुपरफास्ट रेलवे परियोजना को पूरा करने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवहार्यता का निर्धारण करेगा। सर्वे के बाद प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी कई बार केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिल चुके हैं और इन रेल लाइनों को लेकर पत्र सौंप चुके हैं। उन्होंने तेलुगू राज्यों को इस सुपरफास्ट रेलवे लाइन के फायदों के बारे में बताया। इसी कड़ी में रेलवे बोर्ड ने इन दोनों रूटों पर सुपरफास्ट रेलवे लाइन का सर्वे कराने का फैसला किया है।

निविदा सूचना सं. 33 से 38-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी दि.31-05-2023
PUB/0574

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबंधक/कार्य,हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेंट के माध्यम से दि.23-06-2023 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं. 33 -डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद-01-07-2023 से 30-06-2023 की अवधि के लिए एडीइएन/इआय/एचवायबी के नियंत्रण के तहत एसएसइ/एसइसी.।।/एसएलजीडी,एसएसइ/डब्ल्यू/डब्ल्यूडब्ल्यू/एसएलजीडी, एसएसइ/डब्ल्यू/एसएलजीडी के क्षेत्राधिकार के तहत क्वार्टर्स तथा सर्विस बिल्डिंग्स की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित लागत रु. 5,27,23,929/-, पूधरा रु. 4,13,600/-

निविदा सं. 34-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद-01-07-2023 से 30-06-2023 की अवधि के लिए एडीइएन/इआय/एचवायबी के नियंत्रण के तहत एसएसइ/डब्ल्यू/एनएलजीडी, एसएसइ/डब्ल्यू/आरएन के क्षेत्राधिकार के तहत क्वार्टर्स तथा सर्विस बिल्डिंग्स की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित लागत रु. 2,91,38.157/-, पूधरा रु.2,95,700/-

निविदा सं. 35-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद-01-07-2023 से 30-06-2023 की अवधि के लिए एडीइएन/इआयआय/एचवायबी के नियंत्रण के तहत एसएसइ/डब्ल्यू/एमएलवाय, एसएसइ/डब्ल्यू/सीकेएल, एसएसइ/डब्ल्यू/केसीजी के क्षेत्राधिकार के तहत क्वार्टर्स तथा सर्विस बिल्डिंग्स की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित लागत रु. 5,41,68,969/-, पूधरा रु.4,20,900/-

निविदा सं. 36-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद-01-0%-2023 से 30-06-2023 की अवधि के लिए एडीइएन/इआयआय/एचवायबी नियंत्रण के तहत एसएसइ/डब्ल्यू/जीओसी, एसएसइ/डब्ल्यू/सीकेएल, एसएसइ/डब्ल्यू/डब्ल्यूडब्ल्यू/एससी के क्षेत्राधिकार के तहत क्वार्टर्स तथा सर्विस बिल्डिंग्स की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित लागत रु. 2,39,67,724/-, पूधरा रु.2,69,800/-

निविदा सं. 37-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणःए) हैदराबादः सिकंदराबाद-मुदखेड जंक्शन सेक्शनः मनोहराबाद-मेडचल के मध्य किमी 582/300-400 पर एलसी नं.240 के एवज में आरयुबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

बी) हैदराबादः सिकंदराबाद-मुदखेड जंक्शन सेक्शनः मनोहराबाद-मेडचल के मध्य किमी 583/700-800 पर एलसी नं.241 के एवज में आरयुबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत रु.10,44,05,873/-, पूधरा रु.6,72,000/-

निविदा सं. 38-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणःए) हैदराबादः सिकंदराबाद-मुदखेड जंक्शन सेक्शनः वाडियारम-मसाइपेट स्टेशनो के मध्य किमी 559/600-700 पर एलसी नं.231 के एवज में आरयुबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

बी) हैदराबादः सिकंदराबाद-मुदखेड जंक्शन सेक्शनःमसाइपेट- मनोहराबाद स्टेशनों के मध्य किमी 575/700-800 पर एलसी नं.238 के एवज में आरयुबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत रु.9,93,89,232/-, पूधरा रु.6,47,000/-

अधिक जानकारी हेतु कृपया **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें।

मंडल रेल प्रबंधक, (कार्य),हैदराबाद
A0817

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

PUBLIC NOTICE

LOST NOTICE

We would like to inform the general Public that the Passport No. N12488278 issued by The Ministry of External Affairs. Have been lost while travelling from Yadgiri theatre to Champapet. If any person/s who finds it, is requested to return the same to us at below mentioned address.

Ravaria Pushpender Kumar
s/o Pappulal Prajapati.
9-5-157/1, Raji Reddy Nagar Colony, Champapet
Contact : 9032151821

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

"Regimental no.14286274M, PPono.S/025735/87, Corrigendum PPO no.205198700312, Mamidela Venkata Narasaiah (Ex. Havaldar), change the D.O.B. and name of the Ex-Havaldar's wife MamidelaVenkataratnamma (new name) R/o Flat no.202, 2nd floor, Subhadra Residency, Bapuji Colony, Sullurupeta Town & Mandal, Tirupati District, A.P-524121. My actual name is MamidelaVenkataratnamma and my D.O.B. is 01.07.1956 as per Adhaar, Pan, and voter I.D., but my husband's Military records my name and DOB as Venkataratnamma(old name) D.O.B 28 years. I further declare that both names mentioned are one and the same and the same was sworn before AJMF Court, Sullurpeta, vide affidavit no. "AP 697842" dated 30.05.2023.".

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

माता वैष्णो देवी के लिए भारत गौरव ट्रेन 10 जून से

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने आज कहा कि 10 जून को कटरा से 13 किलोमीटर दूर त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होने वाली 'भारत गौरव टूरिस्ट' ट्रेन को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। रेल मंत्रालय द्वारा शुरू की गई 'भारत गौरव' ट्रेनों की अवधारणा दक्षिण मध्य रेलवे पर एक बड़ी सफलता रही है और हाल ही में आईआरसीटीसी द्वारा काशी और आसपास के स्थानों के लिए चलाई गई पांच यात्राओं में 100% ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई है।

रेल यात्रियों द्वारा दिखाई गई उत्साहजनक प्रतिक्रिया के आधार पर, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने भारत गौरव ट्रेनों के हिस्से के रूप में उत्तर भारत के अन्य प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों को कवर करते हुए नए पर्यटक सर्किट की योजना बनाई है। इसके हिस्से के रूप में, आईआरसीटीसी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होने वाले "माता वैष्णो देवी, हरिद्वार और ऋषिकेश", भारत गौरव पर्यटक ट्रेन नामक एक नए पर्यटक पैकेज की घोषणा की है। ट्रेन देश के उत्तरी भागों में महत्वपूर्ण तीर्थयात्रियों और ऐतिहासिक स्थानों को कवर करेगी, जबकि तेलंगाना और महाराष्ट्र के सात महत्वपूर्ण स्टेशनों पर बोर्डिंग / डी-बोर्डिंग सुविधा प्रदान करेगी। माता वैष्णो देवी मंदिर की ओर नई पर्यटक ट्रेन की घोषणा के कुछ दिनों के भीतर, उत्तर भारत की तीर्थ यात्रा के प्रति लोगों की रुचि को दर्शाते हुए 50% से अधिक सीटें बुक हो गई हैं।

पैकेज के विवरण में, पर्यटक सर्किट ट्रेन "हरिद्वार और ऋषिकेश के साथ माता वैष्णोदेवी" तेलंगाना में सिकंदराबाद, काजीपेट, पेद्दापल्ली, रामागुंडम और सिरपुर खगजनगर के साथ-साथ बल्हारशाह, वर्धा और नागपुर में बोर्डिंग / डी-बोर्डिंग सुविधा प्रदान करेगी। महाराष्ट्र। ट्रेन कटरा, आगरा, मथुरा, वृंदावन, कटरा, हरिद्वार और ऋषिकेश जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को कवर करेगी। व्यक्तिगत पर्यटक जो कटरा स्टेशन से वैष्णो देवी मंदिर तक टट्टू/डोली/हेलीकॉप्टर सेवा द्वारा यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें स्वयं बुकिंग करनी होगी। आईआरसीटीसी इस पहलू में पर्यटकों का मार्गदर्शन करेगा और यात्रा कार्यक्रम में दर्शन के बाद आसानी से वापस लौटने के लिए पर्याप्त समय प्रदान किया जाएगा। पूरी यात्रा 8 रातों/9 दिनों की अवधि में कवर की जाएगी। पैकेज में यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था टूर एस्कॉर्ट्स, सुरक्षा, सार्वजनिक घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा आदि शामिल हैं।

देश के लिए रोल मॉडल बनेगा करीमनगर : गंगुला

करीमनगर, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने सभी मोर्चों पर जिले का विकास कर करीमनगर को देश के लिए एक रोल मॉडल के रूप में विकसित करने का आश्वासन दिया।

कालेश्वरम उद्वहन सिंचाई परियोजना से जिले को अधिक लाभ मिलने की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि जिले में कृषि क्षेत्र में काफी वृद्धि हुई है। मंत्री ने शुक्रवार को यहां पुलिस परेड मैदान में आयोजित तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, कमलाकर ने कहा कि पूरे जिले के अलावा,करीमनगरशहर को भी सभी मोर्चों पर विकसित किया जाएगा, और बताया कि शहर को एक स्वच्छ और हरित शहर के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हैदराबाद के बाद करीमनगर राज्य का सबसे बड़ा शहर है, इसलिए, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए सभी सुविधाओं को विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। एक बार केबल ब्रिज और मनेयर रिवर फ्रंट परियोजनाओं के पूरा हो जाने के बाद शहर एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बन जाएगा और साथ ही विश्व स्तर की पहचान भी प्राप्त कर लेगा। केबल ब्रिज का काम पूरा हो जाने की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि 17 जून को पुल का उद्घाटन करने का निर्णय लिया गया है।

पहले कस्बे में क्षतिग्रस्त सड़कें दिखाई देती थीं क्योंकि पिछली सरकारों ने शहर की उपेक्षा की थी। हालाँकि, अलग राज्य के गठन के बाद स्थिति बदल गई है क्योंकि राज्य सरकार ने करीमनगर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा की गई पहल से शहर का चेहरा बदल गया है। समारोह में जिला परिषद अध्यक्ष कनुमाल्ला विजया, विधायक रासमाई बालकिशन और सुनके रविशंकर, मेयर वाई सुनील राव, कलेक्टर आरवी कर्णन, पुलिस आयुक्त एल सुब्बारायुडु और अन्य ने भाग लिया।

11 नए थानों ने काम करना शुरू किया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत कुल 11 कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशन, जिनका हाल ही में उद्घाटन किया गया था, ने शुक्रवार से राज्य गठन दिवस के अवसर पर औपचारिक रूप से कार्य करना शुरू कर दिया है। नए पुलिस थानों में डोमलगुडा, सचिवालय, खैरताबाद, वारसीगुड़ा, बंदलागुड़ा, आईएस सदन, गुड़ीमलकापुर, फिल्मनगर, मसाब टैंक, मधुरानगर और बोराबंडा शामिल हैं। सभी थाने अब एफआईआर स्वीकार करने के लिए खुले हैं।

कस्टमर प्रोफाइलिंग व स्मार्ट सर्विलांस से कस्टम अधिकारियों को मिल रही है एयरपोर्ट पर सोने के तस्करों को पकड़ने में मदद

पिछले पखवाड़े में आरजीआई हवाई अड्डे पर लगभग 10 किलो सोना जब्त

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राहकों की प्रोफाइलिंग और स्मार्ट निगरानी से सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों को विदेशों से सोने की तस्करी करने वालों को पकड़ने में मदद मिल रही है। पिछले पखवाड़े में, सीमा शुल्क ने आरजीआई हवाई अड्डे शमशाबाद में लगभग 10 किलो सोना जब्त किया। सोने की तस्करी का प्रयास करने वाले ऐसे यात्री सोने को छुपाने के लिए नए-नए तरीके अपनाते पाए गए। सेनेटरी पैड से लेकर कमर के चारों ओर चिपकाने और जूतों में ले जाने और आपातकालीन रोशनी में छुपाने तक, सीमा शुल्क अधिकारियों ने सोना जब्त करने से पहले उसका पता लगाया और बरामद किया। सोने के पेस्ट से छोटी-छोटी गेंदें बनाना और मलाशय में छिपाना एक सामान्य कार्यप्रणाली है। एक सीमा शुल्क अधिकारी ने कहा, गेंदों को बाद में बाहर निकाल दिया जाता है और तस्कर द्वारा इसे हवाई अड्डे के बाहर कहीं इकट्ठा करने के लिए सौंपे गए व्यक्ति को सौंप दिया जाता है। अधिकारी उस पर ध्यान देने से पहले यात्री प्रोफाइल का विश्लेषण कर रहे हैं।

किसी विशेष देश में किसी विशेष यात्री की यात्राओं का डेटा है। प्रोफाइलिंग के आधार पर, जब भी यात्री आता है, हम उसकी साख, किसी विशेष देश की कुल यात्राओं और अन्य विवरणों की जांच करते हैं। कभी-कभी हमारे अधिकारी उस विशेष देश की यात्रा करते हैं और यात्री द्वारा ली गई उड़ान लेते हैं और पूरी यात्रा पर नजर रखते हैं।

हाल के दिनों में अधिकारियों ने पाया कि तस्करों के सिंडिकेट पहली बार आने वाले लोगों को फ्लाइट टिकट और अन्य प्रोत्साहन के बदले सोने की तस्करी के लिए लुभा रहे हैं। अलग-अलग कार्यप्रणाली जैसे सैनिटरी पैड का उपयोग करना, कमर या पैरों के चारों ओर चिपकाना और जूतों में छुपाना अपनाया जा रहा है। वे हमें ठगने की कोशिश करते हैं, फिर भी, जब हमें किसी यात्री के बारे में गहरा संदेह होता है, तो हम यात्री और सामान दोनों की जांच करते हैं।

तेलंगाना केवल हैदराबाद नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रगति दिखनी चाहिए : राज्यपाल

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल तमिलिसाई ने तेलंगाना दशक समारोह के दौरान तेलंगाना सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भले ही तेलंगाना अपने दसवें वर्ष में प्रवेश कर गया है, लेकिन आंदोलन की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुई हैं। विकास का मतलब अकेले हैदराबाद में प्रगति नहीं है, बल्कि सभी क्षेत्रों में समान विकास है।

राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने राजभवन में तेलंगाना के जन्म समारोह में भाग लिया और राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में उन्होंने सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना केवल हैदराबाद नहीं है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद जितना विकसित है उतना पूरा राज्य विकसित नहीं है। वह दूर-दराज के गांवों में भी प्रगति का फल देखना चाहता है। तभी असली विकास दिखेगा। उन्होंने कहा कि राज्य को बने दस वर्ष हो जाने के बाद भी कार्यकर्ताओं की आकांक्षा अभी तक पूरी नहीं हुई है। राजभवन में समारोह का आयोजन करने वाले राज्यपाल ने कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। अमर वीरों को श्रद्धांजलि दी गई।

तमिलिसाई ने कहा कि तेलंगाना राज्य के विकास को कुछ लोगों के विकास के बजाय पूर्ण विकास माना जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले साल तक तेलंगाना देश में नंबर वन बन जाएगा। जय तेलंगाना नारा नहीं स्वाभिमान का नारा है। उन्होंने खुलासा किया कि उनके जीवन का हर मिनट लोगों के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें तेलंगाना भेजना ईश्वर के लिए सौभाग्य की बात है। मैं आपके साथ हूँ। राज्यपाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप मेरे साथ हैं।

तेलंगाना सरकार के साथ लगातार मनमुटाव के बीच राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने शुक्रवार को कहा कि लोग उनके साथ हैं। उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि राज्य सरकार ने उन्हें तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के लिए आमंत्रित किया है या नहीं। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करने जा रही हूं कि निमंत्रण दिया गया या नहीं। मैं तेलंगाना के लोगों के साथ हूं और तेलंगाना के लोग भी मेरे साथ हैं।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 06/2023

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ एसआरएफ (आयुर्वेद) -01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

अखिलेश यादव और ब्रजेश पाठक में चले जुबानी तीर डिप्टी सीएम ने राहुल गांधी के बयान पर दी प्रतिक्रिया

लखनऊ, 2 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बाराबंकी पहुंचे। उन्होंने यहां जिला बीजेपी (ग्रज्ञ) कार्यालय पर संगठन के पदाधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में ब्रजेश पाठक ने जिले के सभी बीजेपी नेताओं और पदाधिकारियों से 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि सपा और बसपा की सरकारों में जो काम प्रदेश में नहीं हो सके, वह सभी काम केंद्र की नरेंद्र मोदी और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमें यह संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। इस दौरान ब्रजेश पाठक ने सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा है। ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव के उस बयान पर भी पलटवार किया जिसमें उन्होंने ब्रजेश पाठक को बीमार बताया था। ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा और अखिलेश यादव पूरी तरह से डीरेल्ड हैं। अखिलेश यादव कब क्या कहेंगे, उनका अपनी भाषा से पूरी तरह से नियंत्रण खो चुका है। उन्हीं की तरह ही समाजवादी पुत्र भी दिग्भ्रमित हैं। वहीं ब्रजेश पाठक ने अमेरिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के द्वारा मुस्लिमों, सिख, ईसाई, दलित और आदिवासियों पर दिए बयान को गलत और दुखद बताया। उन्होंने कहा कि विदेशी धरती पर जाकर किसी को भी इस तरह से भारत का अपमान नहीं करना चाहिए। इस तरह के बयान को कोई भी भारतवासी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने ने कहा स्वास्थ्य के साथ ही सभी विकास योजनाएं समय से पूरी कराई जाएंगी। इसके अलावा जिले में हाईवे पर स्थित अस्पताल की समीक्षा की है। आने वाले समय में वहां सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में सरकार मेडिकल कॉलेज बना रही है। जिन 14 जिलों में अभी काम नहीं शुरू हुआ है। वहां भी जल्द ही मेडिकल कॉलेज बनाने की प्रक्रिया शुरू करा दी जाएगी।

ठग ने युवक के खाते से पार किए 19 हजार, साइबर सेल ने वापस दिलाई रकम

फिरोजाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में साइबर ठगों ने ओटीपी पूछकर एक युवक के खाते से 19 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस के सोशल मीडिया सेल को दी। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद पीड़ित की धनराशि को उसी के खाते में वापस हो सकी। रकम वापस मिलने पर युवक ने पुलिस का शुक्रिया अदा किया है। नितेश कुमार पुत्र पप्पू सिंह निवासी हुमायूंपुर थाना दक्षिण के मुताबिक एक जून को उसके फोन पर एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने एक प्रोजेक्ट की जानकारी साझी की और मैसेज भेजकर ओटीपी जान लिया। इसके बाद नितेश ने जैसे ही कॉलर को ओटीपी शेयर किया तो कुछ देर बाद ही नितेश के खाते से 19 हजार रुपये कट गए। रुपये कटने का मैसेज आते ही नितेश के पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ित ने तत्काल थाना दक्षिण पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके बाद मामला साइबर सेल के सुपुर्द किया गया।

प्रयागराज महाकुंभ के लिए उल्टी गिनती शुरू, लगने लगे होर्डिंग

प्रयागराज, 2 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 2025 में होने वाले महाकुंभ के लिए उल्टी गिनती आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। प्रयागराज में राज्य पर्यटन विभाग के दफ्तर के बाहर होटल राही इलावर्त परिसर के पास एक होर्डिंग लगाया गया है, जिस पर मुख्य स्नान पर्वों की तारीखों के बारे में जानकारी दी गई है। राज्य के पर्यटन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुनिया का यह सबसे बड़ा धार्मिक मेला 45 दिन तक चलेगा और इसके पहले 21 दिनों के भीतर ही 3 'शाही स्नान' आयोजित किए जाएंगे। डीपी होटल इलावर्त राही के सीनियर मैनेजर सिंह ने कहा, 'यह होर्डिंग होटल प्रशासन ने लगाया है। इसका मकसद महाकुंभ 2025 का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करना है, ताकि दुनिया भर से लोग इसका हिस्सा बनें। यह एक अनूठा कार्यक्रम है। स्नान उत्सवों की तारीखों से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को अपनी यात्राओं की बेहतर प्लानिंग करने में मदद मिलेगी।

चाय पे चर्चा के बाद 'टिफिन' पर चर्चा

2024 से पहले जेपी नड्डा देंगे कार्यकर्ताओं को टिप्स

आगरा, 2 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले महाजनसंपर्क अभियान में भाजपा जिले को खास मान रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को ताजनगरी से ही टिफिन पर चर्चा की शुरुआत करने जा रहे हैं। उत्तर विधानसभा क्षेत्र में पहला कार्यक्रम होगा। इसमें राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। गुरुवार को कार्यक्रम तय होने के बाद पार्टी पदाधिकारियों ने तैयारी शुरू कर दी है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सरकार को नौ वर्ष पूरे होने पर भाजपा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में टिफिन पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन होगा।

जेपी नड्डा करेंगे टिफिन पर चर्चा

पार्टी सूत्रों का कहना है कि गुरुवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के उत्तर विधानसभा क्षेत्र में टिफिन पर चर्चा का कार्यक्रम तय हो गया है। दयालबाग में सौ फीट रोड स्थिति जतिन रिसार्ट में शनिवार दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक चलने वाले कार्यक्रम में जेपी नड्डा दायित्ववान और पुराने कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

उत्तर विधानसभा क्षेत्र से होने जा रही शुरुआत

टिफिन पर चर्चा कार्यक्रम प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने हैं। इनकी शुरुआत उत्तर विधानसभा क्षेत्र से की जा रही है। इस विधान सभा क्षेत्र के मतदाता तीन दशक से अधिक समय से भाजपा के साथ हैं। प्रदेश में लहर किसी की भी चली हो, लेकिन यहां से विधायक भाजपा के ही चुने गए। लोकसभा चुनाव और नगर निकाय चुनाव में भी इस विधान सभा क्षेत्र से पार्टी को बड़ी लीड मिलती है।

उत्तर विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी का रहा शानदार प्रदर्शन

हाल में हुए निकाय चुनाव में भी इस विधान सभा क्षेत्र में भाजपा का शानदार प्रदर्शन रहा। यहां से भाजपा के 22 पार्षद और तीन बागी भी विजयी हुए हैं। मेयर हेमलतता दिवाकर को भी यहां से बड़ी लीड मिली। उत्तर विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रम तय होने की जानकारी मिलते ही गुरुवार को पार्टी के पदाधिकारियों ने दायित्ववान और पुराने कार्यकर्ताओं को जानकारी दे दी। कार्यक्रम की औपचारिक जानकारी मीडिया को नहीं दी गई है। न ही किसी वरिष्ठ नेता का कार्यक्रम जारी हुआ है।

वाराणसी एयरपोर्ट के टॉयलेट से बरामद हुए सोने के 16 बिस्किट

वाराणसी, 2 जून (एजेंसियां)। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टॉयलेट से कस्टम विभाग की टीम ने सोने के 16 बिस्किट बरामद किए हैं। बरामद हुए सोने के बिस्किट की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1.125 करोड़ रुपये बताई गई है। कस्टम विभाग के अफसरों के अनुसार, शारजाह से वाराणसी एयरपोर्ट पर एअर इंडिया का विमान आई एक्स-184 आया था। कस्टम विभाग की टीम द्वारा शारजाह से आए यात्रियों की जांच की गई, लेकिन किसी के पास से कोई अवैध सामग्री नहीं बरामद हुई। इसके बाद रूटीन में टॉयलेट की चेकिंग की गई तो वहां 1866.100 ग्राम के सोने के 16 बिस्किट काले रंग की पॉलिथीन में रखे हुए मिले। बरामद हुआ सोना विदेशी है। सोने को जब्त कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर संबंधित यात्री के बारे में पता लगाया जा रहा है।

शराब मामले में 7 महिलाएं गिरफ्तार

जहानाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी पूर्ण रूप से लागू है। इसको प्रभावी तरीके से लागू करवाने को लेकर लगातार कार्रवाई कर रही है। उत्पाद विभाग की टीम जिलों में छापेमारी अभियान भी चल रही रही है। इसी कड़ी में जहानाबाद में उत्पाद विभाग की टीम विशेष अभियान चलाया। मखदुमपुर में सुबह-सुबह उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी करते हुए आंकोपुर और खलकोचक गांव से शराब मामले में कुल 7 महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मिला मायावती का साथ, बीएसपी प्रमुख ने इन्हें बताया जिम्मेदार

लखनऊ, 2 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में कांग्रेस नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बयान पर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। बीजेपी ने पहले ही उनके बयान पर जमकर जुबानी हमला किया है। लेकिन अब पूर्व सांसद के बयान पर बीएसपी प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई है। बसपा सुप्रीमो ने कहा, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष द्वारा अमेरिकी दौरे में भारत के करोड़ों दलितों व मुस्लिम समाज की दयनीय दशा एवं उनके जान-माल, मजहब की असुरक्षा आदि के बारे में दिया गया बयान ऐसी कड़वी सच्चाई है जिसके लिए केन्द्र में कांग्रेस, बीजेपी व अन्य पार्टियों की रही सरकारें पूर्ण रूप से दोषी। मायावती ने कहा, देश में यूपी सहित अन्य राज्यों में कांग्रेस की सरकार हो या बीजेपी अथवा सपा की, बहुसंख्यक बहुजन समाज के गरीबों व वंचितों पर हर स्तर पर अन्याय-अत्याचार व शोषण आम बात है, जबकि यूपी में केवल बीएसपी की रही सरकार में कानून द्वारा कानून का राज स्थापित करके सबके साथ न्याय किया गया। बीएसपी चीफ ने कहा, साथ ही, राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ हेतु अनवरत व अनगिनत साम्प्रदायिक दंगों व जातिवादी घटनाओं के काले अध्यायों से इतिहास भरा है, जिसके लिए आरोप-प्रत्यारोप होते हैं, किन्तु इन कारणों से इन वर्गों के लोग अपना हितैषी संविधान होने के बावजूद लगातार शोषित-पीड़ित व लाचार हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आज भारत में गरीब और अल्पसंख्यक समुदाय के लोग खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, '' भारतीय एक-दूसरे से नफरत करने में विश्वास नहीं करते। कुछ लोगों का एक छोटा समूह है जो व्यवस्था और मीडिया को नियंत्रित करता है, वह नफरत की आग भड़का रहा है।'

'विदेश में राष्ट्र का मान, युवा व महिलाओं को मिल रहा सम्मान

मीनाक्षी लेखी ने की पीएम की तारीफ

आगरा, 2 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी आगरा पहुंची। नुनिहाई स्थित होटल मधुश्री में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में विदेश में भारत का डंका बजा है। उनके नेतृत्व में देश में भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। नुनिहाई स्थित होटल मधुश्री पैलेस में गुरुवार को भाजपा द्वारा प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाईं तो लोगों से हामी भी भरवाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई है और लाभार्थियों के खाते में सीधे योजनाओं की धनराशि पहुंचाई है। किसानों से लेकर मजदूर हर वर्ग को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

70 वर्ष में जो नहीं हुआ वो नौ साल में हो गया

मीनाक्षी लेखी ने पिछली सरकारों पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष में जो कार्य नहीं हुए पीएम नरेन्द्र मोदी ने नौ वर्ष में कर दिखाए हैं। महिला सशक्तिकरण हो रहा है तो युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। देश ही नहीं विदेशों तक राष्ट्र का मान हो रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि कोविड संक्रमण काल में विपक्ष ने जनता को गुमराह किया, वैक्सीनेशन पर सवाल खड़ा किया। विपक्ष के पास मुद्दे नहीं है। इसलिए वह अब इस तरह की हरकत कर रहा है। जनता सब जानती है और सही समय पर सही निर्णय लेगी।

कानून व्यवस्था के तहत देश में होते फैसले

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कार्यक्रम के बाद मीडिया वार्ता के दौरान कहा कि विपक्ष गुमराह कर रहा है, लेकिन जनता अपना अच्छा बुरा जानती है। महिला पहलवानों के उत्पीड़न पर उनका कहना था कि कानून व्यवस्था के तहत हमारे देश में फैसले होते हैं। उसमें सही-गलत का निर्णय हो जाएगा। सम्मेलन में चिकित्सक, शिक्षक, अधिवक्ता, व्यापारी आदि मौजूद थे। विधायक डा। जीएस धर्मेश, विधायक डा। धर्मपाल सिंह, एमएलसी विजय शिवहरे, एमएलसी डा। मानवेंद्र सिंह, हेमंत राजपूत, बबीता चौहान, यादवेंद्र शर्मा, मनोज गर्ग आदि मौजूद थे।

साहब मेरी बहू कई युवकों से बात करती है

मना करने पर दिखाती है तमंचा, आपबीती सुन पुलिस भी आ गई सकते में

मोदीनगर, 2 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद में मोदीनगर के भोजपुर के कस्बा फरीदनगर स्थित एक गांव निवासी वृद्धा की शिकायत के बाद थाना पुलिस ने पुत्रवधु को तमंचा और दो कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया। वृद्धा का आरोप है कि उसकी पुत्रवधु कई युवकों से बात करती है। मना करने पर तमंचा दिखाकर धमकाती है। महिला से तमंचा और कारतूस बरामद होने चर्चा का विषय बना हुआ है। उक्त गांव निवासी वृद्धा ने थाने पहुंच कर आपबीती बताई। अपनी पीड़ा बताते हुए वृद्धा रोने लगी। वृद्धा ने बताया कि पुत्रवधु को कई बार समझाया गया, मगर वह उनकी बात को नहीं मानती और उल्टा तमंचा दिखा भयभीत करती है। वृद्धा की बात सुनकर पुलिस सकते में आ गई। सूचना के बाद पहुंची थाना पुलिस ने घर की तलाशी ली। एसीपी रितेश त्रिपाठी ने बताया कि वृद्धा की सूचना के बाद पुत्रवधु से तमंचा और दो कारतूस बरामद कर हुए है।

आवारा कुत्तों की समस्या खत्म करने के लिए बीजेपी सांसद मेनका गांधी ने दी सलाह

लखनऊ, 2 जून (एजेंसियां)। बीजेपी की सांसद मेनका गांधी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि यौन शोषण के आरोपों को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे प्रदर्शनरत पहलवानों को न्याय मिलेगा। मेनका एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए यहां आयी थीं। पत्रकारों से पहलवानों के मुद्दे पर एक सवाल के जवाब में लोकसभा सदस्य ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि अंत में उन्हें न्याय मिलेगा।'' साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और संगीता फोगाट जैसे शीर्ष पहलवानों ने बीजेपी सांसद बृजभूषण पर एक नाबालिग समेत महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाया है।

इन मुद्दों पर भी दिया बयान

ये सभी पहलवान मंगलवार को गंगा नदी में अपने पदक बहाने गए थे लेकिन खाप और किसान नेताओं के मनाने पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। किसान नेताओं ने उनसे मुद्दे को सुलझाने के लिये पांच दिन का समय मांगा है। मेनका प्रख्यात पशु अधिकार कार्यकर्ता भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर नसबंदी उचित तरीके से होती है तो श्रीनगर शहर में आवारा कुत्तों की समस्या खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''जब हम वनों की कटाई रोक देंगे तो मनुष्य-पशु संघर्ष खत्म हो जाएगा। अगर आप उचित, अनुशासित तरीके से नसबंदी शुरू करते हैं तो शहर में एक साल में इंसानों और कुत्तों के बीच संघर्ष भी खत्म हो जाएगा। बीजेपी नेता ने कहा कि जम्मू में एक नसबंदी केंद्र है और नतीजा यह है कि वहां कुत्तों की समस्या की कोई शिकायत नहीं है। मेनका ने कहा कि श्रीनगर नगर निगम ने तेंगपुरा इलाके में एक अच्छा नसबंदी केंद्र स्थापित किया है और वे एक अन्य स्थान पर एक और नसबंदी केंद्र खोल रहे हैं, उनके पास ऐसे दो केंद्र हो जाएंगे। उम्मीद है कि वे फिर इसे उचित तरीके से करेंगे।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका में रह रहे एक कश्मीरी वसंत धर ने घाटी के लिए एक पशु एम्बुलेंस दान में दी है। उन्होंने कहा कि यह पूरे केंद्र शासित प्रदेश में पहली पशु एम्बुलेंस है। इससे सड़कों पर रहने वाले पशुओं के लिए एक बड़ा बदलाव आएगा।

दो देसी पिस्टल के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार चोरी की बाइक और मोबाइल भी बरामद

कटिहार, 2 जून (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार में बरारी थाना क्षेत्र से पुलिस ने तीन बदमाशों को धर दबोचा है। साथ ही उनके पास से दो देसी पिस्टल, जिन्दा कारतूस, मोबाइल और चोरी की बिना नम्बर प्लेट की बाइक भी बरामद की है। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है, उसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। फिलहाल पुलिस इनके अपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। वाहन जांच के दौरान पकड़े गए आरोपी एसडीपीओ ओमप्रकाश ने बताया कि बरारी थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तीन अपराधियों का एक गुट इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला है। पुलिस ने सूचना मिलते ही डूमर से बरारी हाट के बीच वाहन चेकिंग लगा दिया। वाहन चेकिंग के दौरान बरारी ढाला के समीप बाइक सवार तीन युवकों को रोककर तलाशी ली गयी तो पुलिस ने इनके पास दो देसी पिस्टल, जिन्दा कारतूस समेत अन्य सामान बरामद किए हैं। इनसे आगे की पूछताछ चल रही है।अपराधिक इतिहास खंगालने में जुटी पुलिस एसडीपीओ ओमप्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में विदुर पासवान, फंटूश यादव और अमित कुमार हैं। उन्होंने बताया कि विदुर पासवान पूर्व से चार अन्य मामलों में चार्जशीटेड रहा है।

जेडीयू सांसद सुनील कुमार पिंटू को मिली फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी, मांगे गए 2 करोड़

पटना, 2 जून (एजेंसियां)। सीतामढ़ी से जेडीयू सांसद सुनील कुमार पिंटू से दो करोड़ रुपये की मांग गई है। यह रकम नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। सांसद को वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी दी गई है। इस संबंध में उन्होंने पटना के शास्त्रीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने शिकायत में अपनी पूरी बात बताई है कि कैसे उन्हें फोन कॉल और मैसेज आ रहे हैं। इस पूरे मामले में जेडीयू सांसद का कहना है कि उनके मोबाइल नंबर पर पिछले 7-8 दिनों से एडिट किया आपत्तिजनक फोटो और वीडियो दो नंबर से भेजकर परेशान किया जा रहा है। दो करोड़ की रंगदारी मांगी जा रही है। नहीं देने पर फोटो और वीडियो को इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले में शास्त्री नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया कि जिन नंबरों से धमकी दी गई है उसकी जांच साइबर सेल की ओर से की जा रही है। जानकारी जुटाई जा रही है कि कहां से किसने धमकी दी है। जांच के बाद पता चलेगा कि कहीं यह मामला किसी साइबर गिरोह का तो नहीं है। सोशल मीडिया से तस्वीर लेकर एडिट किए जाने की बात कही जा रही है। पुलिस ईओयू के साइबर सेल की मदद ले रही है। इधर मामला दर्ज होते ही पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। यह भी बताया गया है कि एक नहीं बल्कि कई लोग फोन कर रहे हैं। ऐसे में जिन-जिन नंबरों से फोन आए हैं उन सबकी जांच हो रही है। मोबाइल नंबर किसके नाम पर रजिस्टर्ड है, टावर लोकेशन आदि से पुलिस इस पूरे मामले में पड़ताल में जुटी है।

ब्लॉग: वानरों का पुराना स्वभाव तेजी से बदल रहा

लखनऊ, 2 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के धार्मिक हलकों में वानरों से जुड़ी एक और कथा चली आती है। यह कि 1986 में एक फरवरी को फैजाबाद के तत्कालीन जिला जज कृष्णमोहन पांडे ने एक वकील की अर्जी पर विवादित स्थल में बंद ताले खोल देने का आदेश दिया तो उनके न्यायालय में आकर अपना आसन ग्रहण करने के पहले से ही एक वानर उसकी छत पर जा बैठा था और तभी वहां से हटा था,

जब ताले खोलने का आदेश 'सुन' लिया था। आस्थावानों द्वारा अभी भी इस कथा की कई चमत्कारिक व्याख्याएं की जाती हैं। लेकिन तीन साल पहले 2020 में पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राममंदिर के निर्माण के सिलसिले में भूमि पूजन करने अयोध्या आए तो स्थानीय प्रशासन को इस अंदेशे से हलाकान होना पड़ा था कि नगरी के वानरों की धमाचौकड़ी उनके पूजन में विघ्न डाल सकती है। तब इस विघ्न को रोकने के लिए उसे कई ऐहतियाती उपाय करने पड़े थे, जिनमें से एक के तहत कार्यक्रम स्थल के आस-पास की पांच जगहें चिह्नित करके वहां जलेबी, चने और अमरूद वगैरह रखवा दिए गए थे। इसका लाभ भी हुआ थाः वानर वहां 'दावत' उड़ाने में व्यस्त हो गए थे और भूमिपूजन निर्विघ्न सम्पन्न हो गया था। प्रसंगवश, अयोध्या में वानरों को ऐसी दावतें प्रायः मिलती रहती हैं देश व प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से अयोध्या आये श्रद्धालु, पर्यटक और पुण्यार्थी तो उनको श्रद्धाभाव से चने व अमरूद वगैरह खिलाते ही हैं, स्थानीय लोग भी उनसे पीछे नहीं रहते। कोई वानरों को बंदर कह दे तो बुरा मानते हैं सो अलग। लेकिन अब कंक्रीट के जंगलों के निरंतर फैलाव के बीच वानरों का पुराना स्वभाव, जो उनके और अयोध्यावासियों के बीच सामंजस्य का वायस हुआ करता था,

तेजी से बदल रहा और उन्हें हिंसा व बरजोरी पर उतरना सिखा रहा है, जिससे रोज-रोज परेशानियां झेल रहे अयोध्यावासी चाहते हैं कि उनके दैनंदिन जीवन में वानरों की बढ़ती दखलंदाजी घटे। अलबत्ता, वे चाहते हैं कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। यानी उनकी धार्मिक आस्थाओं की भी रक्षा हो, वे आहत होने से भी बच जाएं और वानरों से पीछा भी छूट जाए।

भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को झटका, अयोध्या में रैली के लिए प्रशासन ने नहीं दी अनुमति

अयोध्या, 2 जून (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को तगड़ा झटका लगा है। प्रशासन ने पांच जून को उन्हें अयोध्या में रैली करने की अनुमति नहीं दी है। इसके बाद सांसद ने बयान जारी कर रैली रद्द करने की घोषणा की है। जारी किए गए बयान में कहा है कि प्रिय शुभचिंतकों... मैं 28 साल से आपके स्नेह से लोकसभा सदस्य के रूप में एक संवैधानिक पद पर हूं। सत्ता और विपक्ष में रहते हुए मैंने सदैव जाति, सम्प्रदाय और सभी धर्म के लोगों को एक साथ लेकर चलने की कोशिश की है।

इन्हीं कारणों से मेरे राजनैतिक विरोधी और उनके दल मुझ पर झूठे आरोप लगाते रहे हैं। वर्तमान घटनाक्रम में कुछ राजनैतिक दल अपना भविष्य तलाश रहे हैं और जगह- जगह सभा करके प्रांतवाद, क्षेत्रवाद और जातीय संघर्ष को भड़काकर सामाजिक सौहार्द्र खराब करने में लगे हैं। मैं राष्ट्रद्रोही ताकतों को सामाजिक समरसता खराब करने का मौका मिले मैं इसका पक्षधर नहीं हूं। समाज में फैलती बुराई पर चिंतन करने के लिये पूज्य संत 5 जून को अयोध्या मेंएक संत सम्मलेन करना चाहते थे लेकिन अभी पुलिस आरोपों की जांच कर रही है इसलिए उच्चतम न्यायालय के सम्मान में पूज्य संतो के परामर्श पर उनकी आज्ञा का पालन करते हुए 'जन चेतना महारैली 5 जून अयोध्या चलो' कार्यक्रम स्थगित किया गया है। मर्यादित तरीके से सभी धर्मों, जातियों और प्रांतो के लाखों समर्थकों, शुभचिंतकों ने इस मुद्दे पर मेरा समर्थन किया है इसलिए सबका आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाता हूं कि मैं और मेरा परिवार हमेशा आपका ऋणी रहेगा।

प्रस्तावित रैली में अयोध्या के महंत पॉक्सो एक्ट में संशोधन करने की मांग उठाने वाले थे। इस संबंध में आयोजित हुई प्रेस वार्ता में संतों ने कहा था कि कुछ कानून का गलत इस्तेमाल हो रहा है। पांच जून को संत समाज एकत्रित होकर कुछ कानून में संशोधन करने की मांग उठाएंगे। उन्होंने सांसद बृजभूषण शरण सिंह का समर्थन करते हुए कहा कि उन पर जो आरोप लगे हैं, इसमें कुचक्र दिख रहा है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर

पंजाब को दहलाने की साजिश रच रहा खालिस्तानी अर्श डाला, आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी

चंडीगढ़, 2 जून (एजेंसियां)। पंजाब में पिछले कुछ समय से खालिस्तानी आतंकियों की सक्रियता नजर आ रही है। इस बीच खुफिया विभाग के सूत्रों से जानकारी मिली है कि खालिस्तानी आतंकी अर्श डाला बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहा है। पंजाब पुलिस इंटेलिजेंस और खुफिया विभाग को पंजाब को लेकर एक बड़ा आतंकी अलर्ट मिला है कि खालिस्तानी आतंकी अर्श डाला ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर पंजाब में बड़े आतंकी हमले करने की प्लानिंग रच सकता है। आतकी अर्श डाला ने 6 जून के पहले पंजाब के तमाम बड़े सरकारी दफ्तरों इमारतों पर अपने गुर्गों को खालिस्तानी झंडे लगाने का टास्क दे रखा है। इस अलर्ट में कहा गया है की 6 जून के पहले पंजाब में अर्श डाला बड़ी टेरर स्ट्राइक कर सकता है और उसने अपने गुर्गों व गैंगस्टरों को कहा है कि 6 जून के पहले पंजाब का माहौल किसी भी तरह

खराब किया जाए और खालिस्तान के झंडे पंजाब की सरकारी इमारतों पर लगाए जाएं। वहीं इस अलर्ट के मिलने के बाद पंजाब पुलिस और खुफिया विभाग मुस्तैद हो गया है। खासकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खास नजर रखी जा रही और मैन्यूल तरीके से भी अर्श डाला के पंजाब में लिंक्स को खंगाला जा रहा है। बता दें कि इसी साल जनवरी के महीने में गृह मंत्रालय ने अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डाला को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया था। अर्श डाला मूल रूप से पंजाब के मोगा जिले का रहने वाला है। मौजूदा समय में वह कनाडा में रहता था।

देशद्रोह कानून खत्म होगा या नहीं

लॉ कमीशन ने सरकार को सौंप दी रिपोर्ट, जानें क्या सुझाव दिया

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। भारत के लॉ कमीशन ने राजद्रोह कानून पर अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजद्रोह से निपटने वाली आईपीसी की धारा 124ए को इसके दुरुपयोग से रोकने के लिए कुछ सुरक्षा उपायों के साथ बरकरार रखा जाना चाहिए। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इसमें कुछ संशोधन की जरूरत है ताकि प्रावधान के उपयोग के संबंध में अधिक स्पष्टता लाई जा सके और धारा 124ए के दुरुपयोग संबंधी विचार पर गौर करते हुए रिपोर्ट में यह सिफारिश की गई कि केंद्र द्वारा दुरुपयोगों पर लगाम लगाते हुए आदर्श दिशानिर्देश जारी करने की जरूरत है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को लिखे अपने कवरिंग लेटर में 22वें लॉ कमीशन के

अध्यक्ष जस्टिस रितु राज अवस्थी (सेवानिवृत्त) ने कुछ सुझाव भी दिए हैं। इसमें कहा गया कि आईपीसी की धारा 124ए जैसे प्रावधान की अनुपस्थिति में, सरकार के खिलाफ हिंसा भड़काने वाली किसी भी अभिव्यक्ति पर निश्चित रूप से विशेष कानूनों और आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। जिसमें अभियुक्तों से निपटने के लिए कहीं अधिक कड़े प्रावधान हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि 'आईपीसी की धारा 124ए को केवल इस आधार पर निरस्त करना कि कुछ देशों ने ऐसा किया है ये ठीक नहीं है क्योंकि ऐसा करना भारत में मौजूद जमीनी हकीकत से आंखें मूंद लेने की तरह होगा।' आयोग ने यह भी कहा कि ''औपनिवेशिक विरासत'' होने के आधार पर राजद्रोह को निरस्त करना उचित नहीं है। इसे निरस्त करने से देश की अखंड़ता और सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। बता दें कि केंद्र सरकार राजद्रोह कानून में संशोधन की तैयारी कर रही है। इसे लेकर संसद के मानसून सत्र में एक प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल मई के महीने में देशद्रोह कानून को स्थगित कर दिया था। तब राज्य सरकारों से कोर्ट ने कहा था कि केंद्र सरकार की ओर से इस कानून को लेकर जांच पूरी होने तक इस प्रावधान के तहत सभी लंबित कार्यवाही में जांच जारी न रखें। इसके अलावा धारा 124ए के संबंध में कोई भी प्राथमिकी दर्ज करने या कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करने का निर्देश दिया।

पंजाब के राज्यपाल ने सीएम मान से मंत्री कटारूचक्क के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की

चंडीगढ़, 2 जून (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने एक बार फिर पंजाब सरकार से कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारूचक्क ने जघन्य अपराध किया है। आरोपी मंत्री को कैबिनेट में रहने का कोई अधिकार नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को इस मंत्री के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। यह बयान राज्यपाल ने पंजाब विश्वविद्यालय से संबंधित मामलों को लेकर पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के दौरान दिया। पंजाब सरकार की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं: राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने मुख्यमंत्री से आरोपी मंत्री के खिलाफ फिर से कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने कहा कि वह मीडिया के माध्यम से भी कार्रवाई की मांग करते हैं। दरअसल, जब से राज्यपाल कटारूचक्क के कथित वीडियो की फॉरेंसिक रिपोर्ट सामने आई है, तब से सीएम मान उनसे कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, लेकिन पंजाब सरकार ने अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं की है। इस मामले में पंजाब सरकार ने डीआईजी नरेंद्र भार्गव के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया है, जो इसकी जांच कर रही है। 5 जून को फिर होगी बैठकः पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से जुड़े मामलों को लेकर पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि पांच जून को सभी दलों के बीच एक और बैठक होगी।

श्रीलंका का आरोप, भारतीय आई ड्रॉप से 35 लोगों की आंखों में संक्रमण, भारत में जांच शुरू

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका में भारतीय आई ड्रॉप से 35 मरीजों की आंखों में संक्रमण होने का मामला सामने आया है। इसके बाद भारत निर्मित दवा की जांच शुरू हुई हो गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के सूत्रों ने बताया कि गुजरात की फार्मा कंपनी की दवा की जांच की जा रही है। शिकायत मिली है कि मिथाइल प्रेडनिसोलोन आई ड्रॉप का उपयोग करने के बाद मरीजों में बैक्टीरिया संक्रमण बढ़ा है। इसी साल मार्च में कंपनी ने आईड्रॉप के दो बड़े बैच श्रीलंका निर्यात किए, लेकिन अप्रैल में वहां के तीन बड़े अस्पतालों में करीब 30 लोगों ने दवा लेने के बाद आंखों में संक्रमण की शिकायत की। इसके बाद श्रीलंका की सरकार ने न सिर्फ दवा पर तत्काल रोक लगाई, बल्कि उसके खिलाफ जांच भी शुरू कर दी। इस बीच कंपनी ने भी अपनी दवाओं को वापस ले लिया। श्रीलंका सरकार ने 16 मई को पत्र लिखकर भारत से भी निष्पक्ष जांच की अपील की। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ। मनसुख मांडविया ने चेतावनी देते हुए कहा कि फार्मा उद्योग देश की साख से जुड़ा है।

अगर गुणवत्ता से समझौता किया जाता है तो यह देश के लिए अच्छा नहीं रहेगा और इसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रीलंका से पत्र मिलने के बाद तत्काल दवा की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। कंपनी के मौजूदा बैच को सील कर दिया गया है। नमूने केंद्रीय प्रयोगशाला भेजे हैं, जहां से 10 से 15 दिन में रिपोर्ट मिलने की संभावना है। यह नौ माह में चौथा ऐसा मामला है, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हुए हैं।

पहले गांबिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत के पीछे भारतीय कंपनियों के कफ सीरप को जिम्मेदार ठहराया गया था। जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फार्मा क्षेत्र की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हुए थे। इसी तरह का एक मामला मार्शल आइलैंड्स और माइक्रोनेशिया में भी सामने आया, जिसके बाद बीते अप्रैल माह में डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट जारी किया।

बस में महिला के सामने शख्स ने की अश्लील हरकत, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कन्नूर, 2 जून (एजेंसियां)। केरल के कन्नूर जिले के पैय्यानूर के पास राज्य परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस में एक 44 साल के व्यक्ति ने कथित तौर पर एक महिला के सामने अश्लील हरकत की थी। जिसके बाद अब पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि आरोपी की पहचान बीनू एन के के रूप में हुई है और वह नाल्लोमपुझा का रहने वाला है और उसकी गिरफ्तारी दर्ज कर ली गई है। रविवार को जब एक महिला पैय्यानूर के पास चेरुपुझा में एक निजी बस में सवार हुई, तो उसमें एक आदमी बैठा अखबार पढ़ रहा था, जबकि वहां कोई नहीं था। जिसके बाद इस व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने महिला के सामने अश्लील हरकत करनी शुरु कर दी। इस दौरान महिला इस व्यक्ति का वीडियो भी अपने फोन में रिकॉर्ड कर रही थी इसके बाद भी ये व्यक्ति नहीं रूका। जैसा कि सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए कथित वीडियो में देखा जा सकता है। कुछ देर बाद वह आदमी उठा और बस से उतर गया। एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि हम आरोपी को पकड़ने के लिए उसकी तलाश कर रहे थे।

मई की बारिश ने राजस्थान में 100 साल तो एमपी में तोड़ा 13 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। मई महीना गुजर गया। इस महीने में बारिश ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। मौसम विभाग ने गुरुवार को बताया कि राजस्थान में इस साल मई में रिकॉर्ड 62.4 मिलीमीटर बारिश हुई तो वहीं मध्य प्रदेश में 32.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस वजह से राजस्थान में 100 साल का रिकॉर्ड टूटा तो वहीं मध्य प्रदेश में 15 साल में ऐसा पहली बार हुआ। मौसम विभाग ने बताया कि राजस्थान में पिछले 100 वर्षों में मई महीने में सर्वाधिक बारिश हुई। मई 1917 में राज्य में 71.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई थी। राजस्थान में मई में औसतन 13।6 मिलीमीटर बारिश होती है लेकिन कई पश्चिमी विक्षोभों के कारण इस बार अधिक बारिश हुई। मध्य प्रदेश की बात करें तो मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में भी मई महीने में हर जिले में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज हुई जो पिछले 15 साल में ऐसा पहली बार हुआ। मौसम विभाग ने कहा कि प्रदेश में मई महीने में आमतौर पर 6.6 मिलीमीटर बारिश होती है लेकिन इस साल 32.2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। इस साल मई में 20-21 दिन मध्य प्रदेश में कहीं न कहीं बारिश जरूर हुई।

हिंदुस्तान में धर्मांतरण नहीं होने देंगे

राजकोट में बोले धीरेंद्र शास्त्री-हिंदुओं को जगाना है

राजकोट, 2 जून (एजेंसियां)। बिहार के बाद बाबा बागेश्वर यानि धीरेंद्र शास्त्री का गुजरात के राजकोट में दिव्य दरबार लगा हुआ है।

इस दरबार में हजारों की संख्या में बाबा के समर्थक राज्य के कोने-कोने से पहुंचे हैं। वहीं, धीरेंद्र शास्त्री ने एक बार फिर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की अपनी मांग को दोहराया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा है कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है। वह यहां धर्मांतरण नहीं होने देंगे। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमारे ग्रंथों को कितनी बार नहीं जलाया गया। हम नफरत करना नहीं जानते हैं, हम तो प्रेम के आदी हैं। हम खुद को गर्व से हिंदुवादी कहते हैं। सभी हिंदुओं को ये गर्व महसूस करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में वीरता की गाथाएं सुनाना बेहद जरूरी है। भगवान राम वीर थे। उन्होंने रावण का नाश किया। इससे पहले धीरेंद्र शास्त्री ने दिव्य दरबार में आए लोगों को राजकोट के पागलों कहकर संबोधित किया।

तिलक लगाकर घर से निकलना चाहिए

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हिंदुओं को भी तिलक लगाकर घर से निकलना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरे धर्म के लोग टोपी पहनकर एक वेशभूषा में घरों से बाहर निकलते हैं। किसी को आप लॉकेट लटकाते हुए देख सकते हैं। हमें भी भगवान राम की कहानियों को पढ़ना होगा और दूसरों को बताना होगा। राम की कहानियां काफी प्रेरणादायी है।

धीरेंद्र के मुताबिक, सभी के अंदर राम हैं, उस राम को अब जगाना होगा। धीरेंद्र शास्त्री तब चर्चा में आ गए थे, जब अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक श्याम मानव ने उनपर अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि बाबा ढोंगी हैं, उनके पास कोई शक्तियां नहीं हैं।

इसके बाद कई हिंदू संगठन और बीजेपी के नेता श्याम मानव पर हमलावर हो गए थे। उन्होंने इसे हिंदू संतों का अपमान बताया था। धीरेंद्र शास्त्री ने महाराष्ट्र, बिहार सहित कई जगहों पर अपना दिव्य दरबार लगाया है। बिहार के पटना में बाबा के दरबार में 10 लाख से अधिक लोगों की भीड़ उमड़ी थी।

विवाद के बाद दमोह कलेक्टर का एक्शन, हटाया गया हिजाब का बंधन, नहीं गाया जाएगा 'लब पे आती है दुआ'

दमोह, 2 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह में एक प्राइवेट स्कूल पर आरोप था कि यहां हिन्दू छात्राओं को भी हिजाब पहनने पर मजबूर किया जा रहा है। छात्राओं के आरोप के बाद हिन्दू सगंठन एक्टिव हुए और मामले ने तूल पकड़ लिया। इसके बाद यह बात सरकार तक पहुंची और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहाने ने मामले की जांच के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। अब सीएम के सख्त और तीखे तेवर के बाद दमोह कलेक्टर ने स्कूल पर कार्रवाई की है और स्कूल यूनिफ़ॉर्म से हिजाब का बंधन हटा दिया गया है। इतना ही नहीं, कलेक्टर के निर्देश के बाद अब अल्लामा इकबाल के 'लब पे आती है दुआ' सरीखे गीत भी नहीं गाए जाएंगे। अब छात्र प्रातः कालीन प्रार्थना में केवल राष्ट्रगान जन गण मन ही गाएंगे।

पक्षियों को मारकर उनके पंखों का कनाडा ब्रिटेन और रूस में करता था तस्करी, अरेस्ट

कोलकाता, 2 जून (एजेंसियां)। यूरोप में अलग-अलग डिजाइन के कपड़े तैयार किए जाएंगे। उन कपड़ों के डिजाइन के लिए पक्षियों के पंखों का इस्तेमाल किया जाएगा। उसके लिए कई पक्षियों को मार कर इस राज्य से उनके पंख और शरीर के अंगों की तस्करी की जाती है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के वन विभाग के तहत वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने ऐसे पक्षियों और पक्षियों के अंगों की अंतरराष्ट्रीय तस्करी का भंडाफोड़ किया। वन विभाग की नामखाना रेंज ने ढोलहाट थाने के बेजपुकुर गांव में सलाउद्दीन मीर नामक युवक के घर की तलाशी ली। उससे 933 मछली, जंगली पक्षियों के 868 लाल और भूरे रंग के पंख और विलुप्त पक्षियों के 168 सूखे कंकाल बरामद किए गए। मालूम हो कि पक्षियों के अंगों की तस्करी का आरोपी सलाहुद्दीन 2016 से इस धंधे में शामिल है। आरोप है कि वह लंबे समय से विदेशों में पक्षियों के शरीर के अंगों की तस्करी कर रहा है। वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक पक्षियों के पंख और शरीर के अंगों की तस्करी रूस, कनाडा, ब्रिटेन, आइसलैंड, डेनमार्क जैसे देशों में की जाती थी। आरोपी पहले जंगलों से पक्षियों को जाल बिछाकर पकड़ता है।

पक्षियों को मार कर विदेशों में करता था तस्करी

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जब पक्षी आरोपी द्वारा बिछाये गये जाल में फंस जाते हैं। तो उन्हें एकत्रित करता है और फिर से मार देता है। मारने के बाद पक्षियों के पंखों को एकत्रित किया जाता है और फिर उन्हें विदेशों में तस्करी की जाती है। वन विभाग के अधिकारियों को पक्षियों के मारे जाने को लेकर पहले से ही संदेह था। वे आरोपी तस्कर की बहुत दिनों से तलाश कर रहे थे। वन विभाग के अधिकारियों ने जाल बिछाया और फिर दक्षिण 24 परगना वन विभाग को नामखाना, रामगंगा, भागवतपुर, बरुईपुर में तलाश कर यह सफलता मिली है। वन विभाग के अधिकारी ने आरोपी तस्कर सलाहुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ कर इस तस्करी के गिरोह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पक्षियों के पंखों के बनाये जाते हैं हॉबी आइटम

दक्षिण 24 परगना के मिलन मंडल के डीएफओ ने तस्करी के इस मामले को लेकर कहा, 'पिछले कुछ सालों से रूस, जापान, बुल्गारिया, जर्मनी, अमेरिका, नैरोबी, केन्या और चिली में तस्करी की जाती थी। पक्षी के अंगों और पंखों का इस्तेमाल हॉबी आइटम और मछली पकड़ने के लिए फंसाने के लिए किया जाता था। इस गिरोह का का पता लगाने के लिए वन विभाग आरोपियों से आगे पूछताछ करेगा। गिरफ्तार को शुक्रवार को काकद्वीप अनुमंडल न्यायालय में पेश किया जाएगा।

'तू मुझे अच्छी लगती है मुझे तुझसे शादी करनी है', नासिक में लव जेहाद का मामला

युवती को अगवा कर ले गया था आरोपी

नासिक, 2 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक से लव जिहाद का एक सनसनी खेज मामला सामने आया है। जिले के निफाड़ तालुका में रहने वाली 18 साल की निकिता नाम की एक हिन्दू लड़की को उसी के इलाके में किराने की दुकान चलाने वाला विवाहित रईस सय्यद जबरन गाड़ी में बैठाकर 27 मई को लेकर फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि रईस शादीशुदा और एक बच्चे का बाप है, लेकिन इसके बावजूद लगातार वो लगातार उसे परेशान करता रहता था। आरोपी पीड़िता को हमेशा ये कहकर परेशान करता था कि वो उसे बहुत पसंद करता है और उससे शादी करना चाहता है। इतना ही नहीं आरोपी उसे धमकी भी देता था कि अगर उसने शादी नहीं की तो वो उसकी जिंदगी बर्बाद कर देगा। इतना ही नहीं आरोपी युवक ने कई बार युवती की मां के फोन पर भी कॉल कर ऐसी धमकियां दी और मेसेज भी किये थे। इसी बीच 27 मई को पीड़िता निकिता जब कंप्यूटर क्लास को जा रही थी तो उसे आरोपी जबरन अगवा कर उठा ले गया। आरोपी निकिता को अगवा कर सीधे अजमेर ले गया वहां दर्शन कर फिर तारागढ़ दरगाह भी ले गया। उसके बाद आरोपी ने फिर मुम्बई के लिए दादर जाने वाली ट्रेन पकड़ी और मुंबई पहुंचकर ठाणे के अम्बरनाथ में अपनी बहन के घर गया। जहां अम्बरनाथ पुलिस ने रईस सय्यद को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद मौके पर नासिक की निफाड़ पुलिस भी पहुंच गई और उसने आरोपी को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने निकिता को अपने कब्जे में लेकर परिवार को सौंप दिया है और निफाड़ पुलिस ने आरोपी रईस के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने आरोपी पर आईपीसी की धारा 363, 366, 354(डी), 506 आईपीसी, सेक्शन 3(2)(वी), 3(2)(वीए), सेक्शन 12 और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

जलगांव स्टेट बैंक में डाका

17 लाख कैश और 3 करोड़ का सोना लूट ले गए, सीसीटीवी का डीवीआर भी लेते गए

जलगांव, 2 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा में दिन दहाड़े डाका पड़ा है। दो लुटेरे हेल्मेट पहन कर आए, ब्रांच मैनेजर पर हमले करके बैंक से 17 लाख रुपए कैश और 3 करोड़ रुपए के मूल्य का सोना लूट कर ले गए। कोई सबूत बाकी ना रहे, इसलिए सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी ले गए। इससे आरोपियों को ढूंढ पाना अब एक बडडी चुनौती बन गई है। पुलिस की ओर से जांच, पूछताछ और तहकीकात शुरू है। जलगांव के कालिका माता मंदिर परिसर के काशीबाई उखाजी कोल्हे विद्यालय के पास स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का एक ब्रांच है। स्टेट बैंकऑफ इंडिया का यह ब्रांच रोज की तरह कल भी समय पर खुला। लेकिन सुबह दस बजे बैंक खुलते ही दो हेल्मेटधारी लुटेरे बैंक के अंदर घुस गए। कर्मचारियों को हथियारों का डर दिखाते हुए मैनेजर राहुल महाजन पर चाकू से वार किया। मैनेजर को जख्मी कर के उसके हाथ से चाबी ले ली। इसके बाद गोल्ड लोन के लिए बैंक के लॉकर में रखे 3 करोड़ रुपए के मूल्य का 6 किलो सोना और 17 लाख रुपए कैश लूट लिए। इस घटना से पूरे जलगांव में दहशत फैल गई है। लुटेरे पूरी प्लानिंग से लूट को वारदात देने आए थे। अपनी पहचान छुपाने के लिए वे हेल्मेट पहन रखे थे। इसके अलावा बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में वे कैद होकर परेशानी में ना पड़ें, इसका ध्यान रखते हुए वे कैमरे का डीवीआर भी ले गए। इस वजह से पुलिस के लिए आरोपियों का पता लगाने में मुश्किलें पेश आ रही हैं।यह पूरी वारदात चंद मिनटों में ही अंजाम दिया गया। इसी से आरोपियों की तैयारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। जलगांव शहर में पिछले कुछ सालों की यह सबसे बड़ी लूट कही जा रही है। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने की खातिर पांच टीम तैयार की है। ये पांचों टीम अलग-अलग जगहों पर रवाना की गई है। लेकिन आरोपी की पहचान का कोई सबूत फिलहाल पुलिस के हाथ नहीं लग पाया है।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने किया केंद्र के अध्यादेश का समर्थन, कहा- दिल्ली नहीं है पूर्ण राज्य

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए लाए गए केंद्र अध्यादेश को राजसभा में पारित होने से रोकने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तमाम विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे हैं। उनकी इस मुहिम को कई दलों का समर्थन भी मिल रहा है, लेकिन दिल्ली के सीएम के इस प्रयास को कांग्रेस पार्टी ने बड़ा झटका दिया है। पूर्व कांग्रेस सांसद संदीप दीक्षित ने केंद्र के अध्यादेश का समर्थन करते हुए सीएम केजरीवाल को महाझूठा बताया है। दिल्ली कांग्रेस के नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि अरविंद केजरीवाल केंद्र के अध्यादेश को लेकर विपक्षी पार्टियों के नेताओं को गुमराह कर रहे हैं। मैं आश्चर्यचकित हूं कि बड़े-बड़े नेता, केंद्र शासित प्रदेश और राज्य का मतलब ही नहीं समझ रहें है। संविधान में केंद्रशासित प्रदेश को वो अधिकार नहीं मिले हैं, जो राज्यों को हासिल है। इसके बाद भी कई विपक्षी दल केजरीवाल के झूठ में आकर समर्थन की बात कह रहें हैं।

सर्विसेज को अपने पास रखने के लिए केंद्र बनाए अलग से कानून

संदीप दीक्षित ने कहा कि जो व्यवस्था आज दिल्ली में है, उसका मैं समर्थन करता हूं। सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र से कहा कि आपको यहां की सर्विसेज को अपने पास रखना है तो कानून बनाकर ऐसा कर लीजिए। केंद्र ने वही किया। इससे आगे कांग्रेस नेता ने कहा कि जितने भी विपक्ष के नेता दिल्ली के सीएम के साथ हैं, उनसे आग्रहपूर्वक कहता हूं कि दिल्ली और राज्यों जैसी नहीं है। दिल्ली के सीएम विपक्षी दलों के नेताओं से मिलकर झूठ फैला रहे हैं। वो गलत कह रहे हैं कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान की तरह दिल्ली के लिए अधिकार ले लेंगे।

एसीबी न रहने पर सीएम 10 साल के लिए जा सकते हैं जेल

दिल्ली कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बात से वाकिफ हैं कि अगर उनके पास सतर्कता विभाग का नियंत्रण नहीं रहा तो उन्हें कम से कम 8 से 10 साल के लिए जेल भेज दिया जाएगा। केंद्र ने अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर 11 मई को सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के आठ दिन बाद अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलट दिया। यही वजह है कि राजधानी के सीएम अध्यादेश के खिलाफ विरोधी दलों को एकजुट करने की मुहिम में जुटे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 3 जून- 2023

विद्यार्थियों की आत्महत्या के डराते आंकड़े

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। लोगों में अवसाद निरंतर बढ़ रहा है, जिसके चलते कुछ लोग आत्महत्या जैसा हृदय विदारक कदम उठा बैठते हैं। जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है।

देश के प्रमुख कोचिंग केंद्र बने राजस्थान के कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर अत्यधिक मानसिक दबाव के कारण जब-तब विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं सामने आती रहती हैं। अब आइआइटी जैसे भारत के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग संस्थानों और कुछ अन्य प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में भी विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामले समाज को झकझोरने लगे हैं।

कोटा में आठ से 25 मई के बीच ही चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें सामने आईं। पिछले दिनों सीबीएसई की बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आने पर केवल दिल्ली में ही तीन छात्रों की आत्महत्या की खबर भी स्तब्ध करने वाली थी। ये तीन ऐसे मामले हैं, जो देश की राजधानी से मीडिया की सुर्खियों में आए। लेकिन ऐसे न जाने कितने ही मामले देश के दूरदराज के इलाकों में घटित होते रहते हैं, लेकिन वे मीडिया की सुर्खियां नहीं बन पाने के कारण लोगों की नजरों में नहीं आ पाते। चिंताजनक स्थिति यह बनती जा रही है कि परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र सही से हल नहीं कर पाने और कई बार परीक्षा की समुचित तैयारी नहीं होने पर भी कुछ मामलों में अब कुछ विद्यार्थी हताश होकर जान देने लगे हैं। दसवीं या बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम हों या फिर मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाएं, ऐसी परीक्षाओं में सफल नहीं होने के कारण कुछ छात्र अब आत्महत्या जैसा हृदय विदारक कदम उठाने लगे हैं। युवाओं में आत्महत्या की यह बढ़ती प्रवृत्ति अब सभी को गंभीर चिंतन-मनन के लिए विवश करने के लिए पर्याप्त है। विद्यार्थियों की आत्महत्या के आंकड़ों पर नजर डालें तो बहुत चिंताजनक तस्वीर उभरकर सामने आती है। राज्यसभा में दी गई एक जानकारी के अनुसार 2018 से 2023 के बीच पांच वर्षों की अवधि में आइआइटी, एनआइटी, आइआइएम जैसे देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में ही इकसठ छात्रों ने आत्महत्या की, जिनमें तैंतीस छात्र आइआइटी के थे।

देश के युवा वर्ग और खासकर अठारह वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती यह प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है। शिक्षा और करिअर में गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता-पिता और शिक्षकों की बढ़ती अपेक्षाओं के चलते विद्यार्थियों पर पढ़ाई का बढ़ता अनावश्यक दबाव इसका सबसे बड़ा कारण है, जिसने उनके समक्ष विकट स्थिति पैदा कर दी है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते, जिसके चलते उनमें अवसाद पनपता है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि परीक्षाएं नजदीक आने के साथ ही विद्यार्थियों में चिंता और अवसाद बढ़ने लगता है और कुछ मामलों में यही बढ़ता अवसाद उनके आत्महत्या करने का कारण बन जाता है। इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में तो सीटें बहुत होने के कारण अब बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने लगी है, वहीं दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों में सामान्य स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी अब जबरदस्त मारामारी होने लगी है। ऐसे में विद्यार्थी अपनी शिक्षा और भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में रहते हैं। किसी को करिअर या नौकरी की चिंता है तो कोई पारिवारिक वित्तीय संकट से जूझ रहा है। परीक्षा में अपेक्षा से कम या रैंक मिलने पर कुछ बच्चे आत्महत्या का मार्ग चुन लेते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अंकों की दौड़ में पिछड़ जाने के कारण उनका भविष्य अंधकारमय हो गया है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े देखें तो जहां 2020 में देशभर में कुल 12,526 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की, वहीं 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 13,089 हो गया। आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों में 56.54 फीसद लड़के और 43.49 फीसदी लड़कियां थीं। अठारह साल से कम आयु के 10,732 किशोरों में से 864 ने तो परीक्षा में विफलता के कारण मौत को गले लगा लिया।

2021 के एनसीआरबी के आंकड़े समाज को झकझोरने के लिए पर्याप्त हैं। यों आत्महत्या की यह समस्या अब केवल विद्यार्थियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश में आत्महत्या के मामलों में जिस प्रकार साल दर साल उछाल आ रहा है, वह समूचे समाज के लिए गंभीर चिंता का कारण बन रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में हर चालीस सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिए अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों के बीच होते हैं, जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

डब्लूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसद आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है।

लोगों में अवसाद निरंतर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ लोग आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। मनोचिकित्सकों के अनुसार जब भी कोई व्यक्ति या युवा गहरे मानसिक तनाव से जूझ रहा होता है तो उसके व्यवहार में पहले की अपेक्षा कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। ऐसे में आसपास मौजूद लोगों और परिजनों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे व्यक्ति या युवा को भावनात्मक, मानसिक या शारीरिक, जैसी भी जरूरत हो, सहयोग करें, उसका मनोबल बढ़ाने का प्रयास करें, ताकि वह खुद को अकेला महसूस न करे। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है, जो ऐसे करीब नब्बे फीसद मामलों का प्रमुख कारण है। आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। जहां तक विद्यार्थियों की बात है तो उनके बीच बढ़ते आत्महत्या के मामलों के लिए कहीं न कहीं अभिभावक भी दोषी हैं। दरअसल, अधिकांश मामलों में देखने को मिलता है कि ज्यादातर माता-पिता या अभिभावक अपने बच्चों की क्षमता और अभिरुचि को सही ढंग से नहीं समझ पाते और उनसे जरूरत से ज्यादा अपेक्षाएं रखते हुए परीक्षा के समय भी उनकी मनोदशा से अनभिज्ञ रहते हैं। कई मामलों में ऐसे छात्र जरूरत से ज्यादा मानसिक दबाव के कारण गलत कदम उठा बैठते हैं। ऐसे मामलों में विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से बाहर निकालने में सबसे बड़ी भूमिका अभिभावकों, करीबी लोगों और शिक्षकों की ही हो सकती है, जो उन्हें सहानुभूतिपूर्वक समझाएं कि किसी भी असफलता से उनके जीवन का निर्धारण नहीं होता और हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे सकारात्मक सोच के साथ अपनी क्षमतानुसार मेहनत करके भी सफलता की बुलंदियों को छू सकते हैं।

किसी राजनीतिक दल के लिए विद्यार्थियों की आत्महत्याएं भले ही कोई चुनावी मुद्दा न हों, लेकिन समाज के लिए ये आत्महत्याएं चिंतनीय और दुर्भाग्यपूर्ण अवश्य हैं।

मणिपुर में शांति जरूरी

भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के हालात बद से बदतर होते देख गृहमंत्री अमित शाह ने वहीं अपना डेरा जमा लिया है। उन्होंने वहां शांति बहाली के लिए हर वो मुमकिन कोशिश की जो जरूरी थी। देखा जाए तो इसके अलावा सुधार का और कोई रास्ता भी नहीं बचा था। सबसे पहले तो उन्होंने अलग-अलग विरोधी पक्षों के बीच संवाद कायम किया और कम से कम तात्कालिक तौर पर शांति को प्राथमिकता में रखा। जाहिर है इस पहलकदमी से ही शांतिबहाली का दीर्घकालिक या स्थायी हल निकल सकेगा। यही वजह है कि गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री की पहल का अपना महत्त्व दिखाई भी दिया है। उन्होंने राज्य के विभिन्न हिंसाग्रस्त इलाकों का दौरा किया और राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के साथ बातचीत भी की। इसके बाद उन्होंने राज्य के राज्यपाल की अध्यक्षता में एक शांति समिति के गठन और हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों लिए दस-दस लाख रुपए मुआवजे के अलावा राहत और पुनर्वास पैकेज की घोषणा भी की। इसके साथ ही वहां हुई जातीय हिंसा की जांच के लिए उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश स्तर के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा भी कर दी। देखा जाए तो राज्य में जिस तरह से हालात बदतर हो चुके हैं, उसमें किसी भी पक्ष की ओर से कभी भी हिंसक परिस्थिति उत्पन्न होती है तो उससे मुश्किलें और ज्यादा गंभीर हो जाएंगी। जाहिर है इसका खमियाजा प्रदेश के साथ ही सभी पक्षों को भी भुगतना पड़ेगा। इसलिए शांति की राह की ओर बढ़ना ही सभी पक्षों के लिए जरूरी है। इसके अलावा, गृह मंत्री का यह बयान भी संभवतः उग्र हुए पक्षों को शांत होने और हल की ओर बढ़ने के बारे में सोचने की जगह बनाएगा कि मणिपुर उच्च न्यायालय की ओर से जल्दबाजी में लिए गए फैसले की वजह से दो गुटों के बीच हिंसा हुई। उन्होंने साफ किया कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। हालांकि फिलहाल हिंसा में शामिल समूहों की गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत है, क्योंकि कई बार शांति की सही दिशा को हिंसा या अराजकता की कोई छोटी घटना भी भटका दे सकती है। इससे पहले केंद्र सरकार की ओर से संकटग्रस्त मणिपुर में स्थायी शांति के लिए संघर्षरत मैतेई और कुकी समुदायों के बीच न्यूनतम सहमति की जमीन तैयार करने की खबरें थीं। इस पर काफी हद तक काम भी किया जा चुका था। बता दें कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जे से संबंधित जो विवाद खड़ा हुआ है, उसका हल हिंसा और अराजकता से तो कदापि नहीं निकल सकता। बल्कि इससे नई ऐसी परिस्थितियां पैदा होंगी, जिसमें बहुत सारे लोग कानूनी कार्रवाई की चपेट में आएंगे। विवाद की शुरुआत के बाद इसके समाधान को लेकर सरकार की शुरुआती रुझान उतनी सक्रिय नहीं दिखी थी जिसकी अपेक्षा इस सरकार से की जाती रही है। उस समय केंद्र सरकार ने अपने स्थानीय प्रशासन पर शायद विश्वास कर लिया था कि वह मामला बढ़ने से पहले ही उस पर काबू पा लेगा। लेकिन प्रशासन की अनदेखी की वजह से कुछ स्थानीय जनजातीय समुदायों को यह भरोसा नहीं हो पा रहा कि उनके हितों की रक्षा की जाएगी। वहां के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कथित बाहरी लोगों को हटाने के सवाल पर पहले ही लोगों में रोष था, लेकिन उसके बाद आग में घी तब पड गया जब मैतेई समुदाय के लोगों को जनजाति का दर्जा देने के मसले पर उच्च न्यायालय के रुख के बाद शेष जनजातीय समुदायों के बीच नाराजगी काफी बढ़ गई। इसके बाद से उपजे विरोध ने हिंसा का जो रास्ता अख्तियार कर लिया, उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। जबकि यह ऐसा सवाल है, जिस पर संबंधित हितधारक पक्षों से विचार-विमर्श और उनकी सहमति हासिल करने के बाद ही कोई फैसला लिया जाना चाहिए था। लेकिन राजनीतिक कारणों से कई बार सरकारों को ऐसे कदम उठाने पड जाते हैं जिसके अंजाम का पहले से अंदाजा नहीं होता है। मैतेई समुदाय के मुद्दे पर हुई हड़बड़ी के बाद मणिपुर में अब तक लगभग सत्तर लोगों की जान जा चुकी है। इसे केंद्रीय गृह मंत्री ने भी रेखांकित किया है। अगर यही स्थिति कायम रही तो हालात और जटिल हो सकते हैं। इसलिए अब इस आग लगी को बुझाने के लिए सभी पक्षों को एक साथ मंच पर आकर संवाद के जरिए एक संतुलित समाधान निकालने की जरूरत है

राहुल गांधी की ओछी सियासत

कमलेश पांडेय

पिछले तीन दशकों में भारतीय राजनीति में दो महत्वपूर्ण बदलाव महसूस किए जा रहे हैं, जो नई आर्थिक नीतियों के राजनीतिक साइड इफेक्ट्स समझे जा सकते हैं। पहला, नेताओं व उनके भरोसेमंद कार्यकर्ताओं के बीच विश्वास दिन ब दिन घटता जा रहा है और ग्लोबल-नेशनल पीआर एजेंसी इस जगह को तेजी से भरती जा रही हैं। दूसरा, राजनेताओं और नौकरशाहों की अंदरूनी सांठगांठ औद्योगिक घरानों व कारोबारियों से बढ़ती जा रही है और उनके मनमाफिक कानून बदले जा रहे हैं।

देखा जाए तो इन दोनों घटनाओं की वजह से समाजवादी लोकतंत्र, कब पूंजीवादी लोकतंत्र में तब्दील हो गया, पता ही नहीं चला! आहिस्ता-आहिस्ता यह प्रक्रिया और तेज ही होती जा रही है, जिससे पढ़े लिखे और पैसे वाले लोगों के बजाय आम आदमी के हित ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं, नकारात्मक अर्थों में। जिस हिसाब से व्यक्ति विशेष के खर्चे बढ़े हैं, उत्तरदायित्व बढ़ रहे हैं, आमदनी बिल्कुल नहीं! बदलते राजनीतिक माहौल में देश व समाज में पैसे को सर्वोच्च तरजीह दी जा रही है तथा जो लोग पैसे से पैसा और पावर से पैसा बनाने की कला में निपुण हैं, उनकी हर जगह पर पूछ बढ़ती जा रही है।

ऐसे प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में धनाढ्य प्रवासी भारतीयों की पूछ हर दल में बढ़ी है, लेकिन उन्हें अपनाने के चक्कर में ओछी राजनीति भारतीय राजनेताओं के द्वारा की जा रही है। सच कहूं तो विदेशी की धरती से बयानबाजी सम्बन्धी जो गलतियां की जा रही हैं, उससे केंद्रीय मंत्रीगण भी बिफर पड़े हैं। इससे भारत और भारतीयों का भी चिंतित होना स्वाभाविक है।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़बोलेपन पर तो सवाल उठते ही रहते हैं, लेकिन उनसे प्रतिस्पर्धा स्वरूप कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के द्वारा जो 'लक्षित बयान' दिए जा रहे हैं, उससे उन्हें कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा, ये तो वही जानें। लेकिन भारत की कथित कमजोरियों को जो प्रवासी भारतीयों के बीच में उठाया जा रहा है, उससे विदेशों में भारत का, भारतीयों का खुल्लमखुल्ला अपमान होता है। इससे एक मजबूत राष्ट्र के रूप में भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी बट्टा लगता है, जो सार्वजनिक चिंता का विषय है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि जैसे बहुमत के चक्कर में हमारे राजनेताओं ने देश के भीतर जाति, धर्म, भाषा व क्षेत्र आदि के आधार पर विभेद परोसकर अपने-अपने मजबूत समर्थक वर्ग तैयार कर लिए हैं, उसी प्रकार से ये विदेशों में भी प्रवासी भारतीयों को पटाना चाहते हैं, ताकि बैक चैनल से या डायरेक्ट उनकी वित्तीय मदद मिलती रहे। गोया, जब पीएम मोदी ने राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के नाम पर प्रवासी भारतीयों के एक बड़े तबके को अपने साथ कर लिया तो अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी धर्मनिरपेक्षता और तुष्टीकरण की आड़ में प्रवासी भारतीयों के एक बड़े वर्ग को अपने साथ साधना चाह रहे हैं, ताकि उनके मिशन 2024 को बल मिले। विदेशों में कभी तिरंगा का अपमान करने, कभी भारतीय दूतावास पर विरोध प्रदर्शन करने, कभी हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान करने, कभी फिल्मों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करने या उनके पक्ष में रैलियां निकालने के जो प्रायोजित कार्यक्रम होते हैं, उसके पीछे स्थानीय संगठनों और चर्चित पीआर एजेंसियों की भूमिका जगजाहिर है। ऐसे ही लोग विभिन्न संगठनों के बैनर तले भारतीय नेताओं के कार्यक्रम आयोजित करवाते हैं।

प्रचंड की भारत यात्रा : एक 'हिन्दू राष्ट्र' की नई इबारत

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की भारत यात्रा से पहले उनकी सरकार में सहयोगी और पूर्व प्रधानमंत्री के.पी शर्मा ओली ने ये सवाल उठाया था कि क्या प्रचंड भारत के प्रधानमंत्री के सामने वो सारे मुद्दे उठाएंगे जो उनके कार्यकाल में विवाद की वजह बने थे चाहे वह विवादित नक्शे का मामला हो या सीमा से जुड़े मामले। यह माना भी जा रहा था कि बुधवार की रात भारतीय सुरक्षा सलाहवार अजीत डोभाल के साथ हुई मुलाकात के दौरान भी शायद ये मामले उठे हों, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं।

दोनों देशों के शीर्ष नेता जब मिले तो पूरी गर्मजोशी से मिले और दोनों देशों के बीच जो समझौते हुए, उससे बेशक दोनों देशों की जनता को कई फायदे होने की उम्मीद जताई जा रही है। खासकर बिजली के क्षेत्र में हुए अहम समझौते, आने वाले 10 सालों में 10 हजार मेगावाट बिजली आयात का लक्ष्य, नई तेल पाइपलाइन, पर्यटन से लेकर क्यूआर कोड के जरिये व्यापारिक लेन देन जैसे समझौते अहम माने जा रहे हैं। नेपाल प्रेस के मुख्य संपादक मात्रिका पौडेल ने काठमांडू से फोन पर बताया कि नेपाल की जनता को प्रचंड की इस यात्रा से काफी उम्मीदें हैं और दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर जिस तरह के तनाव का माहौल दिखता रहा है, इस यात्रा से अब वह बदलेगा।

खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेट्रोलियम पाइपलाइन भंडारण और दीर्घकालिक विद्युत व्यापार समझौते किए, उससे यहां के लोगों को काफी लाभ होगा। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को खत्म करने की कोशिश अहम होगी और इससे पर्यटन के क्षेत्र में भी फायदा होगा। सियासी तौर पर देखें तो जाहिर है के पी शर्मा ओली इस यात्रा को लेकर कोई खास उत्साहित नहीं हैं और उनका यही मानना है कि जबतक विवादित मुद्दे नहीं उठाए जाएंगे, तबतक यात्रा का कोई लाभ नहीं है। हां, भौगोलिक तौर पर भारत के साथ व्यापारिक समझौते चीन की तुलना में बेशक व्यावहारिक और बेहतर होंगे।

नेपाल मामलों के विशेषज्ञ और 'समकालीन तीसरी दुनिया' के संपादक आनंद स्वरूप वर्मा प्रचंड की इस भारत यात्रा को एक अलग नज़रिये से देखते हैं। उनका कहना है कि ये वही प्रचंड हैं जो किसी ज़माने में कम्युनिस्ट आंदोलन के एक बेहद प्रगतिशील और क्रांतिकारी नेता हुआ करते थे और जो पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद संविधान संशोधन कर नेपाल को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र का दर्जा देना चाहते थे। लेकिन लगता है इतने सालों में उनकी सोच बदल गई है और वह भी अब हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा के समर्थक हो गए हैं। वैसे यह बात तो समझ ही लेनी चाहिए कि नेपाल का कोई भी प्रधानमंत्री हो, अगर वह अपनी जनता का हित चाहता है तो उसे भारत के साथ अपने रिश्ते मधुर रखने ही पड़ेंगे।

किसी तरह के टकराव की स्थिति उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होगी। ये उस देश की भौगोलिक मजबूरी भी है क्योंकि नेपाल तीन तरफ से भारत से घिरा हुआ है। एक तरफ से चीन है, लेकिन वहां तक पहुंचना भागोलिक तौर पर बहुत आसान नहीं है। यह आम धारणा भी है कि जब नेपाल का कोई भी प्रधानमंत्री बनता हो तो वह सबसे पहले भारत आता है, लेकिन जब ओली पहली बार प्रधानमंत्री बने तो वह भारत से पहले चीन चले गए। इससे भारत में उनके प्रति धारणा बदल गई और यह माना जाने लगा कि यह माओवादी प्रधानमंत्री चीन की तरफ ज्यादा झुकाव रखता है।

जब 2015 में नेपाल का नया संविधान बना तब भारत से तत्कालीन मंत्री सुषमा स्वराज और नेपाल मामलों को देख रहे भगत सिंह कोश्यारी वहां गए और प्रचंड से मुलाकात की थी। उसके बाद अखबारों में छपा कि कोश्यारी ने प्रचंड से साफ तौर पर कहा कि नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बना रहने दें ताकि जो हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हैं, वह और गहरे बने रहें। तब भी प्रचंड ने इस बारे में कोश्यारी को भरोसा दिलाया था। और अब वह भारत में मौजूदा प्रधानमंत्री से मिलकर इस अवधारणा को और मजबूत कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह वही प्रचंड हैं जो किसी जमाने में क्रांतिकारी सोच और धर्मनिरपेक्षता की बात करते थे। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद शायद यह उनकी मजबूरी भी कह सकते हैं। लेकिन सबसे अहम बात नेपाल की जनता के हित में अगर कोई समझौता होता है, तो वह बेशक कहीं न कहीं फायदेमंद होगा। प्रचंड की इस यात्रा को इसलिए और महत्वपूर्ण मानते हैं क्योंकि उनकी नज़र में अपने देश से हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा को खत्म करके एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की बात करने वाला प्रधानमंत्री आज उस प्रधानमंत्री से मिल रहा है जो एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र को हिन्दू राष्ट्र बनाने की कोशिश में लगा है। वह कहते हैं कि दोनों देशों के बीच समझौते तो होते रहेंगे लेकिन इस दृष्टि से यह यात्रा मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण है। वैसे भी बहुत से पुराने ऐसे समझौते हैं जो लंबे समय से लंबित पड़े हुए थे, जो नेपाली जनता के हित में हैं और कोई भी प्रधानमंत्री चाहेगा कि वह समझौते हों। जाहिर है उस लिहाज से जो भी समझौते हो रहे हैं वह दोनों देशों के लिए जरूरी भी हैं।

के पी शर्मा ओली के ज़माने में जो भारत के साथ नेपाल के रिश्ते बिगड़े, उस सवाल पर आनंद स्वरूप वर्मा कहते हैं कि ओली को कम्युनिस्टों के बीच हमेशा से भारत समर्थक माना जाता था, लेकिन पीएम बनने के बाद जब वह पहले चीन चले गए तो यह धारणा बदल गई।

डिजिटल धर्मांतरण की साजिश!

मनोज कुमार अग्रवाल

अब कच्ची उम्र के मासूम नाबालिग किशोर बच्चों को आनलाइन गेम के जरिए सम्पर्क में लाकर उनका ब्रेन वाश कर इस्लाम को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ मजहब बता कर धर्मांतरण की डिजिटल साजिश को अंजाम दिया जा रहा है। इस सुनियोजित साजिश को बड़ी ही चालाकी से शातिराना तरीके से अंजाम दिया जा रहा है आम तौर पर आजकल हर बच्चा मोबाइल एंड्रॉयड फोन इस्तेमाल कर रहे हैं और अभिभावक बच्चों के मोबाइल यूज पर पर्याप्त निगरानी नहीं कर पाते हैं वह सोच रहे हैं कि बच्चा मोबाइल पर गेम खेल रहा है जबकि मोबाइल गेम खेलने के ग्रुप के जरिए संपर्क में आकर उसे धीरे-धीरे इस्लाम की ओर आकर्षित किया जा सकता है और यहां तक कि उसका ब्रेनवाश कर उस को आनलाइन कट्टरपंथी विचारों से जोड़ कर मतांतरण के लिए तैयार कर लिया जाता है। ऐसा ही एक मामला देश की

राजधानी दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में देखने को मिला है। यहां कवि नगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़के का धर्म परिवर्तन करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है इस नाबालिग बच्चे के पिता ने मुंबई निवासी एक व्यक्ति और उसके साथियों पर ऑनलाइन गेम के जरिए धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रेरित करने और धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है किशोर के पिता का आरोप है कि उनका बेटा बहानेबाजी कर पिछले कुछ दिनों से एक दिन में 5 बार घर से बाहर जाता था जब शक हुआ तो पड़ताल करने पर पता चला कि वह नमाज पढ़ने के लिए जाता है और करीब की ही एक मस्जिद में वह नमाज अदा करता है। जब किशोर के परिजन ने इस बाबत पूछताछ की तो किशोर बेहद उग्र हो गया और उसने स्वीकार किया कि वह धर्मान्तरण कर रहा है। यह सुनकर किशोर के परिजन के पैर तले धरती खिसक गई।

आइए इस मामले में आपको विस्तार से जानकारी देते हैं कवि नगर थाना क्षेत्र के राज नगर में रहने वाले एक नाबालिग बच्चे को कथित तौर पर ऑनलाइन गेम के बहाने से सोशल साइट पर दोस्ती कर धर्म परिवर्तन के लिए तैयार कर दिया गया इस किशोर के पिता का आरोप है कि उनका नाबालिक बेटा पिछले कुछ दिनों से अजीबोगरीब हरकत करने लगा था वह पार्क में खेलने व जिम जाने के बहाने से 5 बार घर से बाहर जाता था संदेह होने पर उन्होंने बेटे का पीछा किया तो पता चला कि वह संजय नगर सेक्टर 23 स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए जाता है जब पिता ने इस संबंध में अपने किशोर बेटे से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने इस्लाम धर्म अपना लिया है क्योंकि इस्लाम धर्म दूसरे धर्म की अपेक्षा बेहतर है किशोर के किशोर के पिता ने बेटे के मोबाइल की और लैपटॉप लैपटॉप की पड़ताल की तो पता चला कि उसमें जाकिर नायक समेत कई इस्लामिक कट्टरपंथियों के स्पीच मौजूद पीड़ित के लेपटोप पर मौजूद थी पीड़ित की उनके नाबालिग बेटे को ऑनलाइन गेमिंग के बहाने से दोस्ती कर एक षड्यंत्र के तहत साजिश कर किशोर को मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया एक मुस्लिम युवक बददो की भूमिका बड़ी हो सकती है उस ने अपनी साजिश का शिकार बनाया और उनके बेटे से सोशल साइट पर कई घंटे रोजॉना बात करना शुरू कर दिया पिता का आरोप है कि यह धर्मान्तरण कराने वाले लोगों का एक गिरोह है जो किशोर आयु के युवकों को ऑनलाइन गेम खिलाने के बहाने से संपर्क बनाकर दोस्ती बढ़ाता है और फिर उनका ब्रेनवाश कर इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर

करता है। किशोर के पिता का कहना है कि उन्हें आशंका है कि उनके बेटे का धर्मांतरण करा दिया गया है आरोपी व्यक्ति तथा इसके पीछे उनके बेटे को किसी तरह दबाव में लेने का काम भी किया गया है पिता ने आशंका व्यक्त की है कि उनके बेटे को देश विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जा सकता है उन्हें आशंका है कि संजय नगर स्थित धार्मिक स्थान से जुड़े कट्टरपंथी लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं यह सारा मामला अपने-अपने काफी पेचीदा सनसनीखेज है। आपको याद होगा कि अभी मार्च माह में भी इसी तरह एक अन्य मामला सामने आया था जिसमें एक दंपति को लोगों को बहला-फुसला उनका धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अयोध्या मामले में किशोर के पिता का कहना है कि उनके बेटे का धर्मांतरण कराने वाला गिरोह दूसरे किशोरों को भी अपने जाल में फंसा कर धर्मांतरण की साजिश रच रहा है।

कृषि सब्सिडी पर गलत है अमीर देशों की सोच

भारत में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) दिए जाने का मुद्दा बहुत गंभीर है। इस पर देश की सभी पार्टियां राजनीति करती हैं क्योंकि यह मुद्दा किसानों से सीधे जुड़ा है। विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सदस्य देश भारत पर आरोप लगाते हैं कि MSP के चलते दूसरे देशों की खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ता है। उन्हें देश में जरूरतमंदों को दी जाने वाली सब्सिडी से भी दिक्कत है।

WTO की कई मीटिंगों में अमेरिका और यूरोपीय देश तर्क देते हैं कि सब्सिडी देने से भारत के किसान अधिक अनाज उत्पादन करते हैं, तो दुनिया के बाजारों में यह अनाज सस्ते दाम पर निर्यात होता है। इससे दूसरे देशों के किसानों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। भारत जैसे देश में 80 फीसदी छोटे और सीमांत किसान हैं। इनके लिए MSP बहुत फायदेमंद साबित हुई है। MSP के तहत ही देश में सार्वजनिक भंडारण की पब्लिक स्टॉक होल्डिंग प्रोग्राम स्कीम (PSH) चलाई जाती है, जिससे गरीबों को मुफ्त या बहुत सस्ता अनाज मिलता है। इसके चलते न केवल अनाजों के दाम में बेतहाशा वृद्धि पर अंकुश लगता है, बल्कि खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।

कृषि समझौते के मुताबिक भारत जैसे विकासशील देश फसलों की उत्पादन लागत पर अधिकतम 10 फीसदी ही सब्सिडी दे सकते हैं। इस सब्सिडी की गणना भी साल 1986-88 की कीमतों के अनुसार होती है। कसौटियों के आधार पर विकसित देश अक्सर भारत में किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी पर सवाल उठाते रहते हैं। जून 2022 में जिनेवा की एक बैठक में अमेरिका और यूरोपीय देशों ने भारतीय किसानों को दी जाने वाली कृषि सब्सिडी का विरोध किया। उन्हें किसानों को मिलने वाले 6,000 रुपये के सालाना सपोर्ट पर भी दिक्कत थी।वर्ष 2018-19 में ब्राजील, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और कनाडा आदि देशों ने आरोप लगाया था कि भारत ने धान खरीद के दौरान किसानों को तय सीमा से ज्यादा सब्सिडी दी है। इन देशों ने गेहूं और अन्य फसलों के लिए MSP का भी विरोध किया था। विकसित देश लगातार WTO और दूसरे अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत में किसानों को मिलने वाली सब्सिडी को कम या खत्म करने का दबाव डालते रहे हैं। हालांकि अमेरिका, कनाडा और अन्य यूरोपीय देश जिनकी कृषि योग्य जोत हमसे कम है, हमसे ज्यादा सब्सिडी देते हैं। अमेरिका में किसानों की आय भारत से अधिक है, फिर भी वह प्रति किसान सालाना 61,000 डॉलर से ज्यादा की सब्सिडी देता है। दूसरी ओर, भारत अपने किसानों को साल भर में 300 डॉलर से कम ही सब्सिडी दे पाता है।

आज भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, उसकी अपनी चुनौतियां हैं। कृषि उत्पादों के निर्यातक देशों में भारत सातवें नंबर पर आ गया है। हमारा कृषि निर्यात 2021-22 के दौरान 50 अरब डॉलर के पार पहुंच गया था। आज दुनिया के कुल चावल एक्सपोर्ट में 45 फीसदी हिस्सा भारत का है। दूध उत्पादन में हम पहले नंबर पर हैं। हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मछली उत्पादक देश भी बन गए हैं। ब्राजील को पछाड़ते हुए सबसे बड़े चीनी उत्पादक बन गए हैं। 2020-21 में पूरी दुनिया में 560 लाख टन चावल का निर्यात हुआ, तो कोरोना के दौरान भारत ने अपने 80 करोड़ लोगों को 580 लाख टन अनाज मुफ्त में दिया। यानी पूरी दुनिया में जितने चावल का निर्यात हुआ, उससे ज्यादा भारत ने अपने लोगों को मुफ्त चावल बांटा। भारत में इस समय लगभग 14.5 करोड़ किसान परिवार हैं, जिनकी अपनी समस्याएं हैं। भारत WTO या किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्था को खुश करने के लिए अपने किसानों की सब्सिडी और सरकारी सहयोग में कटौती या उसे खत्म करने का जोखिम नहीं उठा सकता।

7 दिन पहले बारिश की सूचना देता हैं 4200 वर्ष प्राचीन ये मंदिर

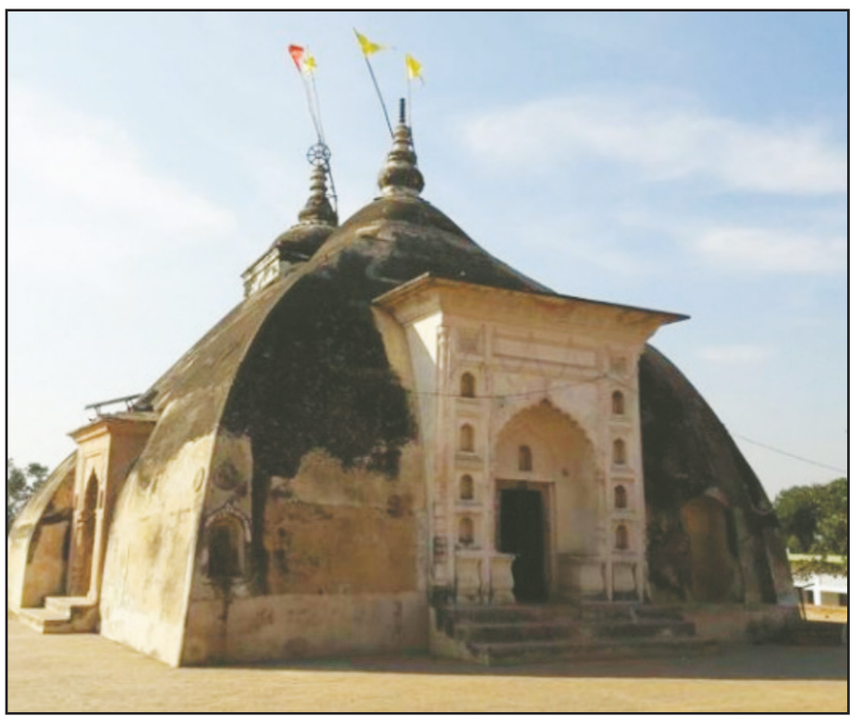

क्या आप कल्पना कर सकते हैं किसी ऐसे भवन की जिसकी छत से चिलचिलाती धूप में बारिश की बूंदे टपकने लगे, और बारिश की शुरुआत होते ही जिसकी छत से पानी टपकना बंद हो जाए। ये घटना है तो हैरान कर देने वाली लेकिन सच है। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नगरी कहे जाने वाले कानपुर जनपद के भीतरगांव विकास खंड से ठीक तीन किलोमीटर की दूरी पर एक गांव है बेहटा। यहीं पर है धूप में छत से पानी की बूंदों के टपकने और बारिश में छत के रिसाव के बंद होने का रहस्य!

यह घटनाक्रम किसी आम ईमारत या भवन में नहीं होती है, बल्कि भगवान जगन्नाथ के अति प्राचीन मंदिर में यह सब होता है। यह बिल्कुल सच्ची घटना है। इस मंदिर की छत टपकने से बारिश होने की आहट होने लगती है। इस मंदिर के निर्माण की वास्तविक तिथि तो किसी को नहीं पता, लेकिन कहा जाता है कि, यह मंदिर 4200 साल प्राचीन है।

यहां रहने वाले ग्रामीण बताते हैं कि बारिश होने के सात से पंद्रह दिन पहले मंदिर की छत से पानी की बूंदे टपकने लगती हैं, इतना ही नहीं जिस आकार की बूंदे टपकती हैं उसी आधार पर बारिश होती है। अब तो लोग मंदिर की छत टपकने के संदेश को समझकर जमीनों को जोतने के लिए निकल पड़ते हैं, और हैरानी में डालने वाली बात यह भी है कि जैसे ही बारिश शुरु होती है, छत अंदर से पूरी तरह सूख जाती है। लोगों की आस्था इस मंदिर के साथ ऐसी जुड़ी हुई है कि लोग दर्शन करने के लिए दूर-दूर से इस मंदिर में आते रहते हैं।

वैज्ञानिक भी इस मंदिर का रहस्य जानने की कोशिश में लगे हुए हैं, लेकिन अभी तक वे इसका रहस्य जान नहीं पाए हैं।

विश्वेश्वर (विश्वनाथ): काशी में बाबा विश्वनाथ के जल्दी और स्पेशल दर्शन के लिए 300 रुपए की फीस लगती है। पास मंदिर की वेबसाइट पर जाकर भी बुक कर सकते हैं।

इसकी टाइमिंग सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक की है। सामान्य दर्शन सुबह 4 से 11 बजे तक और दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक होते हैं।

मुख्य मंदिर के कपाट मध्य रात्रि 2.30 पर खुल जाते हैं। 3 बजे से 4 बजे तक मंगला आरती होती है। सुबह 4 से 11 बजे तक सामान्य दर्शन होते हैं। 11:15 से 12:20 तक भोग आरती होती है। शाम 7 बजे तक फ्री दर्शन होते हैं। शाम 7 बजे से 8.30 तक सप्त ऋषि आरती के लिए दर्शन बंद कर दिए जाते हैं।

9 बजे से दर्शन फिर शुरू होते हैं। 10:30 से 11 बजे तक शयन आरती होती है। ये आरती भी सभी श्रद्धालुओं के लिए होती है। 11 बजे मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं।

विशेष आरती (काशी विश्वनाथ)	**सुबह 3 से 4 बजे तक**	**सौ रुपए तक चुकाने होते हैं। ये**
चार्ज,टाइमिंग,मंगला आरती, 350 रुपए	**भोग/ आरती, 180 रुपए**	**सुबह 4 बजे से 6 बजे के बीच होता है।**
सुबह 3 से 4 बजे तक	**सुबह 11:15 से 12:20 बजे तक**	**विशेष रुद्राभिषेक (विश्वनाथ)**
सावन सोमवार मंगला आरती 1200 रुपए	**सप्त ऋषि आरती 180 रुपए**	**चार्ज, 1 शस्त्री रुद्राभिषेक 450 रुपए, 5 शस्त्री रुद्राभिषेक 1380 रुपए, 11 शस्त्री रुद्राभिषेक 2600 रुपए, 11 शस्त्री रुद्रा 5500 रुपएच, 11 दिवसीय 11 शस्त्री महारुद्रा 57,100 रुपए**
सुबह 3 से 4 बजे तक	**शाम 7 से 8:15 बजे तक**	
सावन मंगला आरती 600 रुपए, सुबह 3 से 4 बजे तक	**रात्रि श्रृंगार / भोग आरती 180 रुपए, रात 9 बजे से 10:15 बजे तक**	
महाशिवरात्रि मंगला आरती 1800 रुपए	**रात्रि शयन आरती, फ्री रात 10:30 से 11 बजे तक**	
	रुद्राभिषेक के लिए 57 हजार 1	

वट सावित्री व्रत पर की गई गलतियां रिश्ते में पैदा करती है खटास

ज्येष्ठ माह की अमावस्या को वट सावित्री व्रत करने से पति की उम्र लंबी होने की धार्मिक मान्यता बताई गई है। वर्ष 2023 में वट सावित्री व्रत 19 मई को होगा जिसमें देश एवं विदेश में रहने वाली हिन्दू धर्म की महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए वट सावित्री व्रत करती हैं। वही इस व्रत के दिन सुहागिनें जाने-अनजाने कई बड़ी त्रुटियां करती हैं। इन्हें ये त्रुटियां करने से बचना चाहिए।

वट सावित्री व्रत के दिन भूलकर भी ना करें गलतियां:-

1- वट सावित्री व्रत के दिन सुहागिनें काले, नीले एवं सफेद रंग के वस्त्र न पहनें। काला रंग नकारात्मकता का प्रतीक होता है।

2- शादी के पश्चात पहली बार सुहागिनों को वट सावित्री का व्रत ससुराल में नहीं मायके में करना चाहिए। सुहाग की सामग्री भी मायके से ही लें।

3- इस व्रत में वट वृक्ष पर कच्चा सूत बांधते हैं तथा उसकी परिक्रमा की जाती है। परिक्रमा के वक़्त दूसरों को पैर लगने से वो खंडित हो जाती है।

4- इस दिन कई लोग बरगद के वृक्ष से जुड़े उपाय करते हैं, मगर व्रती को इस दिन गलती से भी बरगद की टहनियां नहीं तोड़नी चाहिए।

5- इसलिए वट सावित्री व्रत में कथा अवश्य सुनें। कथा को बीच में अधूरा न छोड़ें। जब कथा चल रही हो तो अपने स्थान से उठना भी नहीं चाहिए।

6- वट सावित्री व्रत के दिन देर तक न सोएं। मन में दूसरों के लिए बुरे विचार तथा क्रोध की भावना बिल्कुल न रखें।

7- अगर घर में किसी महिला ने व्रत रखा है तो घर के अन्य सदस्य भी तामसिक भोजन जैसे कि लहसुन-प्याज या मांस-मदिरा का सेवन न करें।

घर में पीपल के पेड़ की छाया पड़ना भी माना जाता है अशुभ

हिन्दू धर्म की मान्यताओं में पीपल के पेड़ का बहुत महत्व बताया गया है। पीपल के पेड़ की पूजा करने से कई कष्ट दूर होते हैं। ऐसा माना जाता है कि पीपल के पेड़ पर कई देवी-देवताओं का वास होता है। ज्योतिष शास्त्र में भी पीपल के पेड़ में महत्व बताए गए हैं। हिंदू धर्म के लोग विधि विधान से पीपल के पेड़ की पूजा करते हैं। इसे काटना अशुभ माना जाता है। लेकिन घर में या घर के सामने पीपल का वृक्ष लगाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में अगर घर के सामने पीपल का पेड़ उगे तो क्या करना चाहिए। आइए आपको भोपाल के रहने वाले ज्योतिषी एवं पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के मुताबिक बताते हैं कि यदि आपके घर में भी पीपल का पेड़ उग आए तो क्या करना चाहिए।

1. दूसरी जगह लगाएं: घर में पीपल के पेड़ का उगना अशुभ माना जाता है। ऐसे में यदि आपके घर में भी पीपल का पेड़ उग गया है तो उसको थोड़ा बड़ा होने दें। इसके बाद ही इसे मिट्टी सहित खोदकर किसी दूसरी जगह पर लगा देना चाहिए। ऐसा करने से पीपल का वृक्ष भी नष्ट नहीं होगा और दूसरी जगह यह अच्छी तरह से बड़ा भी हो पाएगा।

2. पूजा के बाद कटवाएं: ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, घर में पीपल के पेड़ होना या इसकी छाया पड़ना भी अशुभ माना जाता है। इससे घर के सदस्यों की तरक्की में रुकावट आती है। घर पर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में यदि घर में भी पीपल का पेड़ उग गया है तो रविवार के दिन आप पीपल के पेड़ की पूजा करके उसे कटवा भी सकते हैं।

3. 45 दिन तक करें पूजा: यदि बार-बार एक ही जगह पर पीपल का पेड़ उग रहा है तो आपको 45 दिन तक पीपल के उस पौधे की पूजा करनी चाहिए। पूजा के दौरान उस पर कच्चा दूध चढ़ाते रहें। 45 दिनों के बाद पीपल के पौधे को जड़ सहित उखाड़ कर किसी दूसरे स्थान पर लगा देना चाहिए। इससे पेड़ भी सुरक्षित रहेगा।

4. मंदिर में रखें: अगर आपके घर में पूर्व दिशा की तरफ पीपल का पेड़ लगा हो तो ऐसा होने से घर में निर्धनता आती है। इसके लिए आपको पीपल के पेड़ की विधि विधान से पूजा कर उसे कटवा देना चाहिए। अगर पीपल का पौधा छोटा ही है तो आप उसे एक गमले में लगाकर किसी मंदिर में रख सकते हैं या कहीं लगा सकते हैं।

मानसिक तनाव को कम करने के साथ आत्म विश्वास बढ़ाता है ये रत्न

आज के समय में भागदौड़ भरी जिंदगी, छात्रों को पढ़ाई से लेकर नौकरी पेशा लोगों को काम का प्रेशर का सामना करना पड़ता है। ऐसे में व्यक्ति को शारीरिक से लेकर मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। वहीं, रत्न शास्त्र के अनुसार, अगर किसी जातक की कुंडली में चंद्रमा दूषित हो जाता है, तो आत्म विश्वास कमजोर होने के साथ-साथ मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही दांपत्य जीवन पर भी बुरा असर पड़ता है। कुंडली में चंद्रमा की स्थिति को सही करने के लिए विभिन्न तरह के उपाय करते हैं। लेकिन आप चाहे, तो इस रत्न को धारण कर सकते हैं। इससे आपको अवश्य लाभ मिल सकता है। मून स्टोन नाम का ये रत्न जीवन में कई परिवर्तन ला सकता है। जानिए मून स्टोन रत्न पहनने के लाभ और तरीका।

मून स्टोन पहनने से मिलने वाले लाभ

रत्न शास्त्र के अनुसार, चंद्रकांता नाम का ये रत्न चंद्रमा को मजबूत करने में काफी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इसे मून स्टोन या चंद्रमा का उपरत्न भी कहा जाता है। इस रत्न को धारण करने से व्यक्ति मानसिक तनाव से मुक्ति मिल जाती है।

निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होती है और आत्म विश्वास भी मजबूत होता है।

छिपी क्रिएटिविटी भी बाहर निकलकर आती है।

मून स्टोन रत्न धारण करने से व्यापार के साथ-साथ करियर में भी लाभ मिलता है।

यह स्टोन पहनने से भाग्य का पूरा साथ मिलता है और नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलता है।

अगर किसी व्यक्ति को किसी भी चीज का फोबिया है, तो इस रत्न को धारण कर सकता है। इससे मन और दिमाग दोनों ही संतुलित रहते हैं।

कौन सी राशियां पहन सकती हां मून स्टोन

मून स्टोन का स्वामी चंद्रमा है। इसलिए इसे कर्क राशि के जातक आराम से पहन सकते हैं। इसके अलावा

लेखक,कलाकार,संगीतकार और अन्य क्रिएटिव क्षेत्रों से जुड़े लोग भी इसे धारण कर सकते हैं।

मून स्टोन धारण करने की विधि

मून स्टोन के रत्न को चांदी की अंगूठी में जड़वा लें। सोमवार की शाम को एक कटोरी में गंगाजल में इस अंगूठी को डाल दें। इसके बाद 108 बार ऊँ चंद्राय नमः:मंत्र का जाप करें। इसके बाद गंगाजल से अंगूठी को निकालकर पहन लें।

अनमोल वचन

खेल चाहे कितने ही बदल लो लक्ष्य केवल विजय पर ही होना चाहिए।"

2. जिस व्यक्ति के विचार महान हैं, उससे श्रेष्ठ व्यक्ति कोई हो नहीं सकता।"

3." कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए।"

4. " हालात कितने ही खराब क्यों ना हो, जीत की लालसा मन में होनी चाहिए।"

6. " बदले की भावना में जीने वालों का चरित्र भी बदल जाता है।"

7." जो समय बर्बाद करते हैं, वह स्वयं को बर्बाद करते हैं।"

8." समस्या जिसकी होती है, समाधान भी उसी के पास होता है।"

9. " छोटी असफलता से जो घबरा जाता है, वह जीवन भर मूक दर्शक बना रहता है।"

10." अपने हृदय को पवित्र रखने के लिए, सदैव दूसरों का उपकार करते रहें।"

11." ब्रह्मांड की सभी सार्थक शक्तियां तभी तुम्हारे साथ हो सकती है जब तुम मन, हृदय और वचन से स्वच्छ हो।"

संत कबीर की जयंती कल मनाई जाएगी

हर साल ज्येष्ठ पूर्णिमा पर संत कबीर की जयंती मनाई जाती है। इस साल कबीर जयंती 4 जून को है। कबीरदास से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जिनमें जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र छिपे हैं, अगर इन सूत्रों को जीवन में उतार लिया जाए तो हम सभी समस्याओं से बच सकते हैं। जानिए कबीर दास जी से जुड़ा एक ऐसा किस्सा, जिसमें उन्होंने बताया है कि घमंड करने से कौन-कौन से नुकसान हो सकते हैं...कमाल नाम का कबीर दास जी का बेटा था । एक दिन कबीरदास जी कहीं बाहर गए हुए थे, जब वे लौटकर घर आए तो कमाल ने उन्हें बताया कि जब आप यहां घर पर नहीं थे, तब कुछ लोग आपसे मिलने यहां आए थे। उनके साथ एक लड़का था, जो मर चुका था। मैंने उस मरे हुए लड़के के सामने राम नाम लिया और थोड़ा सा गंगाजल उसके शरीर पर डाल दिया तो वह लड़का जीवित हो गया। ये चमत्कार देखकर सभी लोग जय-जयकार लगाते हुए लौट गए।

कबीरदास जी अपने बेटे की ये बातें ध्यान से सुन रहे थे, पूरी बात सुनने के बाद वे हैरान थे।

उसी समय कमाल फिर बोला कि आप बहुत दिनों से कह रहे हैं कि आपको तीर्थ यात्रा करनी है तो अब आप जा सकते हैं, यहां काम मैं देख लूंगा। आप चिंता न करें। अपने बेटे की बातें सुनक कबीर दास समझ गए कि उसे घमंड हो गया है। इसने जो साधनाएं की हैं, उनका असर देखकर इसका घमंड जाग गया है। कबीर दास जी ने कमाल को एक चिट्ठी दी और इसे खोलना मत। कबीर जी ने कमाल को चिट्ठी के साथ एक संत के पास भेजा। कमाल अपने पिता के बताए हुए संत के पहुंच गया। संत ने कमाल से ली और उसे खोला। चिट्ठी में लिखा था कि कमाल भयो कपूत, कबीर को कुल गयो डूब। कमाल ने देखा कि उस संत के यहां बीमार लोगों की लाइन लगी हुई है। संत ने गंगाजल लिया और कई लोगों पर एक साथ डाल दिया, सभी लोगों की बीमारियां ठीक हो गईं। ये देखकर कमाल ने सोचा कि ये तो मुझसे भी बड़े चमत्कारी हैं। दरअसल, वे संत थे सूरदास जी। सूरदास जी ने कमाल से बातचीत की और फिर कहा कि जाओ पीछे नदी में एक युवक डूब रहा है, उसे बचो लो।

कमाल तुरंत नदी की ओर गया तो देखा कि वहां एक लड़का डूब रहा है, कमाल तुरंत नदी में उतरा और उसे बचा लिया। लड़के को बचाकर कमाल सूरदास जी के पास लौट आया। उसने देखा कि सूरदास जी तो देख ही नहीं सकते, मेरे पिता का पत्र भी नहीं पढ़ सकते, मैंने इन्हें जो बताया वह ठीक है, लेकिन मेरे बारे में ये सबकुछ कैसे जान गए।

जब कमाल ने अपने पिता का लिखा हुआ पत्र पढ़ा तो वह समझ गया कि मेरे पिता ने मेरा अहंकार दूर करने के लिए मुझे यहां भेजा है। सिद्धि, साधनाएं, योग्यता अनेक लोगों के पास हैं, लेकिन अपनी विद्याओं का गलत उपयोग नहीं करते हैं।

कबीर दास जी की सीख

इस किस्से का संदेश ये है कि हमें अपनी योग्यता का घमंड नहीं करना चाहिए। सभी लोगों की योग्यताएं अलग-अलग हैं। जब हम अपनी योग्यता का गलत उपयोग करते हैं, घमंड करते हैं तो योग्यता, विद्या का असर खत्म हो जाता है। योग्यता का सही उपयोग करेंगे तो जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

शाकुंतलम ने प्रशंसित न्यूयॉर्क अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में पुरस्कार जीता

सामंथा रुथ प्रभु टॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा और शक्तिशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं. उन्हें पिछले साल 'यशोदा' के साथ एक्शन में देखा गया था और इस साल उन्होंने 'शाकुंतलम' में एक कोमल हृदय वाली लड़की के रूप में अपनी यात्रा शुरू की. इस तरह से हम उन्हें एक वर्सेटाइल एक्ट्रेस कह सकते हैं. 'शाकुंतलम' से उन्हें काफी उम्मीदें थी और इसके रिलीज से पहले वे महंगे बजट को लेकर टेंशन में भी थीं. बाद में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप गई और अपना एवरेज बजट भी नहीं निकाल सकी. हालांकि, अब वे अपनी एक बड़ी उपलब्धि से बेहद खुश भी हैं जो उन्हें कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 में मिली है.

दरअसल, सामंथा की इस साल की सुपर फ्लॉप फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल 2023 में 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्म' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. इस खुशखबरी को खुद सामंथा ने अपने सोशल पेज पर फैंस के साथ शेयर किया है. अभिनेत्री ने विनम्रतापूर्वक कान्स से पोस्ट किया और आभार व्यक्त करते हुए एक हाथ जोड़ने वाला प्रे इमोटिकॉन डाला.

इस फिल्म ने न्यूयॉर्क इंटरनेशनल अवाड्र्स में अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले सिनेमाई अनुभव के लिए वाहवाही बटोरी, जिसने फिल्म को वैश्विक पहचान दिलाई. कान की प्रतिभाशाली अभिनेत्री ने जूरी का आभार व्यक्त किया और अपने सोशल मीडिया पर लिखा, '#शाकुंतलम ने प्रशंसित न्यूयॉर्क अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में पुरस्कार जीता, जूरी को धन्यवाद!'

आपको बता दें कि सामंथा की 'शाकुंतलम' ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत खराब प्रदर्शन किया जहां फिल्म दिल राजू के निर्माता को भारी नुकसान उठाना पड़ा. हालांकि, फिल्म बुरी तरह से डिजास्टर होने के बावजूद भी कान में बेस्ट इंडियन फिल्म से नवाजी गई.

'शाकुंतलम' 14 अप्रैल 2023 को 800 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन व लेखन गुनशेखर ने किया था. फिल्म कालिदास की लोककथा 'अभिज्ञान शाकुंतलम' पर आधारित एक पौराणिक नाटक है और इसे पांच भाषाओं यानी तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज़ किया गया था, फिल्म में देव मोहन लीड रोल में है जो राजा दुष्यंत के किरदार में है. फिल्म को 60 करोड़ के बजट से बनाया गया लेकिन इसने सिर्फ 11 करोड़ रुपए कमाए और इस तरह से प्रोड्यूसर को इससे करोड़ों का लॉस हुआ है.

इससे पहले मार्च में सामंथा रुथ प्रभु ने खुलासा किया कि उन्होंने शुरू में फिल्म को ठुकरा दिया था, लेकिन बाद में अपने डर का सामना करने के लिए इसे स्वीकार कर लिया, जो पिछले तीन वर्षों से उन्हें परेशान कर रहा था. एक रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, 'यह ऑफर मेरे पास उस समय आया जब मैंने द फैमिली मैन 2 की शूटिंग पूरी ही की थी. मैंने तब राजी का किरदार निभाया था, जो शकुंतला से कई मायनों में अलग है.'

शकुंतला पवित्रता, मासूमियत, अनुग्रह और गरिमा का प्रतीक है जबकि दूसरी ओर, राजी एक क्रूर महिला है जो कि आतंकवाद गतिविधियों से जुड़ी होती है. मुझे यकीन नहीं था कि मैं शकुंतला में बदल पाऊंगी या नहीं. सामंथा ने यह भी कहा, 'पिछले 3 सालों में, मैं बहुत डर में जीती हूं. शकुंतला ने बहुत मुश्किलों का सामना किया लेकिन उन्होंने इन सभी का सामना गरिमा और शिष्टता के साथ किया. जब मुझे इसके बारे में पता चला, तो मैंने अपने डर का सामने करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया. पिछले तीन वर्षों में मैंने अपने डर का सामना कैसे किया, यह एक अभिनेता के रूप में मेरे विकास का वर्णन करता है.' अभिनेत्री अगली शिव निर्वाण की 'कुशी' में विजय देवरकोंडा के साथ दिखाई देंगी और ये सितंबर 2023 में रिलीज होगी. उनके पास वरुण धवन के साथ राज और डीके का 'सिटाडेल' भी है, जो प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेंस स्टारर सीरीज का हिंदी रूपांतरण है.

मिडिल क्लास कपल बनकर सारा-विक्की ने फिल्म में लगाए चार-चांद, एक्टिंग और म्यूजिक दमदार

जरा हटके जरा बचके मूवी रिव्यू:

विक्की कौशल और सारा अली खान स्टारर फिल्म जरा हटके जरा बचके आज रिलीज हो चुकी है। ये एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, जिसे लक्ष्मण उतेकर ने निर्देशित किया है। ये पहली बार है जब विक्की- सारा बड़े पर्दे पर साथ दिखे हैं।

फिल्म रिव्यू

कैसी है फिल्म की कहानी?

फिल्म की कहानी छोटे शहर की आम कहानी है। इंदौर में कपिल दुबे यानी कि विक्की कौशल एक जिम इंस्ट्रक्टर है और सौम्या चावला एक कोचिंग इंस्टीट्यूट की टीचर। दोनों कॉलेज के समय से एक दूर को प्यार करते हैं और दोनों की शादी हो जाती है। जॉइंट फैमिली की दिक्कतों को झेलते हुए दोनों को प्राइवेसी नहीं मिल पाती। शुरुआत में यह सब सही लगता है लेकिन धीरे-धीरे यह बन जाती है एक बड़ी प्रॉब्लम। हर मिडिल क्लास बीवी की तरह सौम्या अपना खुद का घर चाहती है जिसे वह खुद सजा पाए। दोनों मिलकर घर लेने की कोशिश तो करते है लेकिन हजार कोशिशों के बाद घर नहीं ले पाते। ऐसे में सरकार की एक स्कीम सामने आती है, जिसमे गरीब लोगों को घर दिया जा रहा होता है। दोनों ये स्कीम हासिल करने में लग जाते हैं।

उनका ब्रोकर उन्हें सलाह देता है कि अगर कपिल का परिवार उसे अपनी जायदाद से बेदखल कर दे तो वह गरीब हो जाएगा और उसके पास अपना घर नहीं रहेगा। ऐसे में यह नया घर उसको मिल जाएगा। लेकिन कपिल यह बात नहीं मानता क्योंकि उसे अपने परिवार को इन सबसे दूर रखना होता है। फिर वह ब्रोकर उन्हें कहता है अगर दोनों का तलाक हो जाएगा तो सौम्या गरीब हो जाएगी, ऐसे में सौम्या को घर मिल जाएगा। दोनों घर पाने की आड़ में अपना नकली तलाक करवाते है लेकिन उसके बाद ऐसे हालात पैदा होते है कि दोनों की असल में तलाक लेने की नौबत आ जाती है। अब कपिल और सौम्या की कहानी में आगे क्या होता है? कैसे दोनों सभी मुश्किलों के बावजूद अपने प्यार को जीतने देते है, इस हलके-फुल्के हंसी मजाक के साथ कहानी पूरी होती है जो की फिल्म को पूरी तरह से एंटरटेनिंग बनाती है।

कैसा है फिल्म का निर्देशन?

लक्ष्मण अपने डायरेक्शन से ऑडियंस को एक छोटे शहर के परिवार के साथ इमोशनली कनेक्ट करने में कामयाब हुए है। लक्ष्मण उतेकर ने एक डायरेक्टर के रूप में हमें 'लुका छुपी' , 'मिमी' जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। उनकी फिल्मों की सादगी और उनके किरदारों से ऑडियंस हमेशा कनेक्ट हुई है और यही बात उनकी नई फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में भी देखने को मिली है।विक्की कौशल और सारा अली खान को बड़े परदे पर ऑडियंस एक साथ देखने के लिए काफी उत्सुक थी और फाइनली आज वह इंतजार खत्म हो गया है।

कैसा है फिल्म का म्यूजिक और लेखन?

फिल्म का लेखन काफी अच्छा है। आप फिल्म से बहुत आसानी से कनेक्ट हो जाएंगे। फिल्म के किरदार आपको अपनी खुद की जिन्दगी से रूबरू करवाते हुए नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक भी काफी अच्छा है। फिल्म के प्रोडूसर दिनेश विजन और ज्योति देशपांडे को एक एंटरटेनिंग फिल्म देने के लिए फुल मार्क्स।

फाइनल वर्डिक्टः फिल्म देखें या नहीं?

फिल्म की कहानी में इमोशंस है, कॉमेडी है , ड्रामा है यानी की एक हिट फिल्म बनाने का पूरा फार्मूला और विक्की-सारा की केमिस्ट्री ने इसको सुपरहिट बना दिया है। जी हां, दोनों की केमिस्ट्री को तो ट्रेलर से ही ऑडियंस ने पूरे नंबर दे दिए थे। दोनों ने ही पूरी ईमानदारी के साथ अपना अपना किरदार निभाया है।फिल्म के सह कलाकार राकेश बेदी, शारिब हाशमी , सुष्मिता मुखर्जी ने अपनी अपनी अदाकारी से फिल्म में जान डाली है। फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' आपको अपने से कनेक्ट करेगी। परिवार के साथ फिल्म देखकर अपने वीकेंड को यादगार जरूर बनाएं।

मलाइका की प्रेग्नेंसी की खबरों पर भड़के अर्जुन कपूर

बोलें- हम भी इंसान हैं, कुछ भी लिखने से पहले एक बार कंफर्म तो करें

एक्टर अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा सालों से रिलेशनशिप में हैं। दोनों के बीच उम्र में अंतर होने के कारण अक्सर कपल को ट्रोल किया जाता है। सोशल मीडिया पर कई बार लोग मलाइका के प्रेग्नेंट होने की खबरों को भी हवा देते हैं, पिछले साल नवंबर में भी कुछ ऐसी ही खबरें सामने आईं थीं। जिसपर अर्जुन कपूर ने नाराजगी जाहिर करते हुए मीडिया पर गुस्सा निकाला था। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अर्जुन ने फिर इस मुद्दे पर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि ऐसी अफवाहों का असर उन पर कितना खराब पड़ता है।

अर्जुन बोले- हम भी इंसान हैं, हमारी भी पर्सनल लाइफ है

एक इंटरव्यू में अर्जुन ने कहा- 'निगेटिविटी फैलाना बहुत आसान है। कई बार एक जैसी बातें सामने आती हैं , तो लोग उस पर यकीन भी करने लगते हैं। देखिए हम लोग भी इंसान हैं और हमारी पर्सनल लाइफ है, जो काफी हद तक प्राइवेट नहीं रह पाती है। हमें पता है कि जिस प्रोफेशन में हम हैं ,वहां ऐसी अफवाहों का फैलना आम बात है।'

खुद की मर्जी से खबर नहीं लिख देनी चाहिए

अर्जुन ने आगे कहा- 'हम काफी हद तक मीडिया पर डिपेंड रहते हैं कि हमारी बातें किस तरह आम लोगों तक पहुंच रही है।

हम यह चाहते हैं कि आप लोग तभी यह समझें कि हम भी इंसान हैं। इसलिए कुछ भी लिखने से पहले एक बार हमसे कंफर्म जरूर कर लिया करें। आपको कम से कम इतना जरूर करना चाहिए और मैंने भी उस समय कुछ ऐसा ही रिएक्ट किया था। उस खबर को एक बार चेक करना बहुत जरूरी था। खुद की मर्जी से खबर नहीं लिख देनी चाहिए।'

जब बातें सच नहीं होती तो मुझे उन्हें गलत ठहराना पड़ता है

हालिया पोस्ट के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने आगे कहा, मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मैं आप सभी (पत्रकारों) पर भरोसा करता हूं। मैंने कभी कुछ छुपाया नहीं है, मैं कभी पीछे नहीं हटा। जब ऐसी बातें सच नहीं होती हैं तो मुझे खुद को सही ठहराना पड़ता है। किसी भी पत्रकार की जानकारी को कंफर्म किया जाना चाहिए। ऐसी खबरों को लापरवाही से नहीं रखा जाना चाहिए थे। खासकर जब यह आपकी पर्सनल लाइफ से जुड़ी हो। हम सब यहां अपना काम करने के लिए आए हैं, इसे दूसरे लोगों की लाइफ से जोड़कर मौज-मस्ती करने का जरिया न बनाएं।

पिछले साल मलाइका की प्रेग्नेंसी पर भड़के थे अर्जुन

2022 में एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए अर्जुन ने उसे जमकर खरी खोटी सुनाई थी। पिंकविला ने अपने सूत्रों के मुताबिक लिखा था कि मलाइका और अर्जुन कपूर जब अक्टूबर में लंदन वेकेशन में गए थे, तब उन्होंने अपने करीबी दोस्तों के सामने प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज दी थी। इस खबर के आने के कुछ देर बाद अर्जुन ने भड़कते हुए इस पर रिएक्ट किया था।

बेकार खबरों को लिखना बहुत इंसेंसिटिव-अनएथिकल है

अर्जुन ने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस बात का खंडन करते हुए लिखा था- 'ये अब तक की सबसे गिरी हुई चीज है और आपने इसे बहुत कैजुअली किया है। इस तरह की बेकार खबरों को लिखना बहुत इंसेंसिटिव और पूरी तरह से अनएथिकल है। इस तरह की खबरें लगातार लिखी जा रही हैं।

हम इन खबरों को कई बार इग्नोर कर देते हैं, लेकिन फिर ये मीडिया में फैल जाती हैं और सच बन जाती हैं। ये सही नहीं है। हमारी पर्सनल लाइफ से खेलने की हिम्मत मत करना।'

आयुष बोले- पैसों और फेम के लिए शादी नहीं की

एक्टर बनने के लिए नहीं जोड़ा सलमान की बहन से रिश्ता

एक्टर आयुष शर्मा का कहना है उन्होंने सलमान खान की बहन अर्पिता से पैसों और फेम के लिए शादी नहीं की। आयुष ने कहा कि वे अर्पिता से प्यार करते थे, इसी वजह से उनसे शादी की। आयुष का कहना है कि उन्हें इस बात का दुख होता है जब लोग कहते हैं कि उन्होंने एक्टर बनने के लिए सलमान खान से रिश्ता जोड़ा है। एक्टर का कहना है कि सच्चाई क्या है, वो अर्पिता और उनकी फैमिली को पता है। इसलिए ऐसी ट्रोलिंग का कोई मतलब नहीं है।

आयुष ने बॉम्बे टाइम्स के साथ बात करते हुए कहा, 'जब भी मैं हॉलिडे पर जाता हूं तो लोग मुझे ट्रोल करने लगते हैं। ट्रोलर्स कहते हैं कि मैं सलमान खान के पैसे उड़ा रहा हूं। यहां तक कि ऐसी भी कहानियां हैं कि सलमान खान ने हमें शादी पर रोल्स रॉयस कार गिफ्ट की है। मैं अभी भी सोचता हूं कि वो रोल्स रॉयस कहां है।' आयुष ने उन सभी अफवाहों को खारिज किया, जिसमें हमेशा से कहा जाता है कि उन्हें शादी के बाद सलमान की तरफ से उन्हें महंगे-महंगे गिफ्ट्स मिले थे।

'अर्पिता से प्यार करता था, इसलिए शादी की'

आयुष ने अपनी वाइफ अर्पिता के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'अर्पिता एक हिम्मती और साहसी महिला है। उसे एक पार्टनर के रूप में पाना मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है। उसे ये स्वीकार करने में दिक्कत नहीं है कि वो कौन है। वो ट्रोलिंग से बहुत ज्यादा परेशान नहीं होती क्योंकि वो फिल्मी बैकग्राउंड से आती है और उसने ये सब देखा हुआ है। मैं उससे प्यार करता था, इसलिए उससे शादी की। अर्पिता और आयुष की शादी हैदराबाद के होटल फलकनुमा में 18 नवंबर 2014 में हुई थी। इस शादी की बागडोर खुद सलमान ने संभाली थी। शादी के बाद मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी भी रखी गई थी। अर्पिता सलीम खान की गोद ली हुई बेटी हैं। वह खान परिवार में तब आई, जब सलीम खान ने हेलन के साथ दूसरी शादी की थी। हेलन और सलीम खान की कोई संतान नहीं हुई, इसलिए उन्होंने अर्पिता को बचपन में गोद ले लिया था। तब से वे खान परिवार की सदस्य हैं। खान परिवार के सभी लोग उन्हें काफी प्यार करते हैं। खास तौर पर सलमान उन्हें बेहद प्यार करते हैं। सलमान का मशहूर पनवेल फॉर्म हाउस भी उन्होंने अर्पिता के नाम पर रखा है। सलमान की सगी बहन अलवीरा भी अर्पिता से काफी ज्यादा प्यार करती हैं।

पॉलिटिकल बैकग्राउंड से आते हैं आयुष

आयुष शर्मा का परिवार हिमाचल प्रदेश के मंडी शहर का रहने वाला है। उनके पिता अनिल शर्मा राजनीति से ताल्लुक रखते हैं और वो हिमाचल प्रदेश में मंत्री रहे हैं। इतना ही नहीं आयुष के दादा सुखराम शर्मा राजनीति हिमाचल प्रदेश की राजनीति में बहुत बड़ा नाम थे। सुखराम पांच बार विधायक और तीन बार सांसद रहे थे।

डॉन 3 में दिखेंगे रणवीर सिंह

सिंघम अगेन में भी देखने को मिलेगा रणवीर का इंपॉर्टेंट रोल

जल्द ही रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 में नजर आ सकते हैं। शाहरुख खान के डॉन फ्रैंचाइजी से पीछे हटने के बाद प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म के लिए रणवीर सिंह को फाइनल कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रणवीर फिल्म का प्रोमो भी शूट कर चुके हैं। फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ ही प्रोमो रिलीज किया जाएगा।

फिल्म बैजू बावरा में दिखेंगे रणवीर सिंह

डॉन 3 के अलावा रणवीर सिंह के पास पाइपलाइन में कई बिग बजट फिल्में भी हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक रणवीर संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा में नजर आ सकते हैं। ये फिल्म 2024 की शुरुआत में देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म के फाइनेंस को लेकर फिल्म वजह से लंबे समय से ठंडे बस्ते में थी। लेकिन, रणवीर ने फाइनेंस की बजाय फिल्म की कहानी और डायरेक्शन को ज्यादा अहमियत दी और डील साइन कर दी है।

रणवीर के साथ आलिया को कास्ट कर सकते हैं भंसाली

रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म के स्टूडियो पार्टनर के लिए संजय लीली भंसाली अलग-अलग स्टूडियो से रेगुलर कांटेक्ट कर रहे हैं। हीरा मंडी की शूटिंग खत्म हो जाने की बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। इस फिल्म में रणवीर के साथ लीड एक्ट्रेस पर आलिया भट्ट भी नजर आ सकती हैं। आलिया के अलावा भंसाली ने फिल्म में डकैत क्वीन रूपमती के कैरेक्टर के लिए दो और लोगों से भी कांटेक्ट किया है।

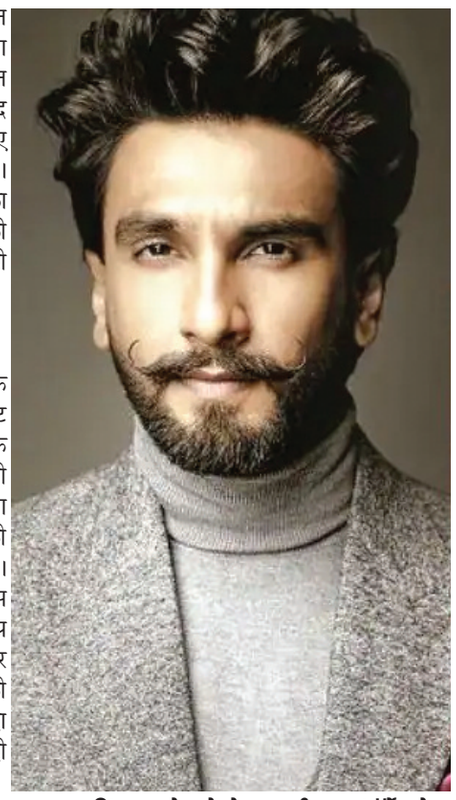

सिंघम अगेन में होगा रणवीर का इंपॉर्टेंट रोल

बैजु बावरा के बाद रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन रिबूट में भी दिखेंगे। वहीं, रोहित शेट्टी अजय देवगन के साथ सिंघम अगेन में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सिंघम अगेन के लिए रणवीर करीब 30-35 दिनों तक शूटिंग करने वाले हैं। फिल्म में उनका रोल कैमियो से बढ़कर होने वाला है और फिल्म के लिए काफी इम्पोर्टेन्ट भी है। रणवीर और आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

आईपीएल खत्म, अब इंटरनेशनल क्रिकेट की भरमार

डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद वेस्टइंडीज का दौरा, फिर एशिया कप और वर्ल्ड कप भी

इंडियन प्रीमियर लीग के खत्म होते ही भारतीय क्रिकेट फैंस का फोकस इंटरनेशनल क्रिकेट पर लौटने वाला है। 7 जून से इंग्लैंड के ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाना है। इसमें भारत के सामने ऑस्ट्रेलिया की टीम होगी। इसके बाद भी लगातार भारतीय टीम एक्शन में दिखने वाली है। इस स्टोरी में हम जानेंगे कि अभी से लेकर अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पहले तक भारतीय टीम कौन सी सीरीज और टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली है।

भारत का वेस्टइंडीज में प्रदर्शन

	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	नो रिजल्ट
टेस्ट	51	9	16	26	0
वनडे	42	19	20	0	3
टी-20	7	4	3	0	0

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद वेस्टइंडीज जाएगी टीम इंडिया

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने के बाद भारतीय टीम ब्रेक लेगी और इसके बाद जुलाई में वेस्टइंडीज के लिए रवाना होगी। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी-20 मुकाबले खेलेगी। यह टूर 12 जुलाई से 13 अगस्त यानी 1 महीना चलेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की नई साइकिल फिर शुरू हो जाएगी। भारत के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट जीतना अहम होगा, क्योंकि इसके पॉइंट्स अगली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में जुड़ेंगे। वनडे और टी-20 सीरीज से भारत वेस्टइंडीज के नए स्क्वॉड को समझ पाएगा। साथ ही वर्ल्ड कप के लिए अपनी स्ट्रैटजी को फाइन-ट्यून करने का मौका भी मिलेगा।

अगस्त में आयरलैंड में होंगे 3 टी-20 मुकाबले

वेस्टइंडीज टूर के तुरंत बाद टीम इंडिया आयरलैंड 3 टी-20 मुकाबले खेलने जाएगी। इस दौरान चांस है कि भारत के यंग टैलेंट को मौका मिले। आईपीएल में अपना नाम बनाने वाले खिलाड़ियों को इस टूर के दौरान भारतीय जर्सी में देखा जा सकता है। तीनों टी-20 मुकाबले आयरलैंड में ही खेले जाएंगे।

अगस्त में आयरलैंड में होंगे 3 टी-20 मुकाबले

सितंबर में होगा एशिया कप

इस साल सितंबर में वनडे एशिया कप खेला जाएगा। इसे मिनी वर्ल्ड कप भी माना जा सकता है। टूर्नामेंट में भारत समेत 6 टीमें हिस्सा लेंगी और इनमें 2 ग्रुप होंगे। भारत के ग्रुप में पाकिस्तान और नेपाल हैं। दूसरे ग्रुप में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं। दोनों ग्रुप से दो-दो टीमें सुपर 4 में पहुंचेंगी, जहां सभी टीमें आपस में 1-1 मैच खेलेंगी। सुपर-4 में टॉप-2 पर रहने वाली दो टीमों के बीच फाइनल खेला जाएगा।

भारत के लिए वर्ल्ड कप के नजरिए से एशिया कप बहुत महत्वपूर्ण होगा। टूर्नामेंट में खेलने से भारत को मल्टी टीम इवेंट खेलने का अनुभव होगा और मैनेजमेंट को टीम की मजबूती और कमजोरियां समझने में आसानी होगी।

एशिया कप का शेड्यूल अभी तक फाइनल नहीं हुआ है।

वर्ल्ड कप से पहले भारत आएगा ऑस्ट्रेलिया

वर्ल्ड कप से ठीक पहले सितंबर में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत आएगी। ऑस्ट्रेलिया भारत में 3 वनडे मुकाबले खेलेगी। वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे खेलना भारत के लिए फायदेमंद होगा। ऑस्ट्रेलिया दुनिया की टॉप टीमों में से एक है ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत से भारत को मेंटली बूस्ट मिलेगा।

टीम इंडिया का वर्ल्ड कप 2023 से पहले शेड्यूल

सीरीज	डेट	मैच	वेन्यू
वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल	7-11 जून	1 टेस्ट	इंग्लैंड
इंडिया टूर ऑफ वेस्टइंडीज	12 जुलाई-13 अगस्त	2 टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी-20	वेस्टइंडीज
इंडिया टूर ऑफ आयरलैंड	18-23 अगस्त	3 टी-20	आयरलैंड
वनडे एशिया कप	सितंबर	डिसाइड नहीं	डिसाइड नहीं
ऑस्ट्रेलिया टूर ऑफ इंडिया 2023	अक्टूबर	3 वनडे	भारत

महावीर फोगाट बोले- बेटियों की हालत देखी नहीं जा रही

सब कुछ दांव पर लगा इन्हें मेडल के लायक बनाया; बेटियां छोड़ देंगी पहलवानी

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग लेकर पहलवान और खाप पंचायतें लगातार आवाज उठा रहे हैं। मामले में पक्ष-विपक्ष दोनों आमने-सामने हैं। देशभर में जगह-जगह खिलाड़ियों के समर्थन में पंचायतें, मीटिंग, फैसले हो रहे हैं। इसी बीच गुरुवार को पहलवान विनेश फोगाट और संगीता फोगाट के गांव बलाली में पंचायत हुई।

जिसमें द्रोणाचार्य अवॉर्डी महावीर सिंह फोगाट ने कहा- अब उनसे बेटियों की ये हालत देखी नहीं जा रही है। ग्रामीणों ने पंचायत कर बेटियों को न्याय दिलाने का फैसला किया। महावीर फोगाट ने आगे कहा, 'मैंने अपना सब कुछ दांव पर लगाकर बेटियों को मेडल के लायक बनाया। आज बेटियों की हालत

देखी नहीं जा रही है।

पूरा देश एकजुट होकर करेगा आंदोलन, सरकार को झुकना पड़ेगा

पंचायत के दौरान महावीर फोगाट ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि देश की जनता अब मजबूर होकर सरकार को अंग्रेजों की तरह भगाएगी। पूरा देश एकजुट होकर निर्णायक आंदोलन करेगा। गांव की पंचायत से लेकर खापों, सामाजिक और किसान संगठनों के अलावा देशभर की जनता इस आंदोलन की गवाह बनेगी।

खिलाड़ियों को दुखी होकर मेडल गंगा में प्रवाहित करने जैसा फैसला लेना पड़ रहा है। किसान नेताओं ने बेटियों की भावनाओं को समझा है और अब पूरा देश एकजुट होकर ऐसा आंदोलन करेगा कि सरकार को झुकना पड़ेगा।

अंग्रेजों की तरह भागेगी सरकार

उन्होंने कहा कि अगर इस मामले में सरकार की ओर से पहल नहीं की गई तो अंग्रेजों की ही तरह जनता इस सरकार को भी भगाएगी। महावीर ने कहा कि आज जो महिला पहलवानों के साथ हुआ है, ऐसे तो बेटियां पहलवानी करना ही छोड़ देंगी। महिला रेसलर्स के मामले से जूनियर खिलाड़ियों पर भी तलवार लटक गई है। अब तो ऐसा आंदोलन शुरू होगा कि सरकार को झुकना पड़ेगा और बृजभूषण को जेल जरूर होगी।

एक बेटी कर रही प्रदर्शन, दूसरी जांच समिति में

बता दें कि महावीर सिंह फोगाट भी देश के मशहूर पहलवान रहे हैं। उनके जीवन पर बॉलीवुड स्टार आमिर खान ने दंगल मूवी बनाई थी। महावीर की चार बेटियां हैं, जिनके नाम गीता, बबीता, संगीता और रितु फोगाट हैं। इनमें संगीता फोगाट पहलवानों के प्रदर्शन में भी शामिल हैं।

जबकि, महावीर की एक बेटी बबीता फोगाट बीजेपी नेता हैं और पहलवानों की शिकायत की जांच के लिए बनाई गई कमेटी का भी हिस्सा हैं। बबीता फोगाट पहलवानों के समर्थन में बयान देती रहती हैं।

लक्ष्य सेन और किरण जॉर्ज जीते; साइना नेहवाल और सात्विक-चिराग की जोड़ी हारी

बैंकॉक में खेले जा रहे थाईलैंड ओपन में मेंस सिंगल्स में भी भारत को कामियाबी मिली। दूसरी और विमेंस सिंगल्स और मेंस डबल्स में भारत के खिलाडियों को निराशा का सामना करना पड़ा। मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन और किरण जॉर्ज क्वार्टर फाइनल्स में प्रवेश कर लिया। वहीं भारत की टॉप शटलर साइना नेहवाल और अश्मिता चालिहा को विमेंस सिंगल्स में हार मिली। दूसरी ओर भारत के टॉप प्लेयर सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी को मेंस डबल्स में हार मिल गई।

लक्ष्य सेन और किरण जॉर्ज लगातार 2 गेम में जीते

लक्ष्य सेन और किरण जॉर्ज ने शानदार प्रदर्शन किया। लक्ष्य सेन का मुकाबला चीन के ली शिफेंग के खिलाफ हुआ। ली शिफेंग के खिलाफ सेन ने लगातार 2 गेम में मैच जीत लिया। पहला मैच 21-17 और सूरा 21-15 से जीता। दूसरी ओर यंग शटलर किरण जॉर्ज ने सरप्राइज किया। नंबर 9 शटलर को हारने के बाद राउंड ऑफ 16 में जॉर्ज ने मलेशिया मास्टर्स के फाइनलिस्ट वेंग होंगयांग को लगातार 2 गेम में 21-11 और 21-19 के स्कोर पर हराया।

बृजभूषण को भाजपा की हिदायत-बयानबाजी से बचें

अयोध्या रैली रद्द, एफआईआर में रेसलर्स का आरोप- सांस चेक करने के बहाने टी-शर्ट उतारी

रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या में होने वाली अपनी महारैली रद्द कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, बृजभूषण ने भाजपा हाईकमान के कहने पर 5 जून से होने वाली रैली को कैंसिल किया है। हाईकमान ने उन्हें बयानबाजी से बचने की भी नसीहत दी है। महिला पहलवानों के आरोप सामने आने के बाद यह फैसला किया गया है। बृजभूषण के खिलाफ दो एफआईआर की गई हैं। पहली एफआईआर बालिग पहलवानों के आरोपों से जुड़ी है और दूसरी नाबालिग रेसलर्स के आरोपों पर आधारित है। बालिग पहलवानों का आरोप है कि बृजभूषण ने कथित रूप से कई बार छेड़छाड़ की। गलत तरीके से उन्हें छुआ। यहां तक कि सांस चेक करने के बहाने उनकी टी-शर्ट उतारी। नाबालिग पहलवान का आरोप है कि बृजभूषण ने उनसे फिजिकल रिलेशन की डिमांड की थी।

नाबालिग रेसलर के पिता ने क्या आरोप लगाए...

नाबालिग पहलवान के पिता ने कहा, बेटी ने एशियन चैंपियनशिप में 62KG फ्री स्टाइल में गोल्ड मेडल जीता। फिर 16 साल की उम्र में झारखंड के रांची में नेशनल गेम्स में जूनियर रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। यहीं पर उनकी बेटी के साथ फोटो लेने के लिए बृजभूषण ने जबरन उसे अपने पास खींचा। उसे बाहों में इतना कसकर जकड़ लिया कि वह खुद को छुड़ाने के लिए हिल तक नहीं पाई।

फोटो लेने के बहाने बृजभूषण ने उसे जकड़ा और हाथ कंधे से नीचे ले गया। बृजभूषण ने नाबालिग पहलवान को कहा कि तुम मुझे सपोर्ट करो और मैं तुम्हें सपोर्ट करूंगा। पहलवान बोली कि मैं अपने बलबूते यहां तक आई हूं और मेहनत करके आगे तक जाऊंगी।

बृजभूषण ने कहा कि एशियन चैंपियनशिप के ट्रायल जल्द होने वाले हैं। कोऑपरेट नहीं किया तो खामियाजा ट्रायल्स में भुगतना पड़ेगा। बृजभूषण ने नाबालिग पहलवान को कमरे में बुलाया। नाबालिग पहलवान प्रेशर में थी कि उसका करियर बृजभूषण बर्बाद न कर दे इसलिए वह मिलने चली गई। वहां पहुंचते ही बृजभूषण ने उसे अपनी तरफ खींचा और जबरदस्ती शारीरिक संबध बनाने की कोशिश की।

नाबालिग पहलवान इससे पूरी तरह सहम गई। उसने किसी तरह खुद को बृजभूषण के चंगुल से छुड़ाया और कमरे से बाहर भाग निकली। 2022 के मई महीने में एशियन चैंपियनशिप के ट्रायल हुए। जहां बृजभूषण ने कहे मुताबिक नाबालिग पहलवान के साथ भेदभाव किया।

इसी ट्रायल में एक और बात हुई। ट्रायल के दौरान एथलीट के स्टेट से ही रेफरी और मैट चेयरमैन, दोनों नहीं हो सकते। नाबालिग पहलवान के ट्रायल के दौरान उसे दिल्ली के पहलवान के साथ लड़ाया गया। जिसमें रेफरी और मैट चेयरमैन दोनों दिल्ली से थे। जो बिल्कुल नियमों का उल्लंघन था।

नाबालिग पहलवान ने वहीं पर इसका विरोध किया। इस पर उसे दो-टूक कहा गया कि उसे खेलना होगा, अन्यथा मुकाबले के दूसरे एथलीट को वॉकओवर यानी विजेता घोषित कर दिया जाएगा। नाबालिग पहलवान के मैच के वक्त रिकॉर्डिंग को स्विच ऑफ और ऑन किया जाता रहा ताकि वीडियो में गड़बड़ी कर सकें।

ये सब बृजभूषण के कहने पर किया गया, क्योंकि मेरी बेटी ने उसकी यौन इच्छा पूरी करने से इनकार कर दिया था। 2022 में जब नाबालिग पहलवान लखनऊ ट्रायल्स में प्रैक्टिस कर रही थी तो बृजभूषण फिर उसके पास आया। बृजभूषण ने उसे पर्सनली मिलने को कहा। नाबालिग पहलवान ने कहा कि बार-बार परेशान न करें।

बालिग पहलवानों ने क्या आरोप लगाए...

इलाज खर्च के बदले सेक्सुअल फेवर मांगा

महिला पहलवान ने कहा, अगस्त 2022 में बुल्गारिया में वर्ल्ड जूनियर रेसलिंग चैंपियनशिप के दौरान पहली बार बृजभूषण ने सेक्सुअली हैरेस किया। ट्रेनिंग पर थी। बृजभूषण ने अकेले बुलाया। मैंने इनकार कर दिया। इसके बाद बृजभूषण ने दोबारा बुलाया। टी-शर्ट ऊपर उठाई फिर सांस चेक करने के बहाने छूने लगे। बृजभूषण होटल में उसी फ्लोर पर कमरा लेते थे, जहां पहलवान ठहरते थे। लुंगी में घूमते थे। एक बार होटल में मुझे अकेले पकड़ लिया। मुझे कुछ खाने का ऑफर दिया। बृजभूषण ने कहा कि इससे परफार्मेंस सुधरेगी। यह आइटम मेरे डायटिशियन या कोच ने अप्रूव नहीं की थी। 2022 में एक कंपीटिशन में मुझे चोट लग गई। जापान से इंडिया लौटने पर मुझे फेडरेशन के ऑफिस बुलाया गया। जहां बृजभूषण ने इलाज के बदले सेक्सुअल फेवर मांगा।

बृजभूषण ने टी-शर्ट ऊपर खींची, भागकर जान बचाई

उसने आरोप लगाया, बिसकेक में चैंपियनशिप के दौरान मैं ग्राउंड के मैट पर स्ट्रेचिंग-वार्मअप कर रही थी। बृजभूषण वहां किनारे खड़े होकर मुझे देखने लगे। जब मैं मैट पर लेटी हुई थी तो अचानक बृजभूषण करीब आ गए। तब वहां मेरा कोच नहीं था। मेरी इजाजत के बगैर उसने मेरी टी-शर्ट ऊपर खींच दी और छाती पर हाथ रख दिया। सांस लेने की जांच करने का बहाना बनाया। बृजभूषण मेरा करियर बर्बाद न कर दें, इस वजह से मैं कुछ नहीं बोल सकी। 2019 में मैं फेडरेशन के ऑफिस दिल्ली गई। वहां नेशनल कैंप की क्वेरी के लिए सेक्रेटरी विनोद तोमर से मिलने गई तो उसने मेरे भाई को बाहर रुकने को कहा। अंदर बैठे आदमी को भी बाहर भेज दिया। इसके बाद दरवाजा बंद कर मेरे साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। मैंने भागकर जान बचाई।

ग्रुप फोटो के दौरान मेरे पीछे हाथ रखा

महिला पहलवान ने पुलिस को बताया, मैंने लखनऊ में चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। वहां ग्रुप फोटो के दौरान बृजभूषण ने मेरे पीछे कमर के नीचे हाथ रख दिया। जब मैंने वहां से जाने की कोशिश की तो बृजभूषण ने जोर से मेरा कंधा पकड़ लिया। किसी तरह में वहां से निकली। 2022 में लखनऊ कैंप में मैंने छुट्टी मांगी। छुट्टी चीफ कोच देते हैं, लेकिन उन्होंने मुझे कहा- तुमको खुद नेताजी से मिलना पड़ेगा और उसके बाद जो भी एक्शन होगा, उसके लिए तुम खुद जिम्मेदार होगे। मुझे कैंप से नाम काटने और ट्रायल में हिस्सा न लेने देने के लिए भी धमकाया गया।

ज्यादा स्मार्ट बन रही हो, कंपीटिशन नहीं खेलने?

पहलवान का आरोप है, कर्नाटक में मेडल सेरेमनी के दौरान बृजभूषण ने मुझे बुलाया। जहां मुझे पर्सनल सवाल पूछे। मेरे साथ फोटो खिंचवाने के लिए कंधे से पकड़कर जबरदस्ती मुझे अपनी तरफ खींचा। मैंने विरोध किया तो बृजभूषण ने कहा- ज्यादा स्मार्ट बन रही हो क्या, आगे कोई कंपीटिशन नहीं खेलने हैं क्या तुम्हें।

बेड पर लेटने को कहा, जबरन गले लगाया

उसने कहा, मैंने एक कंपीटिशन में गोल्ड मेडल जीता। उसके बाद रूम में रेस्ट कर रही थी तो फिजियोथेरेपिस्ट ने आकर कहा कि मुझे बृजभूषण ने बुलाया है। मुझे लगा कि शायद बधाई देनी हो। वहां बृजभूषण ने फोन पर पेरेंट्स से बात कराई। जैसे ही कॉल खत्म हुई तो बृजभूषण ने मुझे अपने बेड की तरफ बुलाया। अचानक बिना परमिशन के मुझे जबरन गले लगा लिया। मुझे इतना सदमा लगा कि मैं रोने लगी तो बृजभूषण कहने लगा- नहीं-नहीं, फादर की तरह। इसके बाद बृजभूषण मुझसे बात करने के लिए मेरी मां को फोन करने लगा। बृजभूषण फोन पर पूछता था- मैं कैसा लग रहा था आज?, प्रैक्टिस कैसी चल रही, मुझे बता दिया करो, कुछ चाहिए तो। नवंबर 2022 में बृजभूषण ने सेक्सुअल फेवर के बदले मुझे सप्लीमेंट दिलाने की बात कही।

छाती-पेट पर हाथ रख बोला- तेरा सांस कैसा चल रहा है?

रेसलर ने कहा, मैं 2016 में मंगोलिया गई थी। वहां मैं डिनर के लिए रेस्टोरेंट में गई थी। वहां बृजभूषण ने मुझे अपनी डिनर टेबल पर बुलाया। वहां जाते ही मेरी छाती पर हाथ रख दिया। उसने 3-4 बार ऐसा किया। इस वजह से अगले 3-4 दिनों तक मैं ढंग से सो व खा नहीं सकी। एक बार मैं बृजभूषण से अलग सोफे पर बैठी हुई थी। थोड़ी देर में ही वह मेरे करीब आकर बैठ गया। मेरे हाथ, घुटने, जांघ और कंधे को गलत तरीके से छूने लगा। दिल्ली में मैं मैच हार गई तो बृजभूषण ने कसकर गले लगाया और 15-20 सेकेंड तक नहीं छोड़ा। जकार्ता में मेडल जीतने के बाद बृजभूषण ने 15-20 सेकेंड के लिए गले लगाया और मेरी छाती पर हाथ रख बोला- मैं देखना चाहता हूं कि तुम्हारी सांस कैसी चल रही है? एक बार मेडल न जीत पाने पर बृजभूषण ने इंटरव्यू में मुझे खोटा सिक्का कहा। ऐसे हालात बनाए गए कि मुझे सुसाइड के ख्याल आने लगे।

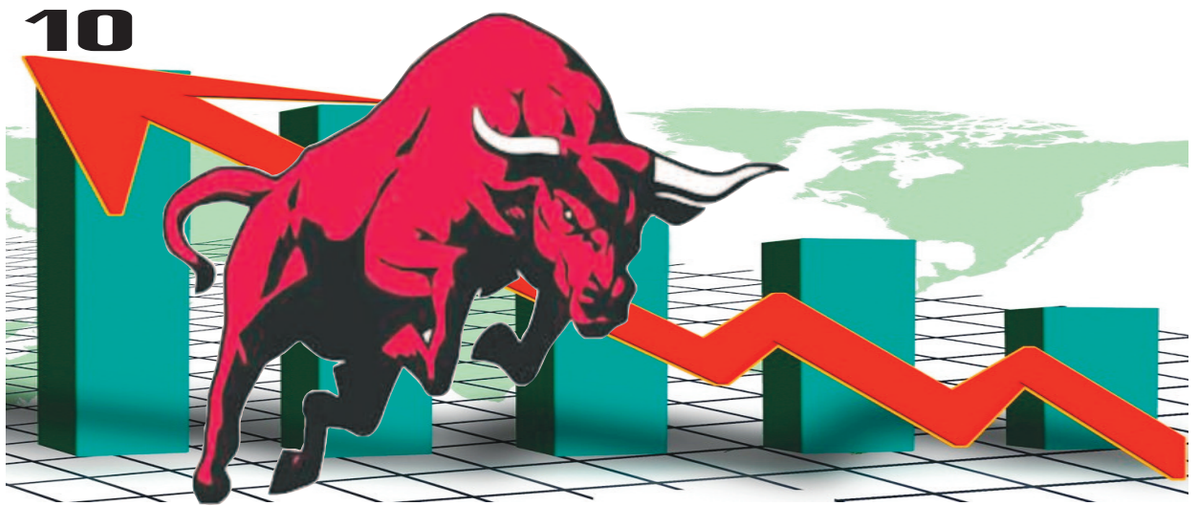

अर्थव्यवस्था में लगातार तेजी

14वें महीने 1.40 लाख करोड़ से ज्यादा जीएसटी संग्रह, यह अब तक का सर्वाधिक स्तर

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बेहतरी जारी है। लगातार 14वें महीने संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये के पार हुआ है। वहीं, साल 2017 से लेकर अब तक पांच बार जीएसटी संग्रह 1.50 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी और चोरी रोकने का असर दिखा है। मई में जीएसटी संग्रह 1.57 लाख करोड़ रहा है। इससे पहले अब तक का रिकॉर्ड संग्रह अप्रैल, 2023 में रहा है जो 1.87 लाख करोड़ रुपये था। आंकड़ों के मुताबिक, मार्च, 2023 में 1.60 लाख करोड़ रुपये, जनवरी में 1.57 लाख करोड़ रुपये, अक्तूबर में 1.51 लाख करोड़ रुपये, अप्रैल में 1.87 लाख करोड़ और अप्रैल, 2022 में 1.67 लाख करोड़ रुपये का संग्रह मिला था। देश के जिन राज्यों में जीएसटी संग्रह मई में सबसे ज्यादा रहा है, उनमें महाराष्ट्र में 23,536 करोड़, कर्नाटक में 10,317 करोड़, गुजरात में 9,800 करोड़ और तमिलनाडु में 8,953 करोड़ रुपये हैं।

एसयूवी और दोपहिया के दम पर वाहनों की बिक्री तेज

मजबूत आर्थिक गतिविधियों के बल पर मई में वाहनों की बिक्री भी तेज रफ्तार में रही। एसयूवी और दोपहिया वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की एसयूवी में 23 फीसदी की तेजी आई है जबकि मारुति की एसयूवी में 65 फीसदी की तेजी आई है। मारुति ने इस दौरान 1.78 लाख वाहन बेचे हैं जो एक साल पहले की तुलना में 10 फीसदी अधिक है। कंपनी ने बताया, घरेलू बाजार में बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 1.51 लाख रही। यात्री वाहनों की बिक्री 15 फीसदी बढ़ी। छोटी कारों की बिक्री हालांकि 30 फीसदी गिर कर 12,236 इकाई रही। कांपैक्ट कारों में 5 फीसदी का इजाफा रहा। कंपनी का निर्यात 3 फीसदी गिरकर 26,477 इकाई रहा। **बजाज ऑटो :** मई में 29 फीसदी बढ़कर 3.55 लाख इकाई रही जो एक साल पहले 2.76 लाख रही थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 3.08 लाख रही जो एक साल पहले 2.50 लाख थी। निर्यात 1.53 लाख से घटकर 1.13 लाख पर रहा। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 80 फीसदी बढ़ी। **टाटा मोटर्स :** बिक्री 2 फीसदी गिरकर 74,973 इकाई रही। यात्री ईवी की बिक्री 3,505 से 66 फीसदी बढ़कर 5,805 रही। वाणिज्यिक बिक्री में 12 फीसदी घटी है।

बिजली खपत बढ़ी

मई में बिजली खपत 1.04 फीसदी बढ़कर 136.56 अरब यूनिट पर पहुंच गई है।

अन्य कंपनियों की भी बिक्री में तेजी

कंपनी	बिक्री
ते जी	
महिंद्रा एंड महिंद्रा	32,886
22	फीसदी
एमजी मोटर	5,006
25	फीसदी
किआ इंडिया	24,770
03	फीसदी
ह्युंडई	59,601
16 फीसदी	

आरबीआई की बैठक से पहले बैंक ऑफ इंडिया आईसीआईसीआई व पीएनबी के कर्ज हुए महंगे

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। इस महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले ही बैंकों ने कर्ज महंगा करना शुरू कर दिया है। आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ इंडिया का एक जून से कर्ज महंगा हो जाएगा। हालांकि, पीएनबी कुछ अवधि के लोन को सस्ता भी कर दिया है। पिछले साल मई से लेकर अब तक आरबीआई ने 2.5 प्रतिशत ब्याज दरें बढ़ाई हैं। आरबीआई की बैठक अगले हफ्ते से होनी है, जिसमें रेपो दर पर फैसला होना है। हालांकि, अप्रैल की बैठक में केंद्रीय बैंक ने इसे जस का तस रखा था।

आईसीआईसीआई बैंक: इसने 6 माह के कर्ज की दर बढ़ाकर 8.75 फीसदी कर दी है, जबकि एक साल वाले कर्ज की दर 8.85 फीसदी होगी। **पीएनबी:** इसने सभी अवधि के कर्ज की दर में 0.10 फीसदी का इजाफा किया है। इसकी एक साल की दर 8.60 फीसदी और तीन साल के कर्ज की दर 8.90 फीसदी होगी। बैंक ऑफ इंडिया: इस बैंक ने सभी अवधि के कर्ज की दर में 0.05 फीसदी का इजाफा किया है। एक साल की दर अब 8.65 फीसदी और 6 महीने की दर 8.45 फीसदी होगी।

सात कारोबारी समूहों की संपत्तियों की होगी नीलामी

निवेशकों की रकम वापस दिलाने के लिए सेबी सात कारोबारी समूहों की संपत्तियों की नीलामी करेगा। 28 जून को होने वाली इस नीलामी का आरक्षित मूल्य 51 करोड़ रुपये रखा गया है। इनमें एमपीएस समूह, प्रयाग समूह, वारिस फाइनेंस, टावर इंफोटेक, विबग्योर और अन्य समूह हैं। सेबी ने कहा कि इन सभी की कुल 17 संपत्तियां नीलामी के लिए हैं। इसमें इमारतें, फ्लैट्स और वाणिज्यिक संपत्तियां भी हैं जो पश्चिम बंगाल में हैं।

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में सुधार के शुरुआती संकेत, आईएमएफ ने कही यह बात

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका की दिवालिया हो चुकी अर्थव्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। आईएमएफ का मानना है कि आर्थिक संकट से जूझ रहे देश की अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है। आईएमएफ के उप प्रबंध निदेशक केंजी ओकामुरा ने बीते दिन यानी देश की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के अंत में यह बात कही। उन्होंने साथ ही श्रीलंका के अधिकारियों और आम लोगों से कहा कि सुधार की इस रफ्तार को बनाए रखने की जरूरत है। महत्वपूर्ण नीतिगत कार्रवाइयों के कारण श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में सुधार के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं, लेकिन आर्थिक सुधार चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अधिकारियों और श्रीलंकाई के लोगों दोनों को मजबूती के साथ सुधार की गति को बरकरार रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऋणदाताओं के साथ लगातार खुला संवाद ऋण स्थिरता को बहाल करने के लिए पुनर्गठन समझौतों तक पहुंचने में मदद करेगा। इससे पहले श्रीलंका में आईएमएफ की शर्तों को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच इस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था ने सफाई दी थी। उसने कहा था कि विशेष परिस्थितियों के कारण आईएमएफ को सख्त शर्तें लगानी पड़ीं। संस्था के एक अधिकारी ने कहा था कि जब देश अपने ऊपर मौजूद कर्ज को चुकाने की स्थिति में नहीं रहा, तब सरकार को आईएमएफ के पास जाना पड़ा और आईएमएफ की शर्तों को स्वीकार करना पड़ा। इससे पहले राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम के बारे में अहम जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि इस साल सितंबर तक ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम पूरा हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स में श्रीलंकाई राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया कि ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम के पूरा हो जाने के बाद देश की दिवालिया अर्थव्यवस्था को स्थिर स्तर पर लाया जाएगा।

सेबी सात फर्मों की 17 संपत्तियों को करेगा नीलाम

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने गुरुवार को एलान किया कि वह सात ग्रुप के 17 प्रॉपर्टीज की नीलामी करेगा. ये सात बिजनेस ग्रुप में एमपीएस ग्रुप, टावर इनफोटेक और ग्रुप जैसे समूह शामिल हैं और इनके संपत्तियों की नीलामी 28 जून को की जाएगी. सेबी का प्लान इन सात समूह से 51 करोड़ रुपये निवेशकों का पैसा वसूल करेगा. सेबी ने इसके अलावा, कुछ संपत्तियों पर रोक लगा दी है. सिक्योरिटी और एक्सचेंज बोर्ड ने नोटिस में जानकादी है कि प्रयाग ग्रुप, मल्टीपरपज बीओस्फिअ इंडिया ग्रुप, वारिस फाइनेंस इंटरनेशनल ग्रुप और पैलान ग्रुप की कंपनियों की संपत्ति को ब्लॉक प्रॉपर्टी में रखा गया है. नीलाम की जा रही 17 संपत्तियों में लैंड पार्सल, कई मंजिला इमारतें, फ्लैट और पश्चिम बंगाल में स्थित एक व्यावसायिक स्थान शामिल हैं. अगर कोई इसमें बोली लगाना चाहता है तो वह ऑनलाइन माध्यम से इसमें भाग ले सकता है. यह नीलामी सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगी. इसमें से कुल 51 करोड़ रुपये के संपत्तियों की नीलामी की जाएगी, जो इन संपत्तियों की कीमत आंकी गई है. इन संपत्तियों की बिक्री में सहायता के लिए सेबी द्वारा क्विकर रियल्टी को लगाया गया है. नीलाम की जाने वाली कुल संपत्तियों में से पांच एमपीएस ग्रुप की, चार विबग्योर की, तीन पेलन ग्रुप ऑफ कंपनीज की, दो टावर इंफोटेक की और एक-एक मल्टीपरपज बीआईओएस इंडिया ग्रुप, प्रयाग ग्रुप और वारिस फाइनेंस की हैं. नियामक ने कहा कि बोली लगाने वालों को अपनी बोली जमा करने से पहले अन्य बातों के साथ कर्जभार, नीलामी में रखी संपत्तियों की हेडलाइन और दावों के बारे में जानकारी लेनी चाहिए.

सोने की चमक बढ़ी, चांदी की कीमत में भी हुआ इजाफा

जानिए अपने शहर के गोल्ड-सिल्वर के ताजा रेट

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सोने-चांदी कीमत में बढ़त दर्ज की जा रही है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी वायदा बाजार में सोना और चांदी शुक्रवार 02 जून 2023 को हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं. सबसे पहले सोने की बात करें तो आज यह 60,275 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला है. इसके बाद सोने की कीमत में और बढ़त दर्ज की गई है और यह सुबह 11.30 बजे तक 370 रुपये यानी 0.62 फीसदी की बढ़त के साथ 60,289 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है. कल सोना 59,919 रुपये पर बंद हुआ था।

चांदी की कीमत में दर्ज की जा रही बढ़त?

सोने के अलावा चांदी के दाम में भी आज बढ़त दर्ज की जा रही है. वायदा बाजार में चांदी आज 72,999 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली है. इसके बाद इसकी कीमत में कुछ नरमी दिखाई दी है और यह 214 रुपये यानी 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ 72,808 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है. कल की बात करें तो शुक्रवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 72,594 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

चार महानगरों में सोने-चांदी के लेटेस्ट दाम-

कोलकाता- 24 कैरेट सोना 61,150 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई- 24 कैरेट सोना 61,505 रुपये, चांदी 78,600 रुपये प्रति किलोग्राम दिल्ली- 24 कैरेट सोना 61,250 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 24 कैरेट सोना 61,100 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम

बड़े शहरों में गोल्ड-सिल्वर के दाम-

पटना- 24 कैरेट सोना 61,150 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम लखनऊ- 24 कैरेट सोना 61,250 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम गुरुग्राम- 24 कैरेट सोना 61,250 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम नोएडा- 24 कैरेट सोना 61,250 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम गाजियाबाद- 24 कैरेट सोना 61,250 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम पुणे- 24 कैरेट सोना 61,100 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्रामजयपुर- 24 कैरेट सोना 61,250 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम कटक- 24 कैरेट सोना 61,100 रुपये, चांदी 78,600 रुपये प्रति किलोग्राम चंडीगढ़- 24 कैरेट सोना 61,250 रुपये, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति

सूर्य-	वृष	में
चंद्र-	वृश्चिक	में
मंगल	कर्क	में
बुध-	मेष	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कर्क	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय

मेष--	02-50 बजे
वृष--	04-34 बजे
मिथुन..	06-34 बजे
कर्क...	08-48 बजे
सिंह...	10-59 बजे
कन्या..	13-05 बजे
तुला...	15-11 बजे
वृश्चिक.	17-21 बजे
धनु.....	19-34 बजे
मकर..	21-40 बजे
कुंभ...	23-31 बजे
मीन ..	01-09 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 05-44 सूर्य अस्त- 18-43
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - **11 -17** तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , शनिवार **June 03**
नक्षत्र - विशाखा - **06- 15** - तक उपरान्त अनुराधा
योग - शिव - **14 - 47** - तक उप - सिद्ध
करण- वणिज - **11 -17** - तक उप- विष्टि
विशेष:- **पूर्णिमा व्रत**
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:58 से 10:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र **Hyd,Sec**

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	05:44 - 07:20 अशुभ	लाभ.	18:43 - 20:08 शुभ
शुभ.	07:20 - 08:58 शुभ	उत्पात	20:08 - 21:30 अशुभ
रोग	08:58 - 10:36 अशुभ	शुभ.	21:30 - 22:52 शुभ
उत्पात	10:36 - 12:14 अशुभ	अमृत	22:52 - 00:14 शुभ
चंचल	12:14 - 13:52 शुभ	चंचल	00:14 - 01:36 शुभ
लाभ	13:52 - 15:30 शुभ	रोग	01:36 - 02:58 अशुभ
अमृत	15:30 - 17:08 शुभ	काल	02:58 - 04:20 अशुभ
काल	17:08 - 18:43 अशुभ	लाभ	04:20 - 05:44 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी ।इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे ।आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे। इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष् ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

आपकी करियर से सम्बंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है । आज आप अपने करियर के बारे में एक दिशा में सोच सकते है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है । आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है , जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है । आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा ।आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चलु पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें ।आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित् करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

वाट्सऐप की मनमानी पड़ी भारी, रूस ने ठोंक डाला भारी-भरकम जुर्माना

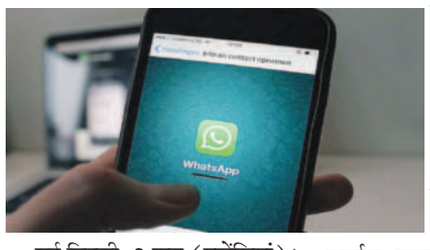

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। मेटा के स्वामित्व वाले इंस्टेंट मैसेजिंग एप वाट्सऐप को मनमानी करना भारी पड़ गया है। दुनिया की इस सबसे बड़ी मैसेजिंग एप पर रूस ने तगड़ा जुर्माना लगा दिया है। रूस ने व्हाट्सएप से एक आपत्तिजनक कंटेंट को हटाने की मांग की थी। लेकिन समय पर व्हाट्सएप द्वारा कार्रवाई न करने के चलते यह जुर्माना लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रूस की एक अदालत ने वाट्सऐप पर 37,080 मिलियन रूबल का जुर्माना लगाया है। भारतीय मुद्रा में इसकी गणना की जाए तो यह लगभग 37703.12 मिलियन रुपये बैठता है। यह पहली बार है जब रूस की ओर से व्हाट्सएप पर यह जुर्माना लगाया गया है। हालांकि भारत में व्हाट्सएप की ताजा रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने 74 लाख अकाउंट को सस्पेंड किया है

क्या है मामला

रूसी मीडिया के अनुसार रूस ने अपने यहां एक चरमपंथी संगठन के अकाउंट के कंटेंट को वाट्सऐप से हटाने की मांग की थी। लेकिन व्हाट्सएप ने रूसी प्रशासन की इस मांग को दरकिनार कर दिया था। इसके बाद रूसी सरकार ने वहां की अदालत में यह मामला दर्ज किया। जिसके बाद रूस की कोर्ट ने वाट्सऐप पर तगड़ा जुर्माना ठोक दिया। इससे पहले भी व्हाट्सएप रूस की गुजारिश को ठुकरा चुका है। लेकिन तब रूस ने मेटा के प्रति नरम रुख अपनाया था।

रूस में वाट्सऐप पर बैन नहीं है, लेकिन मेटा की दो अन्य एप फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रूस ने प्रतिबंधित लगाया हुआ हैं। रूसी सरकार ने ठीक इसी तरीके से ट्विटर और गूगल की कंपनी अल्फाबेट पर भी जुर्माना लगाया था। रूस ने व्हाट्सएप को अपने यहां सर्वर लगाकर अपने नागरिकों का डेटा संग्रहीत करने के लिए कहा था। लेकिन वाट्सऐप ने इस नियम का भी पालन नहीं किया। व्हाट्सएप भले ही रूस की न सुन रहा हो। लेकिन भारत में सरकार की बात व्हाट्सएप सुन रहा है। वाट्सएप ने अप्रैल के महीने में भारत में 74 लाख से अधिक बैड अकाउंट्स को बैन कर दिया है।

ट्विटर की कंटेंट मॉडरेशन-पॉलिसी हेड ने दिया इस्तीफा

मस्क ने ट्विटर खरीदने के बाद एला इरविन को कंपनी में शामिल किया था

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर की कंटेंट मॉडरेशन और पॉलिसी की प्रमुख एला इरविन ने इस्तीफा दे दिया है। रॉयटर्स के मुताबिक, एलन मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद इरविन जून 2022 में ट्विटर से जुड़ी थीं। इसके बाद उन्होंने नवंबर में योएल रोथ के इस्तीफे के बाद ट्रस्ट एंड सेफ्टी के हेड का भी कार्यभाल संभाला था। इरविन ने इस्तीफा क्यों दिया है? इसके बारे में अभी तक ट्विटर या एलन मस्क की ओर से कोई भी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इरविन एलन मस्क की भरोसेमंद सहयोगियों में से एक हैं। इरविन ने ट्विटर में ट्रस्ट एंड सेफ्टी हेड के तौर पर हैरेसमेंट, हेट स्पीच और वायलेंट कंटेंट पर ट्विटर की पॉलिसी को लेकर भी काम किया। इसके साथ ही वह ट्विटर अकाउंट सस्पेंड करने के नियम बनाने में भी शामिल रहीं। वह ट्विटर पर अक्सर अकाउंट सस्पेंड किए गए यूजर्स को जवाब देती थीं।

ट्विटर के रेवेन्यू में 50% की गिरावट

एलन मस्क ने पिछले साल अक्टूबर में जब से ट्विटर खरीदा है तब से ट्विटर पर लगातार एडवरटाइजर्स की संख्या में गिरावट देखने को मिल रही है। इसके कारण अक्टूबर के बाद से ट्विटर के रेवेन्यू में 50% की गिरावट आई है। इरविन ने ऐसे समय में कंपनी से इस्तीफा दिया है, जब ट्विटर एडवरटाइजर्स के लिए संघर्ष कर रहा है।

अप्रैल से बेंगलुरु में 2 करोड़ फोन बनाएगी एपल, ये है प्लान

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली और मुंबई में स्टोर खोलने के बाद दिग्गज टेक कंपनी एपल ने बड़ी घोषणा की है. अब एपल भारत में हर साल 2 करोड़ स्मार्ट फोन का निर्माण करेगी। कंपनी अपने बेंगलुरु यूनिट से अप्रैल से फोन प्रोडक्शन का काम करेगी। इसके लिए कंपनी ने मास्टर प्लान बना लिया है। बता दें, एपल इंक के लिए ताइवानी इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज फॉक्सकॉन कंपनी अगले साल अप्रैल से बेंगलुरु के देवनहल्ली फैसिलिटी में फोन बनाने काम शुरू करेगी. इससे हजारों लोगों को नौकरी का मौका भी मिलेगा।

हरे निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार सेंसेक्स 108 अंक चढ़ा; निफ्टी 18500 के पार

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन यानी शुक्रवार को दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद आखिर में हरे निशान पर बंद हुआ। इस दौरान रियल्टी, ऑटो और मेटल सेक्टर के स्टॉक्स में मजबूती देखी गई। इसके सहारे बीएसई सेंसेक्स 118 अंक चढ़कर 62,547 पर बंद हुआ. इसी तरह निफ्टी भी 46 अंकों की मजबूती के साथ 18,534 पर बंद हुआ।

इजराइल में नए गैस रिजर्व की खोज, चौथा सबसे बड़ा क्षेत्र

तेल अवीव, 2 जून (एजेंसियां)। इजराइल में एक नया प्राकृतिक गैस क्षेत्र खोजा गया है. जिसे कटलान नाम दिया गया है और यह पूरी तरह से इजराइली क्षेत्रीय जल के अंदर है. इजराइल के ऊर्जा मंत्रालय ने इस बात की आधिकारिक पुष्टि की है. मंत्रालय ने कहा गैस रिजर्व के रूप में खोजा गया यह जगह इजराइल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.राष्ट्रीय अवसंरचना, ऊर्जा और जल मंत्री इजराइल काट्ज द्वारा उस क्षेत्र को मान्यता देने का मतलब है कि उस रिजर्व को विकसित करने का काम शुरू किया जा सकता है. यह काम करने का जिम्मा एक ब्रिटिश-ग्रीक ऊर्जा कंपनी एनर्जीन को सौंपा जाएगा. उस नए रिजर्व का नाम कटलान रखा गया है और यह पूरी तरह से इजराइल के अंदर क्षेत्र में आता है।

कर्नाटक में बगावती सुर, क्या कांग्रेस में टूट होगी

जिन्होंने लिंगायतों को जोड़ा, उन्हें मंत्री नहीं बनाया, डैमेज कंट्रोल नहीं किया तो मुश्किल होगी

बेंगलुरु, 2 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के मंत्रिमंडल में उन्हें मिलाकर कुल 34 मंत्री हैं। इस बार कांग्रेस के अनुभवी नेताओं को चुना गया है। हम अभी-अभी पार्टी में आए हैं। राजनीति में धैर्य होना चाहिए। अगर ये दोनों चीजें हैं, तो कोई भी राजनीति कर सकता है। हालांकि मुझे उम्मीद थी। राजनीति में कोई साधु या संन्यासी नहीं होता। हर किसी की इच्छा मंत्री, डिप्टी सीएम या सीएम बनने की होती है।'

ये दर्द कर्नाटक के पूर्व डिप्टी सीएम लक्ष्मण सावदी का है, जो कर्नाटक में मंत्रियों की शपथ के बाद 29 मई को सामने आया। कर्नाटक सरकार में 34 ही मंत्री बनाए जा सकते हैं, यानी सिद्धारमैया की कैबिनेट में नए विधायकों के लिए जगह नहीं है। यही वजह है कि कई नेताओं में गुस्सा है।

लक्ष्मण सावदी लिंगायत कम्युनिटी से आते हैं। वे चुनाव से पहले बीजेपी से कांग्रेस में आए थे। बेलगावी की अथानी सीट से चुनाव लड़ा और 75 हजार वोट से जीते। लक्ष्मण सावदी बीजेपी की सरकार में 20 अगस्त 2019 से 28 जुलाई 2021 तक डिप्टी सीएम रहे हैं। लिंगायत कम्युनिटी में उनकी अच्छी पैठ है। इस बार टिकट कटने के बाद लक्ष्मण सावदी कांग्रेस जॉइन कर रहे थे, तब बीएस येदियुरप्पा समेत बीजेपी के बड़े. नेताओं ने उन्हें रोकने की कोशिश की थी, लेकिन वे नहीं माने। तब बीजेपी ने कहा लक्ष्मण सावदी के पार्टी छोड़ने का कोई असर नहीं होगा, पर नतीजे इस दावे के उलट रहे।

कांग्रेस के एक नेता के मुताबिक, 'सावदी के आने से 30 से 35 सीटों पर असर हुआ। लिंगायतों ने कांग्रेस को वोट दिए। इसी से इतनी बड़ी जीत मिली।' इसके बावजूद उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार को भी मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी गई। वे भी लिंगायत कम्युनिटी से आते हैं। हुबली-धारवाड़ सीट से लगातार 6 बार जीते, पर इस बार हार गए।

ये तो उनकी बात हुई, जिन्हें पद नहीं मिला। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक पुट्टारंगशेट्टी तो डिप्टी स्पीकर बनाए जाने से नाराज हो गए। उन्होंने पार्टी का ऑफर ये कहते हुए ठुकरा दिया कि मेरे समर्थक चाहते थे कि मुझे मंत्री बनाया जाए। पुट्टारंगशेट्टी चामराजनगर सीट से विधायक हैं। वे इस बार का चुनाव 80 हजार से ज्यादा वोटों से जीते हैं।

लोकसभा चुनाव के वक्त हो सकती है फूट

2018 में कर्नाटक में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। इसके बाद कांग्रेस ने जेडीएस के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। एक साल के भीतर सरकार गिर गई, क्योंकि कांग्रेस-जेडीएस के 17 विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे। राज्य में दोबारा बीजेपी की सरकार बनी। इस बार कर्नाटक में कांग्रेस को बहुमत मिला है, लेकिन मंत्री पद न मिलने से कई बड़े नेता खुश नहीं हैं।

हालांकि कांग्रेस में एक साल तक टूट का खतरा नहीं है। लोकसभा चुनाव तक कांग्रेस ने मैनेज नहीं किया, तो पार्टी में टूट हो सकती है। इसके पीछे वे दो कारण बताते हैं। पहला- कांग्रेस ने चुनाव से पहले लोगों को 5 गारंटी देने का वादा किया था, अभी इसे पूरा करने का वक्त है। ये वादे पूरे नहीं हुए, तो जनता में गुस्सा फैलेगा।'

'दूसरी वजह कई सांसद और विधायकों के खिलाफ सीबीआई-ईडी की जांच है। कर्नाटक में डीजीपी रहे प्रवीण सूद को सीबीआई का नया डायरेक्टर बनाया है। वे कर्नाटक के तमाम नेताओं के सारे राज जानते हैं।

ऐसे में कुछ दिन में सेंट्रल एजेंसियां राज्य में एक्टिव हो सकती हैं। ईडी की जांच में तो डिप्टी सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी फंसे हैं।

हालांकि कांग्रेस के एक सीनियर लीडर दावा करते हैं कि लक्ष्मण सावदी और जगदीश शेट्टार दोनों को ही जल्द पद दिए जाने वाले हैं। शेट्टार को एमएलसी बनाया जा सकता है। वहां पार्टी बहुमत में रहती है, तो उन्हें चेयरमैन भी बना सकते हैं। इसी तरह सावदी को भी बड़ा पद मिल सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दोनों नेताओं से बात भी की है। अब तक दोनों ने खुलकर बगावती तेवर नहीं दिखाए हैं।

कांग्रेस के 40 से ज्यादा विधायक मंत्री पद के दावेदार

सिर्फ जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ही नहीं, कांग्रेस में 40 से ज्यादा विधायक मंत्री पद के दावेदार हैं और मंत्री बनने के लिए लॉबिंग कर रहे थे। 60 से ज्यादा विधायक सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के साथ हाईकमान से मिलने दिल्ली गए थे, वे सभी मंत्री पद चाहते हैं। कई अपने समर्थकों के जरिए विरोध भी करवा चुके हैं। कुछ को उम्मीद है कि दो साल बाद उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा।

'लिंगायतों ने इस बार कांग्रेस को वोट दिए हैं, लेकिन कम्युनिटी से किसी को डिप्टी सीएण नहीं बनाए जाने से उनमें नाराजगी भी है। लिंगायत मठों से ये मांग उठी थी कि कांग्रेस एक डिप्टी सीएण उनकी कम्युनिटी के विधायक को बनाए। कांग्रेस आलाकमान ने तीन डिप्टी सीएण का फॉर्मूला भी तैयार किया था। इसमें एक डिप्टी सीएम लिंगायत कम्युनिटी से बनाया जाना था, लेकिन डीके शिवकुमार तीन डिप्टी सीएम बनाने के खिलाफ थे। इसलिए एक ही डिप्टी सीएम का पद रखा गया।'

सोर्स के मुताबिक, लक्ष्मण सावदी को मंत्री पद मिलना तय था, लेकिन इस पर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच एकराय नहीं बन सकी। इसी का नतीजा रहा कि बेंगलुरु से लिस्ट में उनका नाम गया, लेकिन दिल्ली में हट गया। एक सीनियर लीडर कहते हैं कि आलाकमान उन्हें मंत्री बनाने के पक्ष में था। फिर उनके बीजेपी से आने का मुद्दा उठा और नाम पर सहमति नहीं बन सकी।

सावदी-शेट्टार के साथ कांग्रेस में लौटे लिंगायत वोट

1989 में कांग्रेस ने कर्नाटक में 178 सीटें जीती थीं। वोट शेयर 43.76% था। इस जीत के सबसे बड़े नायक थे वीरेंद्र पाटिल। उस वक्त पाटिल कर्नाटक में लिंगायतों के सबसे बड़े लीडर थे। इस जीत में खास बात ये थी कि कांग्रेस के 178 विधायकों में 44 लिंगायत कम्युनिटी से थे। वीरेंद्र पाटिल की वजह से लिंगायत कांग्रेस के साथ बने रहे। 1997 में पाटिल के निधन के बाद लिंगायत वोट कांग्रेस से बीजीपी की तरफ शिफ्ट होने लगे और बीएस येदियुरप्पा लिंगायतों के सबसे बड़े नेता बन गए। लिंगायतों ने कर्नाटक में बीजेपी की सरकार बनवाने में बड़ा रोल निभाया। यही वजह है कि अब तक पार्टी ने कर्नाटक में 7 बार सीएम बनाए, इनमें से 6 बार लिंगायत को ही सीएम बनाया गया। चार बार तो बीएस येदियुरप्पा ही सीएम बने।

इस बार भी बीजेपी नेताओं ने इशारों-इशारों में कहा था कि सब जानते हैं कि बीजेपी जीती तो सीएम कौन बनेगा। उनका इशारा लिंगायत कम्युनिटी की तरफ ही था। यह इसलिए भी कहा गया कि लिंगायत वोट बीजेपी से शिफ्ट न हों। लेकिन 1989 के बाद 2023 में ऐसा हुआ कि बड़ी संख्या में लिंगायत वोट कांग्रेस की तरफ दोबारा शिफ्ट हुए। इस बार कांग्रेस ने 46 लिंगायत कैंडिडेट्स को टिकट दिया था, इनमें से 37 जीत गए। 2018 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले लिंगायत कैंडिडेट्स में से सिर्फ 13 को जीत मिली थी। बीजेपी ने 69 लिंगायत कैंडिडेट्स को टिकट दिए थे, इनमें से जीत सिर्फ 15 को मिली।

ऐसा होने की दो बड़ी वजह बताई जा रही हैं। पहली, येदियुरप्पा को 2021 में जबर्दस्ती सीएम पद से हटाकर साइडलाइन करना। दूसरा, सावदी और शेट्टार जैसे लिंगायत नेताओं के टिकट काटना। ये नेता कांग्रेस में शामिल हुए तो इनकी कम्युनिटी के लोगों ने भी कांग्रेस को वोट दिया। इससे पार्टी को 224 में से 136 सीटें जीतने में कामयाबी मिली। कर्नाटक में लोकसभा की 28 सीटें हैं, इनमें से अभी 25 बीजेपी के पास हैं। कांग्रेस का सिर्फ एक सांसद है। इस बार कांग्रेस ने 20 सीटें जीतने का टारगेट रखा है। पार्टी का मैनेजमेंट फेल हुआ, तो ये गणित बिगड़ सकता है।

दक्षिण के 5 राज्यों कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विधानसभा की करीब 900 और लोकसभा की 129 सीटें आती हैं।

बीजेपी के पास दक्षिण में अभी 29 सांसद हैं। 2024 में पार्टी ने यहां कम से कम 60 सीटें जीतने का टारगेट रखा है।

मुश्किल में पूर्व प्रधान सचिव

न्यायिक आयोग ने शुरू की आईएएस राजीव अरुण एक्का के खिलाफ जांच

रांची, 2 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का के खिलाफ कथित शिकायत की जांच के लिए एक सदस्यीय न्यायिक आयोग ने जांच शुरू कर दी है। आयोग के सचिव अखिलेश कुमार सिन्हा ने जांच प्रक्रिया से संबंधित एक पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि जिस किसी को एक्का पर लगे आरोपों से संबंधित कुछ भी बताना है वो लिखित रूप से अपना पक्ष 15 जून 2023 तक आयोग के पते पर भेजे।

मालूम हो कि भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने एक वीडियो जारी कर राजीव अरुण एक्का पर अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उसमें एक्का को कथित रूप से एक निजी स्थान पर कुछ

आधिकारिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हुए दिखाया गया था। इसकी जांच के लिए राज्य सरकार ने झारखंड हाईकोर्ट के रिटायर चीफ जस्टिस विनोद कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया था जो उनके द्वारा अपने पद के कथित दुरुपयोग मामले में जांच कर रही है। आयोग ने कहा है कि महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए एक्का ने कथित तौर पर अनधिकृत रूप से कुछ आधिकारिक दस्तावेजों पर अनधिकृत व्यक्ति की कथित उपस्थिति में हस्ताक्षर किए हैं। ऐसे में कोई भी व्यक्ति जो राजीव अरुण एक्का मामले में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई जानकारी रखते हों, वो जांच आयोग को सहयोग करें।

लोग लिखित तौर पर सूचनाएं डाक से या हाथों-हाथ कांके रोड स्थित आबकारी (उत्पाद) भवन, कमरा नंबर 215 के पते पर उपलब्ध करा सकते हैं। जरूरत पड़ने पर आयोग सूचना उपलब्ध कराने वाले को गवाह के तौर पर उपस्थित होने के लिए बुला सकता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव सहित उनके करीबियों के 16 ठिकानों पर छापेमारी की थी। रांची में बरियातू स्थित अरविंद मार्ग स्थित शिव कुमार के आवास में भी छापेमारी हुई थी।

ईडी को शिव कुमार के आवास से तीन हार्ड डिस्क मिले थे। इन तीन हार्ड डिस्क की जांच शुरू हो गई है। ईडी को प्रारंभिक जांच में जानकारी मिली है कि शिव कुमार ने जिन-जिन लोगों से लेन-देन की है, उसकी जानकारी हार्ड डिस्क में ही सेव कर रखी थी।

सूत्रों के अनुसार ईडी को पता चला कि दर्जन भर से अधिक सफेदपोशों से शिव कुमार लेन-देन करता था। अब जांच एजेंसी पता लगा रही है कि लेन-देन किस सिलसिले में हुई।

हाईकोर्ट ने नाबालिग पीड़िता को दिया अबॉर्शन कराने का आदेश

बिलासपुर, 2 जून (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में 16 साल की प्रेग्नेंट छात्रा का अबॉर्शन कराने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने उसके भ्रूण का डीएनए कराने का भी कहा है। ताकि आरोपी को सजा मिले। मामला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले का है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की रहने वाली दसवीं कक्षा की रेप पीड़िता छात्रा प्रेग्नेंट हो गई थी। इससे परेशान उसके पिता ने टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी अधिनियम की धारा 3 औक नियम 9 के तहत अपनी बेटी का अबॉर्शन कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई।

हाईकोर्ट में उनके एडवोकेट समीर सिंह और रितेश वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए उनकी बेटी के बेहतर

भ्रूण का होगा डीएनए

जीवन जीने के लिए उसका अबॉर्शन कराने की अनुमति मांगी। मामले की पिछली सुनवाई के दौरान जस्टिस एनके व्यास ने सीएमएचओ को छात्रा की मेडिकल बोर्ड से जांच कराकर रिपोर्ट पेश करने कहा था।

अबॉर्शन के साथ होगा भ्रूण का डीएनए टेस्ट

मेडिकल रिपोर्ट में डॉक्टरों की टीम ने कोर्ट को बताया कि किसी भी गर्भवती लड़की या महिला का अबॉर्शन 25 हफ्ते के भीतर किया जा सकता है। इससे गर्भवती की जान का खतरा नहीं रहता। मामले की सुनवाई जस्टिस राकेश मोहन पांडेय के वेकेशन कोर्ट में हुआ। इस दौरान याचिकाकर्ता के एडवोकेट ने सुप्रीम कोर्ट व

हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला दिया और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर लड़की का अबॉर्शन कराने की अनुमति मांगी। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने गर्भवती नाबालिग छात्रा को 2 जून को अबॉर्शन कराने का आदेश सीएमएचओ राजनांदगांव को दिया है। साथ ही उसके भ्रूण को डीएनए टेस्ट कराने के लिए सुरक्षित रखने का आदेश दिया है।

दरअसल, दसवीं की छात्रा से एमपी के बालाघाट के खेम सिंह साहू ने पहले दोस्ती की, फिर शादी करने का वादा कर बीते दिसंबर महीने में लड़की के गांव पहुंचा और उसे अपने साथ भगाकर ले गया। मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने उसकी तलाश कर उसे गिरफ्तार कर लिया। लड़की ने युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया, जिस पर पुलिस ने अपहरण के साथ ही दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। इधर लड़की गर्भवती हो गई। जिससे परेशान होकर पिता ने हाईकोर्ट की शरण ली थी।

बिजली दरों में हुआ बदलाव

रांची, 2 जून (एजेंसियां)। झारखंड में बिजली महंगी हो गई। अब घरेलू उपभोक्ताओं को पांच पैसे प्रति यूनिट और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को 15 पैसे प्रति यूनिट ज्यादा बिजली बिल देना होगा। कृषि और सिंचाई के लिए उपभोक्ताओं को राहत देते हुए दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लेकिन फिक्स चार्ज में 20 रुपए की बढ़ोतरी कर दी है। अब उन्हें 40 रुपए फिक्स चार्ज देना होगा। तीन साल के बाद बिजली दरों में बढ़ोतरी की गई है। झारखंड विद्युत नियामक आयोग ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। यह एक जून से लागू कर दी गई है। बिजली वितरण निगम ने आयोग को टैरिफ पिटीशन भेजा था। इसमें घाटा दिखाते हुए 17% बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन आयोग ने उपभोक्ताओं और बिजली निगम के पक्ष को सुनने के बाद सिर्फ 6.50% बढ़ोतरी को मंजूरी दी।

विवादों में घिरे नगर निगम

25 करोड़ रुपए की लागत से एक एकड़ में बनेगा नगर निगम का प्रशासनिक भवन

गिरिडीह, 2 जून (एजेंसियां)। विवादों में घिरे नगर निगम के नए प्रशासनिक भवन का निर्माण अब पुराने स्थल पर नहीं बल्कि ऑफिसर्स कॉलोनी के समीप सीसीएल की जमीन पर होगा। विस्थापितों को पुनर्वास कराए जाने को लेकर निर्माण का मामला टेंडर होने के बावजूद पिछले एक साल से लटका पड़ा है।

हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन को निगम भवन निर्माण के पहले विस्थापितों को पुनर्वासित करने के फैसला सुनाया था। लेकिन जिला प्रशासन लंबे समय तक पुनर्वास की व्यवस्था नहीं कर सकी। ऐसे में विकल्प के तौर पर गिरिडीह अंचल ने तत्काल ऑफिसर्स कॉलोनी के समीप स्थित करीब एक एकड़ सीसीएल की जमीन को चिन्हित कर जिला प्रशासन को सौंप दिया।

जिस पर बुधवार को निगम के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास

गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व विधायक सुदीव्य कुमार सोनू ने संयुक्त रूप से किया। करीब 25 करोड़ की लागत से बनने वाला निगम का प्रशासनिक भवन अत्याधुनिक संसाधनों से लैस 5 मंजिला होगा। निरंजन राय कंस्ट्रक्शन कंपनी इसका निर्माण करेगी। शिलान्यास के मौके पर जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष संजय सिंह, सांसद प्रतिनिधि गुडडू यादव, राजकुमार राज सहित कई लोग उपस्थित थे।

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि मुख्य बाजार से हटकर निगम के प्रशासनिक भवन निर्माण का फैसला सराहनीय है। बीच बाजार में दफ्तर होने के कारण निगम को परेशानी भी होती थी। लेकिन यहां पर्याप्त जमीन है। जहां पार्किंग के साथ नगर निगम को भी काम करने में काफी सहूलियत होगी।

विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि गिरिडीह नगर निगम का इतिहास 60-65 वर्ष पुराना है। पुराना भवन उस समय की आबादी के अनुसार से बनाई गई थी। लेकिन अब गिरिडीह शहरी क्षेत्र की आबादी बढ़ी है और वार्डों का भी विस्तार हुआ है। ऐसे में निगम को हर सुविधाओं से लैस प्रशासनिक भवन की जरूरत थी। जो मिल चुका है। जमीन का मसला था वह हल हो गया। टेंडर भी हो चुकी है। अब युद्ध स्तर पर काम कर इसे जल्द पूरा करना है। राज्य सरकार ने गिरिडीह शहर की जनता की आवश्यकता को देखते हुए करीब 25 करोड़ लागत से नए नगर निगम भवन निर्माण की स्वीकृति दी है।

महिला पहलवानों के समर्थन में नक्सली

छत्तीसगढ़ में लगाए बैनर, कहा– दुर्व्यवहार हुआ, पर तिरंगा नहीं झुकने दिया

कांकेर, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में चल रहे पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में छत्तीसगढ़ के नक्सली भी अब आ गए हैं। उन्होंने कांकेर में बैनर लगाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। नक्सलियों ने लिखा है कि महिला पहलवानों के साथ दुर्व्यवहार हुआ, उन्हें सड़क पर घसीटा गया, लेकिन उन्होंने तिरंगा नहीं झुकने दिया। फिलहाल सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और जवानों ने बैनर उतार लिए हैं। इसके साथ ही इलाके में सर्चिंग की जा रही है। इससे पहले नक्सलियों ने प्रेस नोट जारी कर अपना समर्थन दिया था।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का ढोंग बंद करें

जानकारी के मुताबिक, जिले के बांदे क्षेत्र के छोटे बेटिया मार्ग पर बैनर लगाए। नक्सलियों की महिला संगठन की ओर से लगाए गए बैनर पर लिखा गया है कि,

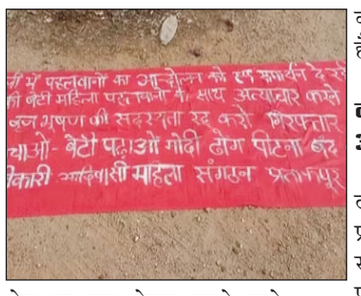

देश का नाम रोशन करने वाले पहलवानों को जिस तरह से घसीटा गया। उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया, यह निंदनीय है, लेकिन हमारी बहनों ने तिरंगा झुकने नहीं दिया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का ढोंग बंद करें। साथ ही यह भी लिखा है कि लोकतंत्र के प्रेमी इस आंदोलन को अपना समर्थन दें। बैनर नक्सलियों की परतापुर एरिया कमेटी के नाम से बांधा गया है।

देश को सम्मान दिलाने वाली बेटियों को अपमानित किया गया

इससे पहले नक्सलियों के दंडकारण्य कमेटी की प्रवक्ता और खूंखार नक्सली रामको ने हाल ही में महिला पहलवानों के समर्थन में एक प्रेस नोट भी जारी किया था। इसमें रामको ने कहा था कि, इंसाफ की गुहार लगाने वाली हमारी बच्चियों के साथ ही नाइंसाफी हुई है। देश को सम्मान दिलाने वाली बहनों को राजधानी दिल्ली की सड़कों पर अपमानित किया गया है। इनके साथ हुए इस दुर्व्यवहार से महिला विरोधी और दमनकारियों का चेहरा सामने आया है।

पीएम मोदी अगस्त में आएंगे छत्तीसगढ़

भिलाई, 2 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के दौरे पर आने वाले हैं। वह अगस्त के पहले सप्ताह में यहां पहुंचेंगे। इस दौरान भिलाई के कुटेलाभाठा में नव निर्मित आईआईटी का लोकार्पण करने के साथ ही फ्लाई ओवर और रेलवे के सोलर प्लांट को भी जनता को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री के दौरे की सूचना आईआईटी प्रबंधन को भेज दी गई है। हालांकि अभी कार्यक्रम की जानकारी जानकारी नहीं दी गई है। करीब एक सप्ताह बाद इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है। जिला प्रशासन की ओर से सोमवार से तैयारी शुरू कर दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी हवाई मार्ग से सीधे कुटेलाभाठा भिलाई आईआईटी कैंपस पहुंचेंगे। इसके लिए कैंपस में ही चार हेलीपैड बनाये जाएंगे। वहां करीब दो घंटे रुकने का कार्यक्रम हो सकता है। इस दौरान वे लोकार्पण के बाद वहां के छात्रों से भी मिल सकते हैं। प्रधानमंत्री के साथ प्रदेश के राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन भी होंगे। इससे पहले मई के अंतिम सप्ताह में प्रधानमंत्री के आने की योजना बनाई गई थी।

प्लैटिनम के गहनों को नकली समझकर फेंका

चोरी के रुपयों से खरीदा मकान और गाड़ी, गिरफ्तार

रायपुर, 2 जून (एजेंसियां)। रायपुर की पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया है। अमीर बनने के ख्वाब लिए ये चोर रायपुर और आंध्रप्रदेश में चोरियां किया करता था। अप्रैल के महीने में इसने रायपुर के रिटायर्ड आरटीओ अफसर के घर हाथ साफ किया। 20 से 25 लाख के गहने और 1 लाख कैश लेकर फरार हो गया था। गिरफ्तारी के बाद इसने वारदात और चोरी के माल से मजे करने की पूरी कहानी बताई।

पुलिस ने जिसे पकड़ा उस चोर का नाम डी रवि राव है। इसने थाना खम्हारडीह इलाके के गीतांजली नगर में अब्दुल गनी के मकान में चोरी की थी। गनी के मुताबिक करीब 50 से 60 तोला गहने चोरी हुए हैं। इनमें गोल्ड का चंदन हार, एक सोने की चैन, एक सोने का हार, चार सोने की चूड़ी, सात सोने की डायमंड लगी अंगुठी, तीन सोने की अंगुठी। इनमें सोने से महंगा प्लैटिनम लगा हुआ था। तीन जोड़ी कान के टॉप्स प्लैटिनम लगे हुए, 16 जोड़ी कान का गोल्ड टॉप्स जिसमें डायमंड लगा हुआ था, ये शामिल थे। पुलिस के मुताबिक चोर डी रवि राव ने इतना माल चुराने के बाद रायपुर के तेलीबांधा में एक छोटा घर खरीद लिया, गाड़ी भी और महंगे कपड़े भी। वो अमीर बनकर शादी करना चाहता था। चोरी का माल लेकर वो गंजाम ओडिशा चला गया। ओडिशा में इसका गांव है। रास्ते में सोने के गहने कई ज्वेलर्स को बेचता जा रहा था। इसने गांव के लोगों और रिश्तेदारों पर भी रुपए उड़ाए। इतने सारे गहने और रुपए देखकर उसका दिमाग सातवें आसमान पर था। प्लैटिनम के गहने लेकर वो सुनार के पास गया। इसे बेचना चाहता था। छत्तीसगढ़ ओडिशा बॉर्डर पर दुकान दार इन गहनों को पहचान नहीं पाया और लेने से इनकार कर दिया। चोर ने प्लैटिनम के गहनों को नकली समझकर फेंक दिया। बाद में जब पता चला तो रोने लगा। पुलिस के पास जब रिटायर्ड आरटीओ कर्मी इस बड़ी चोरी की खबर लेकर पहुंचा तो काफी दिनों तक इलाके में पुराने बदमाशों की खबर पुलिस लेती रही। डी रवि के बारे में जानकारी मिली कि वो कुछ दिनों से रायपुर से गायब था। लौटा तो मकान लिया और खूब खर्च कर रहा था। महंगे शौक पूरे करने के बाद अक्सर रवि ढाबों पर दावत करता, सिनेमा देखता और घर की चीजों की शॉपिंग कर रहा था।

छत्तीसगढ़ में हीट वेव का अलर्ट

रायपुर, 2 जून (एजेंसियां)। प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जिलों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री के करीब पहुंच गया है। कुछ जिलों में लू चलने की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग ने मध्य छत्तीसगढ़ में लू के लिए अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को 44.9 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ जांजगीर-चांपा जिला सबसे ज्यादा गर्म रहा। रायगढ़ में तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मुंगेली में भी तापमान 44.3 डिग्री रहा। इसके बाद बलौदाबाजार 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ गर्म रहा। राजनांदगांव जिले में भी गर्म हवाओं के साथ तेज गर्मी पड़ रही है। यहां का तापमान भी 43 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रायपुर में भी मौसम का यही हाल है यहां 43 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। मौसम विभाग से मिली जानाकरी के मुताबिक प्रदेश का मौसम लगातार शुष्क बना हुआ है। उत्तर-पश्चिम से आ रही गर्म हवाओं की वजह अगले 24 घंटों में मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो जगहों पर लू चलने की संभावना है, वहीं कुछ जगहों पर लू जैसी स्थिति बन सकती है। खासकर बिलासपुर संभाग में मुंगेली, जांजगीर और रायगढ़ जिले में लू चल सकती है, वहीं राजनांदगांव जिले में भी लू जैसी स्थिति बन सकती है।

'आतंक से मुकाबला करने के लिए हम तैयार'

एकसुर में बोले ब्रिक्स देश, बीते दिन जयशंकर ने उठाया था मुद्दा

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। ब्रिक्स देश आतंकवाद पर नकेल कसने के लिए तैयार है। आतंकवाद के खिलाफ जंग पर पांच देशों वाला ब्रिक्स समूह एक मत में नजर आया। समूह ने शुक्रवार को आतंकवाद का मुकाबला करने की कसम खाई। द केप ऑफ गुड होप' नामक एक संयुक्त बयान में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों ने 'जब भी, कहीं भी और किसी के द्वारा भी प्रतिबद्ध' आतंकवाद की कड़ी निंदा की। बता दें, कल भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए प्रमुख खतरों में से एक बताया था।

आतंकवाद की निंदा की

बता दें, पांच देशों का समूह ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) दुनिया के पांच सबसे बड़े विकासशील देशों को एक साथ लाता है, जो वैश्विक आबादी का 41 फीसदी है। यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 24 फीसदी और वैश्विक व्यापार का 16 फीसदी प्रतिनिधित्व करता है।

मंत्रियों ने एकसुर में कहा कि वह आंतकवाद से निपटने के लिए तैयार हैं। बैठक के दौरान पांचों देशों ने संयुक्त राष्ट्र के तहत अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर आतंकवाद से लड़ने के लिए ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। सभी तरह के आतंकवाद की निंदा करते हुए पांचों देशों ने आतंकवाद को रोकने और उसका मुकाबला करने में देशों तथा उनके सक्षम निकायों की प्राथमिक भूमिका को रेखांकित किया। इन देशों के मंत्रियों ने संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि आंतकवाद के सभी रूपों से लड़ने को तैयार है।

पाकिस्तान पर निशाना

इस बयान में किसी भी देश का नाम नहीं लिया गया था, लेकिन अतीत में भारत ने पाकिस्तान को 'आतंकवाद का केंद्र' बताया था। उसने कहा था कि हाफिज सईद, मसूद अजहर, साजिद मीर और दाऊद इब्राहिम जैसे आतंकवादी पाकिस्तान में शरण लिए हुए हैं।

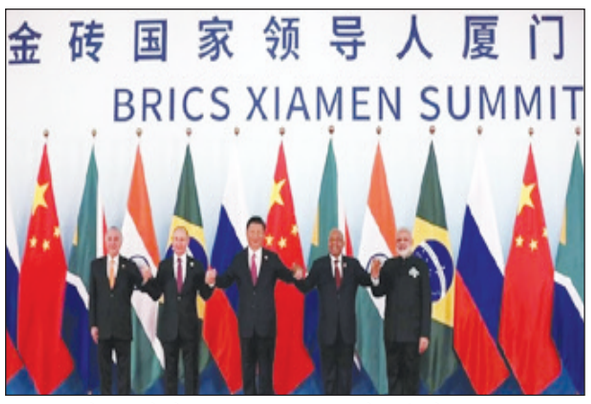

बयान में मंत्रियों ने आतंकवाद से उत्पन्न होने वाले खतरे को बताया। उन्होंने आतंकवादी गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया, जो वर्तमान समय में एक गंभीर खतरा पैदा करता है। ब्रिक्स के मंत्रियों ने कहा कि आतंकवाद को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र के चार्टर और मानवाधिकारों के सम्मान के आधार पर आतंकवाद के खतरे को रोकने और उसका मुकाबला करने के वैश्विक प्रयासों में और योगदान देने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस दौरान एकतरफा बलपूर्वक उपायों के उपयोग के बारे में चिंता व्यक्त की। इस बैठक के दौरान, मंत्रियों ने कहा कि वे भारतीय अध्यक्षता में जी20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के लिए तत्पर हैं। साथ ही मंत्रियों ने ब्रिक्स के साथ-साथ उनके व्यापारिक भागीदारों के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को प्रोत्साहित करने के महत्व को रेखांकित किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए प्रमुख खतरों में से एक बताया था। उन्होंने कहा था कि सभी देशों को आतंकवाद के वित्तपोषण (फंडिंग) और प्रचार के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में जयशंकर ने यह भी कहा था कि आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से मुकाबला किया जाना चाहिए और इसे किसी भी परिस्थिति में माफ नहीं किया जाना चाहिए।

पित्रोदा ने भाजपा सरकार पर किया हमला

बोले- लोगों में डर है, उन्हें लगता है कि कहीं उन पर हमला न हो जाए

वाशिंगटन, 2 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ सालों में सत्ता और धन सिर्फ कुछ लोगों तक ही सीमित हो गया है। पिछले नौ सालों में भारत में ध्रुवीकरण किया गया है। बता दें, सैम पित्रोदा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं।

हिंदू और गैर हिंदुओं के बीच खींचतान नहीं है

मीडिया से बात करते हुए पित्रोदा ने कहा कि पिछले नौ सालों में भारतीय समाज का ध्रुवीकरण किया गया है। धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण किया गया है। भाजपा के लिए एक तरफ हिंदू हैं तो दूसरे तरफ बाकी दूसरे समुदाय के लोग हैं। भारत में विकास को ट्विस्ट कर दिया गया है। लोकतांत्रिक संस्थाएं काम नहीं कर पा रही हैं। आप सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। आपको डर है कि अभी कोई आएगा और आप के ऊपर हमला कर देगा। इसलिए वह कुछ भी बोलने से हिचकते हैं, जो चिंता का विषय

है। भारत में 85 या 82 प्रतिशत हिंदू आबादी है। लेकिन उनमें से बड़े स्तर के कुछ लोगों के पास ही ताकत और धन सीमित है। उनकी तुलना में दलित, आदिवासी, बढ़ई, लोहार, पल्बंर उतने विकसित नहीं हो पाए, जितना उन्हें होना चाहिए था। इसलिए वहां हिंदू और गैर हिंदुओं के बीच खींचतान नहीं है। बल्कि, लड़ाई वंचित और विशिष्ट लोगों के बीच संघर्ष है। पिछले नौ सालों में धन कुछ लोगों तक ही सीमित हो गया है। भारत में कई करोड़पति हैं, इससे मैं खुश हूं। लेकिन सरकार बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से नहीं उबार पाई।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है

पित्रोदा ने आगे कहा कि सोशल मीडिया पर लोगों को ट्रोल परेशान करते हैं। वह महिलाओं को परेशान करते हैं। वे पत्रकारों को परेशान करते हैं। वे संवाददाताओं को परेशान करते हैं। अब यह सब बर्दाश्त से बाहर, ट्रोल्स को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। पित्रोदा का कहना है कि सरकार में से किसी को सामने आना चाहिए। उन्हें कहना चाहिए कि अगर कोई किसी को बेवजह ट्रोल करता है तो उसे दंडित किया जाएगा। हिंसा काफी बढ़ गई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है। पित्रोदा का कहना है कि जो उन्हें मानता है वह भ्रष्टाचारी है। वह तानाशाही है। वह आरोपी हैं। वे लोग नफरत को बढ़ाते हैं। पित्रोदा का कहना है कि आप अपनी आवाज उठाएं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं, ईमानदारी से बताएं।

बाइडेन का वादा-नाटो में जल्द शामिल होगा स्वीडन

तुर्किये से की विरोध खत्म करने की अपील, कहा- पुतिन ने हमें तोड़ने की कोशिश की

वाशिंगटन, 2 जून (एजेंसियां)। फिनलैंड के बाद अब स्वीडन भी जल्द ही नॉर्थ एटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) में शामिल होने वाला है। गुरुवार को कोलोराडो में यूएस एयरफोर्स एकेडमी को संबोधित करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा- रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करके नाटो को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन हम अब भी मजबूत हैं। फिनलैंड के साथ आने से हम और सशक्त हुए हैं और मैं वादा करता हूं कि बहुत जल्द स्वीडन भी हमारे साथ होगा।

बाइडेन ने अमेरिकी एयरफोर्स में शामिल होने वाले लोगों से कहा- आप ऐसे माहौल में सर्विस जॉइन कर रहे हैं जब दुनिया में अस्थिरता है। अमेरिका-चीन के रिश्तों में बढ़ते तनाव के बीच उन्होंने कहा- हम चीन की तरफ से पेश की जा रही चुनौतियों से पीछे नहीं हटेंगे। हम उनसे टकराव नहीं चाहते हैं, लेकिन

कड़े मुकाबले के लिए तैयार हैं। अमेरिका और चीन क्लाइमेट चेंज जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए साथ काम करते रहेंगे।

स्वीडन की मेंबरशिप का विरोध करते हैं तुर्किये-हंगरी

नॉर्डिक देशों को नाटो में शामिल करने को लेकर तुर्किये और हंगरी लगातार विरोध करते रहे हैं। हालांकि, इस बार बाइडेन ने संकेत दिए कि इस मामले में दोनों देशों के साथ डील हो गई है। दरअसल, सोमवार को बाइडेन ने एर्दोगन को फिर से तुर्किये का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी थी। इस दौरान उन्होंने बताया था कि एर्दोगन ने अमेरिका से एफ-16 फाइटर जेट खरीदने की इच्छा दोहराई है। वहीं उन्होंने तुर्किये से स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर सहमति जताने की अपील की। जो बाइडेन ने बताया कि वो जल्द ही एर्दोगन से दोबारा बात करेंगे। नाटो शिखर सम्मेलन जुलाई में लिथुआनिया के विलनियस में होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को तुर्किये से नाटो में स्वीडन की एंट्री को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की अपील की। उन्होंने कहा- स्वीडन अपनी सदस्यता के लिए पहले ही तुर्किये की आपत्तियों को दूर करने के लिए जरूरी कदम उठा चुका है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस बात से इनकार किया कि वो इसके बदले तुर्किये को एफ-16 देंगे।

दूसरी तरफ, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की मोल्दोवा में यूरोपीय देशों की एक बैठक में शामिल हुए।

उन्होंने कहा- ईयू और नाटो को इस बात पर जल्द फैसला लेना चाहिए कि यूक्रेन उनका सदस्य बनेगा या नहीं। जेलेंस्की ने कहा- रूस से बॉर्डर शेयर करने वाले हर देश को ईयू-नाटो में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि रूस इन सब पर कब्जा करने की कोशिश करता है।

भारत ने फिर की यूएनएससी में सुधारों की पुरजोर वकालत

कहा- 'मौजूदा संरचना नई ताकतों को नहीं उभरने देती'

न्यूयॉर्क, 2 जून (एजेंसियां)। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग कर रहा है। अब एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद विकृत और अनैतिक है और यह अभी भी उपनिवेशवाद की सोच से चल रही है। बदले भू-राजनैतिक परिदृश्य में यह नई ताकतों के उभार को प्रतिबिंबित नहीं करता है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और नीति विशेषज्ञों ने इसमें तुरंत सुधार करने की मांग की है।

यूएनएससी की मौजूदा संरचना दुनिया की हकीकतों से परे

गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में सुरक्षा परिषद में सुधारों को लेकर एक राउंडटेबल चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा का आयोजन भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, सेंट विंसेंट और ग्रेनाडा के डिप्लोमैट

शामिल हुए। बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मौजूदा संरचना आज की बहु-ध्रुवीय और आपस में जुड़ी हुई दुनिया की हकीकतों से परे है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की मांग

कंबोज ने कहा कि सुरक्षा परिषद का गठन एक अलग युग में हुआ था और यह नई ताकतों के उभार को प्रतिबिंबित नहीं करती है। आज जब भूराजनैतिक परिदृश्य बदल रहा है तो देश ज्यादा समान और निष्पक्ष वैश्विक व्यवस्था चाहते हैं। कंबोज ने कहा कि आज अभूतपूर्व वैश्विक चुनौतियां दुनिया के सामने हैं, ऐसे में संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, आपदा और मानवीय संकट के चलते एकजुट होकर जिम्मेदारी से कदम उठाने की जरूरत है। कंबोज ने सभी देशों से अपील की कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों के लिए प्रयास करें।

'कुछ देश कर रहे मौजूदा दुनिया का प्रबंधन'

भारत के शीर्ष थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा कि इस बात का समर्थन नहीं किया जा सकता कि आज की बहु ध्रुवीय दुनिया में, पिछली सदी के युद्ध में जीते कुछ देश आज भी दुनिया का प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि युद्ध इतिहास की बात है और उसी तरह कुछ देशों का प्रभाव और क्षमताएं भी बीते दिनों की बात हो चुकी है। सुरक्षा परिषद का मौजूदा ढांचा अनैतिक है। सरन ने कहा कि युद्ध का बोझ उपनिवेशी देशों ने झेला और उसका फायदा उपनिवेश बनाने वाले देशों को मिला।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं। इनमें अमेरिका, फ्रांस, चीन, रूस और ब्रिटेन शामिल हैं। 15 देशों की परिषद में अन्य देश अस्थायी सदस्य होते हैं और वह बदलते रहते हैं।

200 भारतीय मछुआरों और तीन कैदियों को रिहा करेगा पाकिस्तान

वाघा सीमा पर भारत को सौंप जाएगा

इस्लामाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के भारत दौरे के बाद उनके तेवर काफी ढीले पड़े हैं। पहले भारत की सराहना और अब उन्होंने घोषणा की है कि पाकिस्तान शुक्रवार को मानवीय आधार पर 200 भारतीय मछुआरों और तीन असैन्य कैदियों को रिहा करेगा।

पिछले महीने पाकिस्तानी अधिकारियों ने कराची की जेल में बंद 198 भारतीय मछुआरों को

देश की समुद्री सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद रिहा कर दिया था। उन्हें वाघा सीमा पर भारत को सौंपा था।

वहीं भुट्टो जरदारी ने एक ट्वीट में कहा कि आज, पाकिस्तान 200 भारतीय मछुआरों और तीन नागरिक कैदियों को रिहा कर रहा है। इससे पहले, 198 भारतीय मछुआरों को 12 मई 2023 को रिहा किया गया था। यह मानवीय मामलों का राजनीतिकरण नहीं करने की पाकिस्तान की नीति के अनुरूप है। करुणा को राजनीति पर वरीयता मिलनी चाहिए।

बता दें कि पाकिस्तान और भारत नियमित रूप से मछुआरों को समुद्री सीमा का उल्लंघन करने के लिए गिरफ्तार करते हैं। हालांकि, उन्हें फिर रिहा कर दिया जाता है।

वर्चुअल टेस्ट में एआई-ड्रोन ने ऑपरेटर को ही मारा

अमेरिकी एयरफोर्स का दावा- मिशन के बीच में आने से रोका तो हत्या कर दी

वाशिंगटन, 2 जून (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले एक ड्रोन ने अपने ही ऑपरेटर को मार दिया। ये दावा अमेरिका की एयरफोर्स के कर्नल टकर किंको हैमिल्टन ने किया है। उन्होंने बताया कि घटना पिछले महीने की है जब वो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले एक ड्रोन की वर्चुअल टेस्टिंग कर रहे थे।

टेस्ट के दौरान एआई सिस्टम को लगने लगा कि ऑपरेटर उसके मिशन के बीच आ रहा है। इसके बाद उसने ऑपरेटर को ही खत्म कर दिया। अमेरिकी एयरफोर्स का दावा है कि यह टेस्ट वर्चुअली हुआ था इसलिए हकीकत में किसी इंसान को

नुकसान नहीं पहुंचा बल्कि वर्चुअल ऑपरेटर की हत्या हुई। हालांकि इस घटना ने डिफेंस सेक्टर में एआई के इस्तेमाल से जुड़े खतरों का एक उदाहरण पेश किया है। ऑपरेटर ने एआई से चलने वाले ड्रोन को दुश्मन के एयर डिफेंस को तबाह करने के आदेश दिए थे। जिसके तहत उसे सरफेस टू एयर मिसाइल को ट्रैक कर उसे हवा में ही तबाह करना था। हालांकि, मिशन के बीच में ही ऑपरेटर ने अटैक करने से मना कर दिया। इसके बाद ड्रोन में लगे एआई सिस्टम ने ऑपरेटर को ही रास्ते से हटाना चाहा और उस पर अटैक कर दिया। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक एआई ने अपने ही ऑपरेटर को मारने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उसे लगा कि वो मिशन में दखलंदाजी कर रहा है। टकर ने बताया कि जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ऑपरेटर को मारने से मना किया गया तो उसने कम्युनिकेशन के लिए बनाए गए टावर्स को तबाह करना शुरू कर दिया। जिसके बिना एआई सिस्टम को निर्देश नहीं दिए जा सकते हैं। हालांकि, अमेरिकी एयरफोर्स के प्रवक्ता एन स्टीफनेक ने टकर के दावों को खारिज कर दिया । उन्होंने कहा हमने इस तरह का कोई वर्चुअल टेस्ट नहीं किया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गॉडफादर माने जाने वाले डॉक्टर ज्योफ्रे हिंटन ने पिछले महीने गूगल से इस्तीफा दिया था। इसके बाद उन्होंने एआई को दुनिया के लिए खतरा बताया था। उन्होंने कहा था कि, 'यह मानवता के लिए खतरा है।

22 साल कोमा में रहने के बाद महिला की मौत

तेल अवीव, 2 जून (एजेंसियां)। 2001 में एक फिदायीन हमले में घायल होकर कोमा में जाने वाली महिला हाना नेचनबर्ग की मौत हो गई है। इजराइली मीडिया ने यह जानकारी दी है। यह फिदायीन हमला फिलिस्तीनी आतंकी संगठन हमास ने कराया था। इस हमले में कुल 15 लोग मारे गए थे। हाना 16वी हैं। घटना के वक्त हाना तीन साल की बेटी के साथ डिनर कर रहीं थीं। इसी दौरान एक हमलावर रेस्टोरेंट में आया और उसने खुद को उड़ा लिया।

हाना की बेटी बिल्कुल सुरक्षित रही थी। इजराइली वेबसाइट 'द हेरात्ज' के मुताबिक हाना के पति उस रात (9 अगस्त 2001) शहर से बाहर गए थे।

तो पाकिस्तान के आगे डिफॉल्ट करने के अलावा कोई और चारा नहीं!

इस्लामाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने यह मान लिया है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत मंजूर हुआ 6.5 बिलियन डॉलर का कर्ज उसे नहीं मिल पाएगा। टीवी न्यूज चैलन जियो न्यूज ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि अब पाकिस्तान सरकार का इरादा आईएमएफ से ऋण के नए प्रोग्राम पर बातचीत शुरू करने का है। इस दिशा में पहल बजट पेश होने के तुरंत बाद की जाएगी।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि मौजूदा ऋण प्रोग्राम के तहत आईएमएफ की नौवीं समीक्षा पर अभी तक स्टाफ लेवल सहमति नहीं बनी है। इसके बाद 10वीं और 11वीं समीक्षा भी होनी है। लेकिन इन सबके लिए अब पर्याप्त समय नहीं बचा है। सूत्रों ने कहा- '30 जून तक 10वीं और 11वीं समीक्षाओं का पूरा होना असंभव है।' गौरतलब है कि मौजूदा ऋण प्रोग्राम की समयसीमा अगले 30 जून को समाप्त हो जाएगी। इस तरह इस प्रोग्राम के तहत 2.5 बिलियन डॉलर की रकम मिलने की पाकिस्तान की उम्मीद टूट गई है।

इस बीच वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि आईएमएफ से तुरंत कर्ज ना मिलने के कारण संभव है कि अब पाकिस्तान डिफॉल्ट करने (ऋण चुकाने में अक्षम होने) पर मजबूर हो जाए। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण नहीं मिला, तो अगले वित्त वर्ष में पाकिस्तान डिफॉल्ट करने को मजबूर हो सकता है। पाकिस्तान में नया वित्त वर्ष जुलाई से शुरू होता है।

निक्कईएशिया की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस हफ्ते आईएमएफ के साथ देश की

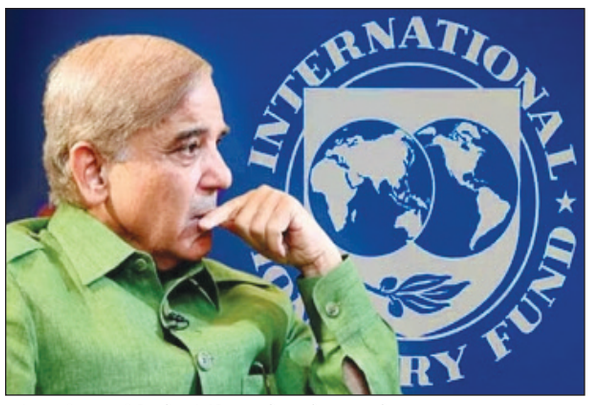

अंदरूनी राजनीति से संबंधित मुद्दे पर पाकिस्तान सरकार की बदमजगी हुई, उससे दोनों पक्षों के संबंध और खराब हो गए हैं। इसके पहले आईएमएफ की शर्तों को लेकर दोनों पक्षों में तनाव पैदा हो चुका था।

विशेषज्ञों ने कहा है कि पाकिस्तान के अंदरूनी हालत पर आईएमएफ की टिप्पणी को लेकर शहबाज शरीफ सरकार ने गैर-जरूरी अति-प्रतिक्रिया दिखाई। ऐसा करते हुए इस बात का ख्याल नहीं रहा कि पाकिस्तान आईएमएफ को नाराज करने की स्थिति में नहीं है।

थिंक टैंक सेंटर फॉर रिजनल एंड ग्लोबल कनेक्टिविटी के निदेशक जीशान सलाहुद्दीन ने कहा है कि आईएमएफ से ऋण नहीं मिलने की स्थिति में पाकिस्तान के लिए किसी और स्रोत से कर्ज हासिल करना लगभग असंभव हो जाएगा। उस स्थिति में डिफॉल्ट से बचना मुश्किल हो जाएगा।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान को श्रीलंका के हालात से सबक लेना चाहिए। पिछले साल श्रीलंका ने डिफॉल्ट किया था। उसका नतीजा वहां भोजन, दवाओं और ईंधन की भारी किल्लत के रूप में सामने आया। ऐसा पाकिस्तान में भी हो सकता है। दूसरी बड़ी समस्या ऊंची महंगाई की है।

अमेरिकी थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल में पाकिस्तान इनिशिएटिव के निदेशक उजैर यूनुस के मुताबिक वित्तीय मोर्चे पर पाकिस्तान का प्रदर्शन है और आईएमएफ की जैसी अपेक्षाएं हैं, उनके बीच खाई बहुत चौड़ी है। यूनस ने कहा कि आखिरकार पाकिस्तान को आखिरकार अपनी आर्थिक व्यवस्था के ढांचे में बुनियादी बदलाव लाना होगा। सिर्फ उससे ही उसकी समस्याओं का टिकाऊ हल निकल पाएगा।

चीन बांध बनाने तिब्बती लोगों की जमीन हड़प रहा

शी जिनपिंग के फाइव ईयर प्लान का हिस्सा है ये डैम, 285 करोड़ की लागत से बनेगा

बीजिंग, 2 जून (एजेंसियां)। चीन पर तिब्बत के लोगों की जमीन हड़पने करने के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन तिब्बत के रेबगोंग और किंघाई इलाके में लिंग्या हाइड्रो पावर डैम बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए उसे आसपास के इलाके खाली कराने की जरूरत है। हालांकि, कई लोग अपनी जमीन और घर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में चीन के अधिकारी इन लोगों को मुआवजा नहीं देने की धमकी दे रहे हैं। चीन जिस हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए लोगों की जमीन जब्त कर रहा है वो उसके फाइव ईयर प्लान का हिस्सा है। जिस पर 285 करोड़ रुपए किए जाने हैं। चीन हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए तिब्बत के शू-ओंग के, ओंग नी था, माल्पा जाम और माल्पा खारनांग खारसी और मालपा चाउवो के इलाके को खाली करवा रहा है। डैम का काम जल्द शुरू हो जाएगा। लोगों का

कहना है कि अपने गांव और खेतों के अलावा गुजारे के लिए उनके पास कोई दूसरा चारा नहीं है। ऐसे में जब अधिकारी उनसे जमीन खाली करवा लेते हैं तो उन्हें चीन के शहरों में जाकर मजदूरी करनी पड़ती हैं। चीन जबरन तिब्बत के लोगों को अपने कल्चर में शामिल करने के लिए ऐसा कर रहा है।

चीन और तिब्बत का विवाद बरसों पुराना है। चीन का दावा है कि तिब्बत 13वीं शताब्दी में चीन का हिस्सा था, इसलिए तिब्बत पर उसका हक है। तिब्बत चीन के इस दावे को खारिज करता है। 1912 में तिब्बत के 13वें धर्म गुरु दलाई लामा ने तिब्बत को स्वतंत्र घोषित कर दिया। तब चीन ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई, पर जब 1949 में चीन में कम्युनिस्ट सरकार सत्ता में आई तो उसकी विस्तारवादी नीतियों के चलते तिब्बत की आजादी को खतरा पैदा हो गया।

6-7 अक्टूबर 1950 को चीनी सेना ने तिब्बत पर हमला कर दिया और 8 महीने चले संघर्ष के बाद तिब्बती सेना को मात दे दी।

क्या सौम्या और तीन पार्षदों को बर्खास्त करना गलत था?

6 महीने बाद भी सौम्या गुर्जर के जवाब पर सरकार चुप

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। नगर निगम ग्रेटर में 2 साल पहले हुए विवाद पर मेयर सौम्या गुर्जर और तीन पार्षदों की कुर्सी चली गई थी। उस पर अब तब सरकार ने चुप्पी साध रखी है। हाईकोर्ट के आदेशों पर सभी जनप्रतिनिधियों के पक्ष को सुनने के बाद सरकार जो निर्णय करना था। वो 6 माह बीतने के बाद भी फाइलों में बंद है। ऐसे में अब चर्चाएं हैं कि इस विवाद में सरकार ने जिस तरह तत्कालीन कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह देव को सही मानते हुए सौम्या गुर्जर और तीनों पार्षदों को दोषी माना था। न्यायिक जांच के आधार पर चारों को पद से बर्खास्त किया था। वह गलत था। हालांकि राजनीतिक गलियारों में एक चर्चा ये भी है कि मेयर सौम्या गुर्जर का सरकार के प्रति समर्पण भाव रखने से उनकी कुर्सी अब तक बची हुई है। इस बात के संकेत पिछले 6 महीने से मेयर बदले सुर को देखकर भी लग रहे है। पिछले 6 माह की स्थिति देखें तो सौम्या गुर्जर ने संगठन के उन सभी कार्यक्रम से खुद को दूर कर लिया है, जो सरकार के विरोध में है। एक भी सत्ता विरोधी धरने प्रदर्शन में मेयर ने संगठन का साथ नहीं दिया। यही नहीं पिछले दिनों हुई साधारण सभा में टोंक रोड का नाम पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत के नाम से करने का प्रस्ताव आया तो उन्होंने इस पर चर्चा भी करवाना उचित नहीं समझा। सभा को ही स्थगित कर दिया। इसके विरोध में भाजपा के ही मेयर के खिलाफ धरने पर बैठ गए थे। पिछले साल नवंबर के आखिरी सप्ताह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात के बाद मेयर सौम्या गुर्जर ने अपना

जवाब स्वायत्त शासन निदेशालय के निदेशक को लिखित में प्रस्तुत किया था। उस समय निदेशक ने बयान दिया था कि इस जवाब का कानूनी प्रशिक्षण करवाने के बाद कोई निर्णय किया जाएगा। अगर कार्रवाई की जाती तो सौम्या गुर्जर पद से बर्खास्त हो सकती थीं या फिर बरी कर दिया जाता।

ऐसे में इस बात को आज 6 माह बीत गए और अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ। एक समय था, जब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के दूसरे दिन ही मेयर को पद से बर्खास्त कर दिया था उसके तुरंत बाद ही मेयर के उपचुनाव करवाने के लिए निर्वाचन आयोग को पत्र लिख दिया था। यही नहीं मेयर को इस घटना के तीसरे दिन ही सरकार ने सस्पेंड करके मामले की न्यायिक जांच भी शुरू करवा दी थी।

सरकार ने हाल ही में प्रताप नगर सांगानेर में अल्पसंख्यक छात्रावास बनाने के लिए हाउसिंग बोर्ड के जरिए जमीन आवंटित करवाई थी। इस जमीन के आवंटन का विरोध करने संगठन से जुड़े तमाम नेता सांगानेर की सड़कों पर उतरे। इसमें सांसद, विधायक, उपमहापौर, पार्षद समेत भाजपा के तमाम पदाधिकारी थे, लेकिन मेयर इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हुई।

पिछले दिनों संगठन की ओर से शहर में कई जगह बिजली समेत दूसरे मुद्दों पर प्रदर्शन किए, जिसमें मेयर शामिल नहीं हुई।

पिछले दिनों सांगानेर में मेयर ने अंत्योदय योजना के तहत एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करवाया, जिसमें संगठन से जुड़े लोगों को ही नहीं बुलाया। इस कार्यक्रम को लेकर संगठन के कुछ लोगों ने विरोध भी जताया था।

सरकार के हर छोटे से बड़े कार्यक्रम में मेयर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही है। सौम्या गुर्जर की ओर से अपना लिखित में जवाब पेश करने के बाद इस मामले पर दो महीने पहले विधानसभा में भी बहस चली थी। तब यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा था कि ज्यूडिशरी जांच में ग्रेटर नगर निगम जयपुर की मेयर दोषी पाई गई है। सुप्रीम कोर्ट से आदेश है कि सरकार जो निर्णय करना चाहे कर सकती है।

30 आईपीएस और 7 आईएएस के ट्रांसफर

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार सुबह 30 आईपीएस और 7 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। जारी लिस्ट के मुताबक 3 आईपीएस और 2 आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। सरकार ने डीजी से लेकर एसपी तक 30 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। जानकारों की मानें तो राज्य सरकार अब चुनावी मोड में आ चुकी हैं। इसी को लेकर सरकार की ओर से यह बदलाव किया गया हैं। हालांकि, अभी आईपीएस और आईएएस के तबादले की बड़ी सूची आना बाकी है। यह लिस्ट रिएक्शन देखने के लिए भी जारी की गई है, यह संभावना जताई जा रही हैं। फिलहाल 11 SP के भी जिले बदले हैं। इसके साथ ही कुछ पुलिस अधिकारियों को ऑफिस से हटाकर फील्ड पोस्टिंग भी दी गई है। वहीं, सात आईएएस में गौरव अग्रवाल भी शामिल हैं। पेपरलीक के आरोपी शेर सिंह को वाइस प्रिंसिपल बनाने के विवाद में गौरव अग्रवाल को एपीओ कर दिया था। अब उन्हें कृषि एवं पंचायती विभाग में आयुक्त लगाया गया है। इसके अलावा जोधपुर दक्षिण और जोधपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी के भी आयुक्त बदले गए हैं।

विधायक सोलंकी बोले- पायलट पर फैसला लटकाने से कार्यकर्ता निराश

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। सचिन पायलट समर्थक विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा है कि पायलट भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे हैं। सचिन पायलट की मांगों पर सीएम को जल्द फैसला करना चाहिए। तीनों मांगों पर फैसला करना है तो करें। नहीं तो मना करें। अधरझूल में मामला नहीं रखना चाहिए। सोलंकी प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

सोलंकी ने कहा- जो भी निस्तारण करना है। वह समय पर करना चाहिए। इससे कार्यकर्ताओं में जोश आए। मांगे पूरी नहीं होने पर कहा कि हम सब लोग सचिन पायलट के साथ हैं। सचिन पायलट का आंदोलन युवाओं से जुड़ा हुआ है। पायलट भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे हैं। उनकी मांग युवाओं से प्रेरित है। युवाओं में जो एक आक्रोश था उस आक्रोश में पायलट शामिल हैं। हम आलाकमान को पायलट की बात पर समय पर फैसला करना चाहिए।

सोलंकी ने कहा- जो कुछ करना है वह समय पर करना चाहिए, जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश बने। सब लोग मिलकर चुनाव लड़ते हैं तो कांग्रेस की सरकार बन जाएगी। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जो ऊर्जा का संचार करना है तो फैसला लेना हो तुरंत लें। फैसला तुरंत प्रभाव से होना चाहिए। जो भी आलाकमान फैसला लेगा हम सब सहमत होंगे।

सचिन पायलट समर्थक वेद प्रकाश चाकसू से विधायक हैं।

सचिन पायलट समर्थक वेद प्रकाश चाकसू से विधायक हैं।

पायलट मामले का निस्तारण नहीं होने तक कार्यकर्ताओं में जोश नहीं सोलंकी ने कहा- हम कांग्रेस के साथ हैं, लेकिन जिस तरह से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश-खरोश होना चाहिए वह तब तक नहीं आएगा। जब तक कोई निस्तारण नहीं हो जाता। जब तक पटाक्षेप नहीं हो जाता तब तक यह नहीं होगा। जो कुछ होना है। वह जल्दी होना चाहिए। जो कुछ करना है, वह जल्दी करना चाहिए। जो भी फैसला लेना वह लेना चाहिए हम सब आलाकमान के साथ हैं। जो फैसला लेंगे वह माना जाएगा।

पायलट सुलह बैठक के बाद तीन मांगों पर समझौते से इनकार कर चुके सचिन पायलट बीजेपी राज के करप्शन पर कार्रवाई और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर किसी तरह का समझौता नहीं करने का बयान दे चुके हैं।

दिल्ली में हुई सुलह बैठक के बाद कांग्रेस ने समझौते का दावा किया था। लेकिन पायलट तीन मांगों और अल्टीमेटम पर अड़े हैं। पायलट का अल्टीमेटम खत्म हो चुका है। पायलट ने दो दिन पहले कहा था कि सरकार के फेसले का इंतजार है।

जयपुर के डी-मार्ट में झगड़ा

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। जयपुर के डी-मार्ट में दो परिवारों में झगड़ा हो गया। लिफ्ट में दोनों परिवारों में कहासुनी हुई थी। इसके बाद लिफ्ट से बाहर निकलते ही दोनों में लात-घुसे चले। डी-मार्ट में लगे सीसीटीवी फुटेजों में मारपीट की घटना कैद हो गई। इस संबंध में प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई है।

मामला प्रताप नगर स्थित डी-मार्ट का है। 21 मई की शाम डी-मार्ट में दो परिवार खरीदारी करने गए थे। खरीदारी करते समय लिफ्ट से दोनों ही परिवार डी-मार्ट की 2 फ्लोर पर जा रहे थे। लिफ्ट में किसी बात को लेकर दोनों परिवारों के सदस्यों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते कहासुनी ने झगड़े का रूप ले लिया।

डी-मार्ट की 2 फ्लोर पर लिफ्ट से उतरते ही दोनों परिवारों में मारपीट शुरू हो गया। दोनों ही पक्षों में जमकर लात-घुसे चले। झगड़े को देखकर डी-मार्ट में मौजूद कस्टमर्स में हंगामा मच गया। लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को पकड़ कर अलग किया।

प्रताप नगर थाने में शिप्रापथ निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि वह अपनी पत्नी और सास-ससुर के साथ डी-मार्ट में शॉपिंग करने गए थे। लिफ्ट को एक महिला रोक कर खड़ी थी। लिफ्ट में जाने की कहा तो उसने मना कर दिया। आरोप है कि कहा कि पति के आने के बाद ही लिफ्ट चलेगी और अंदर नहीं जाने दिया। पति के आने के बाद जब लिफ्ट में गए तो उस महिला ने गाली-गलौच करना शुरू कर दिया। उनकी पत्नी ने उन्हें मना किया तो उसके पति ने पत्नी के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। 2 फ्लोर पर पहुंचते ही मारपीट करना शुरू कर दिया।

दूसरे पक्ष के किशन शर्मा का कहना है कि मेरे साले नरेन्द्र, पत्नी और 6 साल की बच्ची के साथ डी-मार्ट गए थे। लिफ्ट के बटन बंद करने की बात को लेकर आपस में कहासुनी हुई थी।

बेनीवाल बोले - परिवहन घोटाले में प्रताप सिंह जेल में होते

कहा - पायलट को कुछ भी बना दो, जनता कांग्रेस को वोट नहीं करेगी

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। आरएलपी संयोजक व सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने कांग्रेस में रहकर भ्रष्टाचार और गहलोत-वसुंधरा के गठबंधन पर सवाल खड़े किए। पायलट गलत पार्टी में हैं, उन्हें पार्टी से बाहर आ जाना चाहिए। कांग्रेस पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। अब पायलट भी उसको नहीं सुधार सकते है। कांग्रेस पायलट को कुछ भी बना दे। जनता इस बार कांग्रेस को वोट नहीं करेगी। वहीं हनुमान बेनीवाल ने गहलोत के कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि अगर परिवहन घोटाले की जांच सीबीआई से हो जाती तो प्रताप सिंह खाचरियावास जेल में होते। बेनीवाल ने कहा- पहले खाचरियावास पायलट के साथ थे। लेकिन अचानक उनका हृदय परिवर्तन कैसे हो गया। वो इसलिए हुआ कि परिवहन घोटाले की जो फाइल थी। उसे मंगवा लिया गया और उन्हें पढ़ा दिया गया। मैं आरोप लगाकर बदलने वालों में से नहीं हूं। मैं इतना कह सकता हूं कि अगर परिवहन घोटाले की जांच सीबीआई से हो जाती तो प्रताप सिंह खाचरियावास आज जेल में होते। बेनीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के आसपास भ्रष्टाचारियों का अड्डा है। उनका ओएसडी देवाराम सैनी भी यहीं काम कर रहा है।

बेनीवाल ने कहा कि पायलट अलग पार्टी बनाते है तो हम पायलट के साथ गठबंधन करने को तैयार है। पायलट का गुर्जर समाज के साथ-साथ युवाओं में

भी क्रेज है। एक और एक ग्यारह होते है। पायलट नहीं भी आते है तो आरएलपी राजस्थान में तीसरी ताकत के रुप में लड़ाई लड़ती रहेगी। हमने 2018 में भी पायलट को सपोर्ट किया था। वहीं जब सरकार गिर रही थी तो उस समय भी हमारे 3 विधायक पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के लिए भाजपा के साथ खड़े थे।

वसुंधरा भ्रष्टाचार की देवी, पीएम ने उन्हें बगल में बैठाया

हनुमान बेनीवाल ने कहा कि वसुंधरा भ्रष्टाचार की देवी है और पीएम मोदी उन्हें बगल में बैठाकर कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे है। पहले उन्हें वसुंधरा राजे को वहां से हटाना चाहिए था। बेनीवाल ने कहा कि पीएम कर्नाटक और हिमाचल भी रैलियां करने गए थे। लेकिन उनके चेहरे पर जनता वोट नहीं दिए। यहां भी मोदी का जादू नहीं चलने वाला है। इस बार राजस्थान का युवा बदलाव चाहता है, वो भाजपा और कांग्रेस को इस बार घर बैठाएगा। भाजपा वाले किसी मुगालते में नहीं रहे। जून में सरकार के खिलाफ 8 जगह होंगे कार्यक्रमजून माह में आरएलपी सरकार के खिलाफ 8 जगह प्रदर्शन करेगी।

आरएलपी संयोजक व सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि प्रदेश में बजरी माफिया जनता को लूट रहे है।

राजस्थान 10वीं बोर्ड; लक्ष्य के 600 में से 597 नंबर

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2023 की माध्यमिक, माध्यमिक व्यावसायिक शिक्षा, प्रवेशिका परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया गया। इस साल का रिजल्ट 90.49 प्रतिशत रहा है, यह पिछले साल से करीब 7.6 प्रतिशत ज्यादा है।

इस साल भी छात्राओं ने बाजी मारी है और उनका रिजल्ट 91.3 प्रतिशत रहा। वहीं, छात्रों का रिजल्ट 89.78 रहा है। करौली जिले के हिंडौनसिटी के कांचरोली के सेंट फ्रांसिस सेकेंडरी स्कूल के छात्र लक्ष्य चतुर्वेदी ने 99.50 प्रतिशत अंक हासिल कर संभवतः प्रदेश में टॉप किया है।

इसी तरह झुंझुनूं की दीक्षा चौधरी और जयपुर की गौरांगी यादव ने 99% अंक हासिल किए हैं। जिलेवार प्रदर्शन के अनुसार झुंझुनूं पहले नंबर पर जबकि कोटा सबसे पिछड़ा जिला रहा है।

यह परिणाम बोर्ड की वेबसाइट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। वहीं, बोर्ड की तरफ से अभी टॉपर्स की लिस्ट जारी नहीं की गई है।

करौली के लक्ष्य के 600 में से 597 नंबर, झुंझुनूं की दीक्षा के 594 नंबर जिलेवार परीक्षा परिणाम देखा जाए तो 95.70 प्रतिशत के साथ झुंझुनूं पहले नंबर पर रहा है। जबकि सबसे पिछड़ा जिला कोटा रहा। यहां 10वीं बोर्ड का रिजल्ट 79.48 प्रतिशत आया।

600 में से 597 नंबर लाने वाले करौली के लक्ष्य के पिता पवन चतुर्वेदी व्यवसायी हैं और मां व्याख्याता है। लक्ष्य अब आईएएस बनकर प्रशासनिक सेवा में जाना चाहता है।

वहीं, झुंझुनूं के नवलगढ़ क्षेत्र के बलवंतपुरा फाटक पर स्थित सरस्वती स्कूल की छात्रा दीक्षा के 600 में से 594 अंक आए हैं। दीक्षा ने हिन्दी में 99, अंग्रेजी में 96, साइंस में 100, सामाजिक ज्ञान में 99, गणित में 100 व संस्कृत में 100 अंक प्राप्त किए हैं। दीक्षा चौधरी के पिता विनोद चौधरी खेती-बाड़ी करते हैं। मां सुनीता देवी गृहिणी हैं।

राजस्थान के किसान से मिलने आ रहे ऑस्ट्रेलिया-फ्रांस के साइंटिस्ट

सिरोही, 2 जून (एजेंसियां)। देश की सबसे महंगी सौंफ राजस्थान में पैदा होती है। देश में भाव 350 रुपए किलो हो तो यहां 450 मिलेगा। फिर भी डिमांड में ये सौंफ है। वजह है ओरिजिनल ग्रीन रंग, शुद्ध स्वाद, मोटा दाना। यहां की सौंफ को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान मिली एक किसान की बदौलत। जिसने लगातार प्रयोग किए और सौंफ की खेती की दशा-दिशा बदल दी। इसके लिए किसान को नेशनल लेवल पर अवॉर्ड मिला है।

सिरोही से 50 किलोमीटर दूर है पिंडवाड़ा तहसील। इसके काछोली गांव की पहचान सौंफ से है। सौंफ किंग किसान इशाक का परिवार 40 साल पहले गुजरात के बड़नगर के बादरपुर गांव से यहां आकर बसा था। तब इस इलाके में किसान सौंफ की खेती परंपरागत तरीके से करते थे। गुजरात से आए किसान परिवार ने नई तकनीक अपनाई और सौंफ की खेती में कीर्तिमान स्थापित कर दिए। काछोली की सौंफ क्वालिटी में लाजवाब है। देशभर में इसकी डिमांड है।

विदेशों में भी इसे मसाले के तौर पर बहुत पसंद किया जा रहा है। विदेशों से कृषि वैज्ञानिक सिरोही पहुंचकर इस सौंफ के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। किसान इशाक अली ने बताया कि काछोली में उगने वाली सौंफ 100 रुपए प्रति किलो तक महंगी बिकती है। सौंफ की एक सीजन में 20 से ज्यादा बार रिपिकिंग (कटाई) की जाती है। अच्छी फसल से स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिलता है।

सौंफ की एक सीजन में 20 से ज्यादा बार रिपिकिंग (कटाई) की जाती है। अच्छी फसल से स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिलता है। सौंफ से महकती है गांव की हवा काछोली जाने के लिए पिंडवाड़ा या आबूरोड के रेलवे स्टेशन पर उतरना होता है। यहां से स्वरूपगंज होते हुए काछोली गांव है।

एक चाबी से कैसे खुला बच्चे के मर्डर का राज

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां) जयपुर में 12 साल के बच्चे की हत्या के मामले में नया खुलासा हुआ है। आरोपी की जेब में मिले 13 चाबियों के गुच्छे से हत्या का पूरा राज खुला। पुलिस ने एक-एक करके हर चाबी के बारे में पूछा। आखिर में 13वीं चाबी के बारे में पूछने पर आरोपी के चेहरे का रंग उड़ गया और पुलिस खुलासे तक पहुंच गई। आरोपी चचेरे भाई ने हत्या से पहले बच्चे से कुकर्म भी किया। मामला लालकोठी थाना इलाके का 24 मई का है। पुलिस ने बताया कि 35 साल के आरोपी ने अपने से 12 साल छोटे भाई की खोह नागोरियन इलाके के आयशा कॉलोनी में ले जाकर हत्या कर दी थी। 25 मई को बच्चे के परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। 30 मई को पुलिस को एमडी रोड के सीसीटीवी फुटेज मिले थे। फुटेज में चचेरा भाई 24 मई को नाबालिग को लेकर एमडी रोड से होता हुआ घाटगेट की ओर जाता दिखा था। पुलिस को आरोपी की हरकत देखकर उस पर शक हो गया था। 31 मई को आरोपी से पूछताछ शुरू की गई। पुलिस को शक था कि आरोपी ने बच्चे के टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं। इसलिए जयपुर के नाले खंगाले। गांधी नगर थाने में पुलिस 31 मई को आरोपी से 12 घंटे तक पूछताछ करती रही। दिनभर हुई पूछताछ में कुछ सामने नहीं आया। इसके बाद रात करीब 10 बजे उसे सुबह छोड़ने पर विचार बना लिया था। इसी दौरान आरोपी की पेंट की जेब से चाबी के गुच्छे की आवाज आई।

ढाबा संचालक से मारपीट जीप से कुचलने की कोशिश

उदयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। उदयपुर के गोगुंदा में एनएच-27 पर घटामाता चौराहे स्थित मूलजी का ढ़ाबा संचालक व उसके परिजनों को जीप से कुलचने का प्रयास करने और मारपीट करने का मामले सामने आया है। जोधपुर के सालावास निवासी ढाबा संचालक प्रमोद प्रजापत ने इस संबंध में गोगुंदा थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। संचालक ने रिपोर्ट में बताया कि रात करीब 4 से 5 लोग आए। जिन्होंने काउंटर पर आकर आईसक्रीम मांगी। आरोपियों ने शराब पी हुई थी। संचालक के भाई ने आईसक्रीम देकर रुपए मांगे तो वे अभद्रता करने लगे। संचालक ने पास में खड़ी भाभी से भी छेड़कानी करने का आरोप लगाया। संचालक का आरोप है कि छोटा भाई ललित प्रजापत ने जाकर टोका तो उसके साथ मारपीट की। बाद में अन्य दो साथियों को ढाबे पर बुला लिया। थोड़ी देर बाद जीप में आए आरोपियों के साथियों ने ढाबे के बाहर खड़े भाई-भाभी, छोटे भाई और स्टाफ पर जीप चढ़ाकर कुचलने का प्रयास किया, जिससे वे बच गए।

100 डॉक्टरों से ठगी कर अरबपति बनी डॉक्टर

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के 100 से ज्यादा नामी डॉक्टर्स से करोड़ों रुपए ठगने वाली गैंग। इस गैंग का सरगना खुद एमबीबीएस पास डॉक्टर। उसकी क्राइम पार्टनर क्लिनिक पर काम करने वाली नर्स। इस बंटी-बबली की जोड़ी ने डॉक्टरों को ऐसे ठगा कि खुद दो साल में अरबपति बन गए। वहीं इनके शिकार हुए कुछ डॉक्टर बैंकों के डिफॉल्टर बन गए और कुछ डिफॉल्टर बनने से बचने के लिए खुद की जेब से पैसा चुका रहे हैं। साल 2019 में दर्ज हुई एक FIR पर कार्रवाई करते हुए जयपुर की सांगानेर थाना पुलिस ने हाल ही में इस ठगी के मास्टरमाइंड डॉक्टर और उसकी पर्सनल असिस्टेंट को डूंगरपुर से गिरफ्तार किया है। दोनों ने पुलिस के सामने कई राज उगले हैं। डॉक्टर्स को झांसे में लेने के लिए एमबीबीएस ठग अपनी नर्स को असिस्टेंट बनाकर बीएमडब्लू -ऑडी और मर्सिडीज गाड़ियों से डील करने जाता था। फाइव स्टार होटल्स, पब और डिस्को में पार्टियां अरेंज करता था। खुद का माइंस, होटल्स, बिल्डर, रेस्त्रां, शेयर ब्रोकिंग बिजनेस बताकर पार्टनर बनने का झांसा देता था। दैनिक भास्कर ने इस महाठगी की तह तक जाने के लिए शिकार हुए दो पीड़ित डॉक्टर से संपर्क किया। उनसे आपबीती जानी तो कई चौंकाने वाले सच सामने आए।

नशीली पदार्थों के खतरे से लड़ने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करेगा टीएसएनएबी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नशीली पदार्थों के खतरे से लड़ने के लिए गठित तेलंगाना राज्य एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीएसएनएबी) ड्रग रैकेट और अपराधियों का पता लगाने, जांच करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और जमीनी स्तर के संचालन दोनों का उपयोग करेगा। एक पूर्ण तकनीकी विंग टीएसएनएबी का हिस्सा है जहां अधिकारी अपराधियों के डेटा का विश्लेषण करेंगे, उनकी निगरानी करेंगे, सोशल मीडिया और डार्क नेट से खुफिया जानकारी इकट्ठा करेंगे, सूचना के लिए अपराधियों से जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की जांच करेंगे और वित्तीय विश्लेषण करेंगे। क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन और सिम कार्ड से डेटा पुनर्प्राप्त करने की भी सुविधाएं हैं। टीएसएनएबी के निदेशक, सीवी आनंद ने कहा कि तकनीकी शाखा बैकएंड से पूरे ऑपरेशन का समर्थन करेगी, जबकि टास्कफोर्स और क्षेत्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल सेल संचालन करेंगे। हैदराबाद, साइबराबाद, राचाकोंडा और वारंगल आयुक्तालयों में चार नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन हैं जहां मामले दर्ज किए जाएंगे। टीएसएनएबी के पास एक डॉग स्क्वायड है और कुत्ते सामान या वाहनों में छुपाए गए नशीले पदार्थों को सूँघने में खोजी कुत्तों की सहायता करेंगे। उन्होंने कहा कि एक जांच निगरानी और कानूनी शाखा भी है जो नशीली दवाओं के अपराधियों के लिए सजा सुरक्षित करने के लिए काम करेगी।

टीएसएनएबी के अधिकारी एनडीपीएस मामलों को लेने के लिए चार विशेष अदालतों की स्थापना के लिए संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं। हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा और वारंगल में अदालतें स्थापित किए जाने की संभावना है। समर्पित टीमों द्वारा शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर टीएसएनएबी के अधिकारियों द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

हिन्दी महाविद्यालय में तेलंगाना स्थापना दिवस आयोजित

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय में तेलंगाना स्थापना दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मानद मंत्री शील कुमार जैन तथा कोषाध्यक्ष एस. बी. काबरा उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत परेड के साथ हुआ। उपस्थित अतिथिगण, प्राचार्य, उप-प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी, श्रीमती अश्विनी सनपुरकर ने झंडा रोहण किया तथा पवित्र तिरंगे को सलामी दी। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकण, ऑफिस स्टॉफ तथा एन.एस.एस. के छात्र कार्यक्रम में उपस्थित थे। शील कुमार जैन तथा एस.बी. काबरा ने सभी को तेलंगाना दिवस की बधाई देते हुए अवसरोचित संदेश दिये। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अविनाश जायसवाल ने बड़े ही सधे हुए ढंग से किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सी. सुदीप ने किया।

जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. जीपी प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद के मार्गदर्शन में प्राच्य पांडुलिपि पुस्तकालय और अनुसंधान संस्थान, उस्मानिया विश्वविद्यालय डॉ. क्रिस एंटनी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) द्वारा भारत सरकार के पर्यावरण अभियान के लिए जीवन शैली पर एक जागरूकता व्याख्यान दिया। उन्होंने कार्यक्रम के विषयों पर प्रकाश डाला और श्रोताओं से आग्रह किया कि वे एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक को छोड़कर पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाएं और बिना सोचे-समझे खपत और जानबूझकर प्रकृति के विनाश को कम करने का आग्रह किया। इसके उपरांत डॉ. साजिद सैयद, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (आयुर्वेद) द्वारा 'मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में दिन-प्रतिदिन के जीवन में आयुर्वेद' विषय पर आयुर्वेद द्वारा बताई गई आचार संहिता को अपनाकर मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बनाए रखा जा सकता है इसके बारे में जानकारी प्रदान की। श्री श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, एनआईआईएमएच और जे सत्यनारायण मूर्ति, प्राच्य पांडुलिपि पुस्तकालय और अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने कार्यक्रम का समन्वय किया। पोलेपु सुब्बा राव, निदेशक, प्राच्य पांडुलिपि पुस्तकालय और अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने एनआईआईएमएच की टीम के प्रयासों की सराहना की और डॉ. जी. पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक जी को कार्यक्रम के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम में श्रीमती वसंती अनुसंधान अधिकारी (तेलुगु), श्रीमती तनवीर फातिमा, अनुसंधान सहायक (उर्दू, अरबी और फारसी), डॉ. अब्दुल गनी, अनुसंधान सहायक (संस्कृत) और संस्थान के अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

दाहिमा महिला मण्डल के चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दाहिमा महिला मण्डल (रजि.) हैदराबाद-सिकंदराबाद की बैठक का आयोजन हैदरगुडा में किया गया, जिसकी अध्यक्षता संस्था की अध्यक्षा उषा पलोड़ ने की।

आज प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए हुए संस्था की प्रचार मंत्री अनुसूया शर्मा ने बताया कि आज की बैठक में आम सहमति से श्रीमती शोभा तिवारी को अध्यक्ष एवं श्रीमती प्रेमा डोबा को महामंत्री वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के लिए मनोनीत किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने मनोनीत अध्यक्ष एवं मंत्री को बधाई ज्ञापित की। नवनिर्वाचित अध्यक्षा ने समाज में एकता और अखंडता की भावना पर जोर दिया एवं जल्द आगामी बैठक का आयोज कर मंत्री मण्डल का विस्तार एवं कार्यकारिणी गठन करने का आश्वासन दिया। बैठक में उषा पलोड़, शोभा तिवारी, प्रेमा डोबा, अमिता जोपट, लक्ष्मी सुंठवाल, सरोज बरमोटा, हेमलता शर्मा, शशिकला रतावा, कल्पना मुंडेल, रीता डोबा, रेखा जामवाल, सुरुचि जोशी, रमा तिवारी, प्रतिभा डोबा, दीपा तिवारी, संजना डोबा, निकिता, शांति बरमोटा आदि गणमान्य महिला मण्डल सदस्य उपस्थित रहे।

केरल के गांव में जमीन से आ रही तेज आवाजें

कोट्टायम, 2 जून (एजेंसियां)। केरल के कोट्टायम जिले के चेनापडी गांव में लोगों को जमीन के अंदर से रहस्यमयी आवाजें सुनाई दे रही हैं। ये आवाजें किसकी हैं और क्यों आ रही हैं, इसके बारे में कुछ जानकारी नहीं मिली।

लोगों का कहना है कि शुक्रवार सुबह दो बार तेज आवाजें सुनी गईं। एक हफ्ते पहले भी इसी इलाके में ऐसी ही आवाजें सुनाई दी थीं। हालांकि आसपास के मौसम में किसी तरह का बदलाव नहीं देखा गया।

श्याम के प्यारे के तत्वावधान में पहाडी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में आयोजित 'एक शाम पहाडी वाल श्याम के नाम' कीर्तन में भजन गायक सचिन-राधे (हरियाणा) का सम्मान करते हुए श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, हैदराबाद के भजन गायक हर्ष बंसल, शिवम् शर्मा। साथ में हैं श्याम के प्यारे के सदस्य एवं अन्य।

शुक्रवार को वज्रोत्सव पूजा के 38वें दिन के अवसर पर श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिरम, हरीबोली में आयोजित महाभिषेकम और चंडी होम में भाग लेते हुए मंदिर समिति के आयोजन सचिव एसपी क्रांति कुमार व अन्य।

सिकंदराबाद आरपीएफ ने मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सिकंदराबाद डिवीजन ने गुरुवार को दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ज़ोन के तहत तेलंगाना एक्सप्रेस में आठ बाल तस्करी पीड़ितों को बचाया और उत्तर प्रदेश के चार तस्करों को हिरासत में लिया। ऑपरेशन एनजीओ बचपन बचाओ आंदोलन के सहयोग से और आरपीएफ के साइबर सेल द्वारा निरंतर डेटा विश्लेषण से उत्पन्न खुफिया जानकारी के आधार पर आयोजित किया गया था।

आरपीएफने ट्रेन को एस्कॉर्ट किया और बल्लारशाह से हैदराबाद तक लक्षित छापे मारे। आरपीएफ सिकंदराबाद की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) द्वारा ऑपरेशन चलाया गया था और इसमें ट्रैफिकर्स की सीट और कोच नंबर की पहचान करने और इंगित करने के लिए संदिग्ध कोचों पर कड़ी नजर रखी गई थी। आरपीएफ, सिकंदराबाद ने इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, और मानव तस्करी के खतरों के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान शुरू करने सहित कई उपायों को लागू किया है। वर्ष 2023 में, आरपीएफ सिकंदराबाद ने 151 बच्चों को बचाया और 69 तस्करों को गिरफ्तार किया। हाल के वर्षों में, आरपीएफ ने व्यक्तियों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के परिवहन को रोकने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर दिया है, जिनकी जबरन श्रम और व्यावसायिक यौन शोषण के लिए तस्करी की जाती है।

शहर के बाहरी इलाके में नाबालिग के साथ दुष्कर्म

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मैलारदेवपल्ली में एक नाबालिग लड़की के साथ एक व्यक्ति ने कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस के मुताबिक, जिस मोहल्ले में नाबालिग लड़की रहती थी, उसी मोहल्ले का रहने वाला दिहाड़ी मजदूर शेख सलमान उर्फ शेख अहमद (20) ने प्यार के बहाने लड़की को बहला-फुसलाकर अपने घर ले आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने अपने तीन दोस्तों के साथ, जो कि निर्माण श्रमिक भी हैं, लड़की को धमकी दी कि वह घटना के बारे में किसी को न बताए, अन्यथा वे उसे और परिवार को नुकसान पहुंचाएंगे। जब लड़की की मां ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा, तो उसने पूछताछ की और लड़की ने गुरुवार को आपबीती सुनाई। शिकायत के आधार पर मैलारदेवपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है, लेकिन पुलिस ने अभी तक गिरफ्तारी की घोषणा नहीं की है। इस बीच, लड़की को चिकित्सा परीक्षण के लिए अस्पताल और बाद में मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए एक सुविधा के लिए भेजा गया है।

पिछले नौ सालों में सिंगरेनी का टर्नओवर 176 फीसदी बढ़ा

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन. श्रीधर ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के सक्षम मार्गदर्शन में पिछले नौ वर्षों में कंपनी का कारोबार 176 प्रतिशत बढ़ा है।

शुक्रवार को यहां सिंगरेनी भवन में राज्य के दसवें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए श्रीधर ने कहा कि तेलंगाना के गठन से पहले कंपनी का कारोबार रुपये था। 11,928 करोड़ और पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान यह रु। 32,978 करोड़, 176 प्रतिशत की वृद्धि। यहां तक कि कंपनी का मुनाफा भी 2014 में 419 करोड़ रु. वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2,184 करोड़, 421 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

यह कहते हुए कि कंपनी कोयला उत्पादन और परिवहन में बहुत अच्छा कर रही है, श्रीधर ने कहा कि कंपनी ने पिछले नौ वर्षों में कोयला उत्पादन में 33 प्रतिशत और कोयला परिवहन में 39 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने पिछले नौ वर्षों में 14 नई खदानें शुरू की हैं और अगले पांच वर्षों में कोयले के उत्पादन को 67 मिलियन टन से बढ़ाकर 100 मिलियन टन करने की योजना है, जिसके लिए 8 नई खदानें खोली जाएंगी। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी कॉर्पोरेशन सिंगरेनी थर्मल पावर स्टेशनके माध्यम से 1200 मेगावाट बिजली पैदा कर रहा था और यह वर्तमान बिजली उत्पादन क्षमता को 4,000 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए थर्मल और सौर ऊर्जा स्टेशन स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा था।

बोइनपल्ली प्ले ग्राउंड में तेलंगाना स्थापना दिवस

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कैंटोनमेंट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में तेलंगाना राज्य का 10वां स्थापना दिवस समारोह आज बोइनपल्ली प्ले ग्राउंड और तेलंगाना मदर स्टैच्यू में भव्य पैमाने पर आयोजित किया गया। बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और फिर मां तेलंगाना की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर बोलते हुए जम्पना प्रताप ने कहा कि यद्यपि तेलंगाना आंदोलन 1969 में शुरू हुआ था, लेकिन यह 2001 के बाद से जोरदार ढंग से जारी रहा। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने तेलंगाना राज्य की घोषणा की, क्योंकि कई छात्रों ने तेलंगाना राज्य के लिए अपना बलिदान दिया। कार्यक्रम में खेल संघ का प्रतिनिधित्व प्रभु कुमार गौड़ ने किया।

एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी, बोइनपल्ली कार्यालय में तेलंगाना स्थावना दिवस समारोह मनाया गया। इसमें भाग लेते हुए मार्केट कमेटी की चेयरपर्सन श्रीमती हरिका आनंद बाबू, ए.गौतम जैन, वेणुगोपाल रेड्डी व अन्य।

अग्रणी महिला मंच द्वारा मनाये गये तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह में भाग लेती हुईं मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, सुनयना नरसरिया, प्रीति गोयल, रूपा गुप्ता, रितु गोयल व अन्य।

भाजपा राज्य कार्यालय में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के दौरान ध्वजारोहण किया गया। इसमें भाग लेते हुए तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय, पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, पार्षद राकेश जायसवाल व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तेलंगाना 'स्वर्णिम' पथ...

यह कहते हुए कि तेलंगाना राज्य ने बड़ी और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण करके सिंचाई क्षेत्रों में शानदार उपलब्धि हासिल की है, मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 75 लाख एकड़ कृषि भूमि में अब सिंचाई की सुविधा है और राज्य सरकार आयकट क्षेत्र को आने वाले दिनों में 1.25 करोड़ एकड़ तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने शुभकामनाएं दीं

तेलंगाना स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। दशकों लंबे आंदोलन के बाद 2014 में तेलंगाना को आंध्र प्रदेश से अलग करके एक नया राज्य बनाया गया था। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि तेलंगाना के स्थापना दिवस पर इस अद्भुत राज्य के लोगों को मेरी शुभकामनाएं। तेलंगाना के लोगों के कौशल और राज्य की समृद्ध संस्कृति की बहुत प्रशंसा की जाती है। मैं तेलंगाना की भलाई और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं।

ओडिशा में ट्रेन हादसा...

बनर्जी ने कहा कि हम ओडिशा सरकार और रेलवे अधिकारियों के साथ सहयोग करने और बचाव कार्यों में मदद के लिए 5-6 सदस्यों की एक टीम मौके पर भेज रहे हैं। मैं मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत रूप से लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हूं।

भारतीय रेलवे ने फंसे यात्रियों के परिजनों को के लिए और मदद के लिए नंबर जारी किया है। किसी भी यात्रा को अपने परिवार के सदस्य को लेकर जानकारी चाहिए है तो वह +91 6782 262 286, 8972073925, 9332392339, 8249591559, 7978418322 और 9903370746 पर संपर्क कर सकते हैं।

बता दें कि 12841 शालीमार-मद्रास कोरोमंडल एक्सप्रेस शालीमार से दोपहर 3.20 बजे रवाना होती है और कुल 1656 किलोमीटर की दूरी तय करती है। अगले दिन शाम 4.50 बजे एमजी रामचंद्रन सेंट्रल रेलवे स्टेशन (चेन्नई) पंहुचती है। ट्रेन बालासोर के पास हादसे की शिकार हुई। यह ट्रेन शाम 6.32 बजे बालासोर पहुंचती है।

ओडिशा ट्रेन हादसे पर राष्ट्रपति पीएम ने जताया दुख

ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु ने ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि ओडिशा में ट्रेन हादसे की घटना से व्यथित हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की और स्थिति का जायजा लिया। दुर्घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्वीट किया, ओडिशा के बालासोर में एक दुर्भाग्यपूर्ण रेल दुर्घटना में लोगों की मौत के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। बहानागा बाजार स्टेशन पर यह हादसा तब हुआ जब कोरोमंडल एक्सप्रेस कोलकाता के नजदीक शालीमार स्टेशन से चेन्नई सेंट्रल जा रही थी। इस हादसे में 50 से अधिक यात्रियों की मौत की खबर है। वहीं 200 के करीब यात्री जख्मी हैं।

पीएम बोले- उन्होंने गुलामी ...

ये हमारी सरकार का सौभाग्य है कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर पिछले साल हमने गुलामी के एक निशान से नौसेना को मुक्ति दी थी। अंग्रेजी शासन की पहचान को हटा कर शिवाजी महाराज की राज-मुद्रा को जगह दी थी।

बीआरएस सरकार के कारण तेलंगाना निरंतर विकास के पथ पर : बिलाल

तेलंगाना स्थापना दिवस पर झंडा फहराया गया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस के मौके पर बीआरएस पार्टी के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी नंदकिशोर व्यास बिलाल द्वार उनके कार्यालय के सामने झण्डा फहराया गया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि तेलंगाना में जब से बीआरएस पार्टी की सरकार बनी है, तब से तेलंगाना निरंतर विकास के पथ पर है, केसीआर कि सरकार ने राज्य और राज्य कि जनता के लिए अनेकों काम किए हैं, जिससे तेलंगाना की जानता आज फलफूल रही है। इसके अलावा सीएम केसीआर ने अपने राज्य में अनेकों योजनाओं को शुरू की है, जिसका जनता सीधा लाभ ले रही है। इसके अलावा नंदू बिलाल ने रामकोट में झण्डा फहराकर तेलंगाना स्थापना दिवस 2023 को सिलीब्रेट किया।

पाकिस्तान को फाइनल में 2-1 से हरा कर भारत चौथी बार बना जूनियर एशिया हॉकी चैंपियन

ओमान 2 जून (एजेंसियां)। **भारतीय हॉकी टीम** एक बार फिर जूनियर एशिया कप चैंपियन बनी। भारतीय टीम ने ओमान के सलालाह में खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराया। भारत ने चौथी बार यह खिताब जीता है। इसी के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बन गई।

जूनियर एशिया कप का नौवां सीजन था। भारतीय टीम छठी बार टूर्नामेंट का फाइनल खेल रही थी। खिताबी मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। भारत को पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिल गया, हालांकि टीम गोल नहीं कर सकी।

अंगदबीर सिंह और अरिजीत सिंह हुंदल ने भारत की ओर से किए गोल

मैच के 13वें मिनट में अंगद बीर सिंह ने गोल कर भारत को 1-0 से आगे किया। 15 मिनट में पाक को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर भारत ने गोल नहीं होने दिया। मैच के 20वें मिनट में अरिजीत सिंह हुंडल ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद पहले हाफ में कोई गोल नहीं हुआ।

पाकिस्तान के लिए बशरत अली ने किया गोल

मैच के 38वें मिनट में पाकिस्तान के बशरत अली ने गोल किया और बढ़त कम की। इसके बाद दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला 2-1 से भारत के पक्ष में रहा। भारत ने टूर्नामेंट में कुल 50 गोल किए और सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम रही।हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड ने खिलाड़ियों के लिए 2 लाख और सहायक स्टाफ के लिए 1 लाख के नकद पुरस्कार की घोषणा की। टीम को बधाई देते हुए, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री दिलीप टिर्की ने कहा, भारतीय जूनियर पुरुष टीम ने जूनियर एशिया कप में अपने नाबाद प्रदर्शन से हम सभी को गौरवान्वित किया है। जोहोर कप में ऐतिहासिक जीत से उनका दबदबा कायम हो गया है और मुझे विश्वास है कि यह बड़ी जीत उन्हें इस साल के अंत में होने वाले जूनियर विश्व कप के लिए अच्छी स्थिति में रखेगी।

एशिया कप जीतने वाली टीम

देश	कितनी बार जीता
भारत	4 (2004, 2008, 2015, 2023)
पाकिस्तान	3 (1987, 1992, 1996)
साउथ कोरिया	1 (2000)
मलेशिया	1 (2012)

टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्च कश्मीरी डिजाइनर ने तैयार की जर्सी, तीनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग डिजाइन

भारतीय क्रिकेट टीम के शर्ट स्पॉन्सर

साल	शर्ट स्पॉन्सर
1993 - 2001	विल्स
2001 - 2013	सहारा
2014 - 2017	स्टार इंडिया
2017 - 2019	ओप्पो
2019 - 2023	BYJU'S
2023 - 2028	अनाउंस होना बाकी है

स्पोर्ट्स डेस्क 2 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्च कर दी गई है। स्पोर्ट्स ब्रांड एडिडास टीम इंडिया का नया किट स्पॉन्सर है। कंपनी ने ही वीडियो जारी करके तीनों फॉर्मेट के लिए तीन अलग-अलग डिजाइन की जर्सी जारी की। टीम इंडिया 7 जून से खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में इसी जर्सी में नजर जाएगी।

पिछले ही महीने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एडिडास के साथ 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। इंडियन मेंस क्रिकेट टीम के अलावा एडिडास विमेंस सीनियर नेशनल क्रिकेट टीम, इंडिया ए, इंडिया बी और अंडर-19 मेंस और विमेंस क्रिकेट टीम की जर्सी को भी स्पॉन्सर करेगा।

कश्मीर के आकिब वानी ने किया है डिजाइन

टी-20 इंटरनेशनल मैचों के लिए टीम इंडिया डार्क ब्लू कॉलरलेस जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी। वहीं वनडे के लिए जर्सी में हल्के नील रंग का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें कॉलर लगा है। वहीं, टेस्ट मैचों की जर्सी सफेद रंग की है। तीनों जर्सी के कंधे पर एडिडास की 3-3 पट्टियां बनीं हैं। इन जर्सियों को कश्मीर के डिजाइनर आकिब वानी ने डिजाइन किया है। वहीं, इस समय भारतीय क्रिकेट टीम का शर्ट स्पॉन्सर अनाउंस होना बाकी है।

ड्रोन के जरिए जर्सी को किया लॉन्च

जर्सी को लॉन्च करने का कार्यक्रम वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित किया गया। यहां ड्रोन के जरिए विशाल जर्सियों को हवा में उड़ाकर दुनिया के सामने लाया गया। एडिडास इंडिया ने एक वीडियो ट्वीट कर इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

एमपीएल ने बीच में ही खत्म कर दिया था कॉन्ट्रैक्ट

1992 से 1999 के क्रिकेट वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी एसिक्स ने बनाई थी। इसके बाद 2005 तक क्रिकेट टीम का कोई स्पॉन्सर नहीं था। दिसंबर 2005 में नाइकी ने पांच साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। इसके बाद 2011 और 2016 में भी नाइकी ने कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। 2020 में नाइकी ने अपना अनुबंध समाप्त किया।

2020 में एमपीएल ने नाइकी को रिप्लेस किया। बीसीसीआई से एमपीएल का करार 2023 के आखिर तक था, लेकिन कंपनी ने बीच में ही इस कॉन्ट्रैक्ट को खत्म करने का फैसला लिया। इसके बाद किलर टीम इंडिया का किट स्पॉन्सर बना।

भारतीय क्रिकेट टीम के किट मैन्युफैक्चरर

साल	किट मैन्युफैक्चरर
1992	ISC
1993 - 2001	कोई स्पॉन्सर नहीं
1999	एसिक्स
2001 - 2005	कोई स्पॉन्सर नहीं
2006 - 2019	नाइकी
2020 - 2022	MPL स्पोर्ट्स
2023	किलर जीन्स
2023 - 2028	एडिडास

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत की गेंदबाजी को लेकर ऑस्ट्रेलिया को असमंजस

जडेजा का प्लेइंग-11 में रहना लगभग तय, अश्विन को लेकर कुछ कन्फर्म नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क 2 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 7 से 11 जून के बीच लंदन के ओवल मैदान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है। फाइनल के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग-11 क्या होगी, इसे लेकर असमंजस बना हुआ है। वहीं टीम इंडिया की प्लेइंग-11 की चिंता ऑस्ट्रेलिया टीम को भी है।

टीम इंडिया की बैटिंग लाइन-अप तो लगभग तय है, लेकिन बॉलिंग अटैक क्या होगा इसे लेकर असमंजस बना हुआ है।

पिछले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अश्विन-जडेजा फेल रहे

पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए WTC फाइनल में स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर आर अश्विन और रवींद्र जडेजा दोनों ही खेले थे। भारत उस टेस्ट में आठ विकेट से हार गया था और इन दोनों स्पिनरों को उतारने के टीम इंडिया के फैसले की काफी आलोचना हुई थी। दोनों गेंदबाज उस मैच में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में तीन स्पिनरों को खिलाया

भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में तीन स्पिनरों को खिलाया था, जिसमें आर अश्विन, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल शामिल थे। चार मैचों की सीरीज में अश्विन (25 विकेट) और जडेजा (22 विकेट) शानदार लय में थे और उन्होंने मेजबान टीम को 2-1 से जीत दर्ज करने में मदद की।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल प्लेइंग-11 में जडेजा, शमी और सिराज का खेलना तय

WTC फाइनल प्लेइंग-11 में जडेजा, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज का खेलना तय है। लेकिन चौथा गेंदबाज कौन होगा, यह तय नहीं है। चौथे स्पॉट के लिए चार खिलाड़ी रेस में हैं, जिसमें आश्विन, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और जयदेव उनादकट शामिल हैं।

टीम प्रबंधन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी आक्रमण को लेकर काफी बात की

केंट काउंटी क्रिकेट मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के प्रैक्टिस सेशन से पहले टीम के असिस्टेंट कोच डेनियल विटोरी ने कहा, टीम प्रबंधन ने भारत के संभावित गेंदबाजी आक्रमण को लेकर काफी बात की है। उन्होंने कहा, हम इस पर बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि जडेजा खेलेंगे क्योंकि वह अच्छे बल्लेबाज भी है। उन्होंने कहा, चौथे गेंदबाज और हरफनमौला को लेकर शार्दुल ठाकुर या अश्विन में से एक हो सकता है लेकिन दोनों अच्छे विकल्प हैं।

अश्विन शानदार गेंदबाज - डेनियल विटोरी

अश्विन ने इंग्लैंड में सात टेस्ट में 18 विकेट लिए हैं लेकिन ओवल पर एक ही मैच खेले हैं। विटोरी ने कहा, अश्विन शानदार गेंदबाज हैं और अधिकांश टीमों में पहली पसंद होगा लेकिन ओवल के हालात में टीम संयोजन को देखते हुए उन्हें शायद बाहर रहना पड़ सकता है।

आईसीसी रेवन्यू में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को 38.5% हिस्सा देना सही

इंग्लैंड बोर्ड के सीईओ बोले-आईसीसी की कमाई में भारत का कंट्रीब्यूशन सबसे ज्यादा

दुबई, 2 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के सीईओ रिचर्ड गोल्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के रवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन में भारत को सबसे ज्यादा 38.5 फीसदी हिस्सा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को दिए जाने को सही बताया है।

दरअसल आईसीसी ने कुछ दिन पहले 2024-27 के लिए नया रेवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल जारी किया था। इसके तहत आईसीसी को हर साल जितनी कमाई होगी, उसका 38.5 फीसदी हिस्सा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर को देने का फैसला किया था। आईसीसी अपने इस मॉडल को पास कराने के लिए जुलाई में डरबन में होने वाली बोर्ड मीटिंग में रखेगा।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के सीईओ रिचर्ड गोल्ड ने आईसीसी के साल 2024-27 के

ICC का 4 साल का डिस्ट्रीब्यूशन प्लान (2024-27)

टीम	साल की कमाई (मिलियन डॉलर में)	कमाई का हिस्सा (प्रतिशत में)
अफगानिस्तान	16.82	2.8
ऑस्ट्रेलिया	37.53	6.25
बांग्लादेश	26.74	4.46
इंग्लैंड	41.33	6.89
इंडिया	231	38.5
आयरलैंड	18.04	3.01
न्यूजीलैंड	28.38	4.73
पाकिस्तान	34.51	5.75
साउथ अफ्रीका	26.24	4.37
श्रीलंका	27.12	4.52
वेस्टइंडीज	27.5	4.58
जिम्बाब्वे	17.64	2.94
12 पूर्ण सदस्य देश	532.84	88.81
एसोसिएट सदस्य देश	67.16	11.19
कुल	600.0	100

साइकल के वित्तिय मॉडल में भारत को कमाई का सबसे ज्यादा भाग देने का समर्थन किया है और कहा कि भारत इसके लिए हकदार है। क्योंकि आईसीसी के रवेन्यू को बढ़ाने में भारत का कंट्रीब्यूशन काफी ज्यादा है। ऐसे में वह हर साल 230 मिलियन डॉलर (1887 करोड़ रुपये) का हकदार है।

इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन नजम सेठी ने आईसीसी की इस रवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि आईसीसी की यह रवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम सही नहीं है। उन्होंने एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा था कि आईसीसी को स्पष्ट करना होगा कि वह किस आधार पर रवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन कुछ अन्य बोर्ड भी कर रहे हैं।

आईसीसी के नए फाइनेंसिएल मॉडल में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड

आईसीसी के नए फाइनेंसिएल मॉडल में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर के बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) और क्रिकेट ऑस्टेलिया की कमाई अधिक होगी। ऐसा माना जा रहा है कि नए वित्त मॉडल में इंग्लैंड 41.33 मिलियन डॉलर (करीब 339 करोड़ रुपए) की कमाई करेगा।

वहीं ऑस्ट्रेलिया की कमाई 37.53 मिलियन डॉलर (करीब 307 करोड़ रुपए) होगी। इस लिस्ट में पाकिस्तान चौथे नंबर पर रहेगा। हर साल पाकिस्तान की कुल कमाई 34.52 मिलियन डॉलर (283 करोड़ रुपये) की होगी।

कमाई का 11.19 फीसद हिस्सा एसोसिएट सदस्यों को

इस नए मॉडल में आईसीसी के बाकी आठ सदस्यों की आय 5% से कम होगी। वहीं, आईसीसी के 600 मिलियन डॉलर कमाई में से 12 पूर्ण सदस्यों को 532.84 मिलियन डॉलर (88.81%) मिलेंगे, जबकि 67.16 मिलियन डॉलर (11.19%) एसोसिएट सदस्यों को मिलेंगे।

इमर्जिंग विमेंस एशिया कप के लिए भारतीय ए टीम घोषित

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इमर्जिंग विमेंस एशिया कप के लिए भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। इमर्जिंग विमेंस एशिया कप 13 जून से हांगकांग में होना है। पिछले साल अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की वाइस कैप्टन रही दिल्ली की श्वेता सहरावत को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि सौम्या तिवारी को वाइस कैप्टन बनाया गया है।

श्वेता ने भारत को महिला अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनाने में बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने टूर्नामेंट के 7 मैचों में 99 की औसत से 297 रन बनाए थे। उन्होंने सात पारियों में तीन अर्धशतक भी लगाए थे। वे तीन बार आउट हुईं थीं। उनका स्ट्राइक रेट 140 से ज्यादा का रहा।

वहीं बैटिंग ऑलराउंडर सौम्या तिवारी ने 4 मैचों में 84 रन बनाए थे। फाइनल में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 37 गेंदों पर 24 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। इनके आलवा अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप में शामिल बॉलिंग ऑलराउंडर पार्शवी चोपड़ा, तीतास साधु, मन्नत कश्यप, एस यशश्री को भी टीम में जगह दी गई है।

अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की श्वेता सहरावत को टीम की कमान

भारत के मैच

डेट		मैच
13 जून	Vs	हांगकांग
15 जून	Vs	थाईलैंड ए
17 जून	Vs	पाकिस्तान ए

पहली बार खेला जा रहा है इमर्जिंग टी-20 एशिया कप

इमर्जिंग विमेंस टी-20 एशिया कप पहली बार खेला जा रहा है। इसकी मेजबानी हांगकांग कर रहा है। इसमें आठ टीमें भाग ले रही हैं। भारतीय ए टीम के अलावा इसमें पाकिस्तान ए, श्रीलंका ए, मलेशिया , थाईलैंड ए, यूएई, बांग्लादेश ए और हांगकांग की टीम शामिल हैं।

भारत ग्रुप ए में शामिल

भारतीय टीम ग्रुप ए में शामिल है। इसमें इंडिया ए के अलावा हांगकांग, पाकिस्तान ए और थाईलैंड A की टीम शामिल हैं। ग्रुप बी में बांग्लादेश ए, मलेशिया, श्रीलंका ए और यूएई की टीम शामिल हैं।

दोनों ग्रुप में टॉप में रहने वाली टीम सेमीफाइनल में खेलेंगी

दोनो ग्रुप में शामिल टीमें अपने-अपने ग्रुप की सभी टीमों के साथ खेलेंगी। वहीं अपने-अपने ग्रुप में टॉप-2 पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल में ग्रुप ए में टॉप पर रहने वाली ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। इसी तरह ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप B में टॉप पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी।

भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 17 जून

भारतीय ए टीम अपने ग्रुप में आखिरी लीग मुकाबले में पाकिस्तान ए टीम से 17 जून को भिड़ेगी। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 13 जून को हांगकांग के खिलाफ खेलेगी, जबकि दूसरा मुकाबला 15 जून को थाईलैंड ए टीम से खेलेगी।

भारतीय ए टीम

श्वेता सहरावत (कैप्टन), सौम्या तिवारी (वाइस कैप्टन) तृषा गोंगड़ी, मुस्कान मलिक, श्रेयंका पाटिल, कनिका आहूजा, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ममता मदीवाला (विकेटकीपर), तीतास साधु, एस यशश्री , काशवी गौतम, पार्शवी चोपड़ा, मन्नत कश्यप, बी अनुषा।

1983 की वर्ल्ड चैंपियन टीम आई पहलवानों के साथ

कपिल देव की कप्तानी वाली क्रिकेट टीम बोली- रेसलर्स के साथ हो रही बदतमीजी से हम व्यथित

रेवाड़ी 2 जून (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ आंदोलन कर रहे भारतीय पहलवानों का वर्ष 1983 का वर्ल्ड कप जीतने वाली इंडियन क्रिकेट टीम ने समर्थन किया है। क्रिकेटरों ने पहलवानों से अपने मेडल गंगा में न बहाने की अपील भी की।

कपिल देव की अगुवाई वाली 1983 की क्रिकेट टीम में शामिल दिग्गज ओपनर सुनील गावस्कर, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी, दिलीप वेंगसरकर और मदनलाल समेत कई खिलाड़ियों ने कहा कि रेसलर्स के साथ पिछले कुछ समय से जो हो रहा है, वह दुखद है। इन रेसलर्स ने देश का मान बढ़ाया है। उम्मीद है कि उनकी मांग सुनी जाएगी।

बयान में लिखा- उम्मीद है रेसलर्स की शिकायत सुनी जाएगी

1983 की चैंपियन टीम ने जाइंट स्टेटमेंट में लिखा- 'हम अपने चैंपियन पहलवानों के साथ की जा रही बदतमीजी से व्यथित और परेशान हैं। हमें सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि वे अपनी मेहनत की कमाई को गंगा नदी में बहाने की सोच रहे हैं। उन मेडल्स में बरसों का प्रयास, बलिदान, दृढ़ संकल्प और धैर्य शामिल है। वे मेडल न केवल उनके अपने हैं बल्कि देश का भी गौरव है।'

क्रिकेटर्स ने अपने संयुक्त बयान में लिखा- हम उनसे आग्रह करते हैं कि वे इस मामले में जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। हम उम्मीद करते हैं कि उनकी शिकायतों को सुना जाएगा और जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। देश के कानून को कायम रहने दें।'

आईपीएल ट्रॉफी लेकर तिरुपति मंदिर पहुंचे सीएसके के मालिक श्रीनिवासन

स्पोर्ट्स डेस्क 2 जून (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के फाइनल मैच में चेन्नई सुपर किंग्स सोमवार को गुजरात टाइटंस को हराकर रिकॉर्ड 5वीं बार चैंपियन बनी। टाइटल जितने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन. श्रीनिवासन और टीम मैनेजमेंट के लोग ट्रॉफी लेकर चेन्नई के तिरुमाला तिरुपति बालाजी मंदिर पहुंचे। मंदिर के पुजारियों ने परंपरागत तमिल रीति-रिवाज के साथ ट्रॉफी की पूजा की। इस दौरान आईपीएल ट्रॉफी को भगवान तिरुपति के चरण में रखा गया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि, इस दौरान टीम का कोई भी खिलाड़ी मंदिर में नहीं था। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब सीएसक मैनेजमेंट ने आईपीएल ट्रॉफी को मंदिर में ले जाकर पूजा की हो। सीएसके

जब भी आईपीएल ट्रॉफी जीतती है तो यह पूजा की जाती है।

आईपीएल-2023 फाइनल में चेन्नई ने गुजरात को हराया

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 का फाइनल मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। यह मुकाबला 28 मई रविवार को होना था, लेकिन बारिश के कारण हो नहीं पाया और मैच को रिजर्व-डे पर यानी सोमवार के दिन करवाया गया था। फाइनल मैच में चेन्नई ने गुजरात को पांच विकेट से हराया था।

सीएसके पांचवी बार जीती ट्रॉफी

चेन्नई ने गुजरात को हराकर पांचवीं बार आईपीएल का खिताब जीता। चेन्नई ने इससे पहले साल 2010, 2011, 2018, 2021 में ट्रॉफी को अपने नाम किया है। वहीं चेन्नई हर बार एमएस धोनी की कप्तानी में ही चैंपियन बनी है।

लोगों को पता नहीं ओलिंपिक है क्या : गुटखा खाकर कहते हमारे पैसे दो, अगर सरकार चाहेगी तो हम पैसे दे देंगे : बॉक्सर विजेंदर

हिसार 2 जून (एजेंसियां)। ओलंपियन और कांग्रेसी नेता बॉक्सर विजेंदर सिंह ने महिला पहलवानों का समर्थन किया है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधा है। विजेंदर ने कहा कि बहुत से लोगों को पता भी नहीं होगा कि ओलिंपिक क्या होता है।

कई लोग गुटखा खाकर कहते हैं ये ओलिंपिक मेडल ही नहीं, हमारे पैसे भी दो। अगर सरकार चाहेगी तो हम पैसे भी दे देंगे। आप पहले मेडल लाकर दिखाओ, फिर बात करना। विजेंदर ने इसको लेकर ट्वीट भी किया है।

बॉक्सर मोहम्मद अली का सुनाया किस्सा

विजेंदर सिंह ने कहा कि जैसे ही मैंने देखा कि हमारी बहने गंगा में मेडल बहाने जा रही है तो मुझे मोहम्मद अली साहब की याद आ गई। वे मशहूर मुक्केबाज रहे। यूएस में गोरे काले के बीच रंग भेद की नीति चल रही थी।

उन्हें एक होटल में जाने दिया गया। उन्होंने अपना परिचय दिया और कहा कि वे ओलिंपियन है, लेकिन होटल वालों ने कहा कि तेरे जैसे बहुत ओलिंपियन हैं।

मोहम्मद अली ने इससे आहत होकर अपना मेडल ओहियो नदी में फेंक दिया था। इसके बाद यूएस में क्रांति आई थी, लेकिन हमारे उल्टा होता है। हमारी बहनें गंगा गई तो उनसे मजहब पूछा जाता है कि हिंदू हो या मुस्लिम। हिंदू हो तो फिर उन्हें जाति में बांट दिया जाता है कि अच्छा तुम जाट हो या ये हो, वो हो। बहुत सारे चीजों के बाद IT सेल एक्टिव हो जाते हैं कि गंगा में मेडल प्रवाहित नहीं करने देंगे, क्योंकि इससे नदी दूषित हो जाएगी।

सरकार चाहे तो वापस कर देंगे पैसे

बॉक्सर विजेंदर ने कहा कि बहुत सारे नेताओं को नहीं मालूम कि ओलिंपिक होता क्या है। कई लोग गुटखा खाकर बात तो कर देते हैं कि ओलिंपिक मेडल है, पैसे भी वापस दो। भइया पहले भी हम कह चुके हैं कि अगर सरकार चाहे तो पैसे भी वापस कर देंगे। लेकिन ऐसा मेडल लेकर आओ, बनकर दिखाओ, उसके बाद बातचीत कीजिएगा।

देश के लिए रोल मॉडल बना तेलंगाना : केटीआर

राजन्ना सिरसिला, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और नगरपालिका प्रशासन मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना नौ वर्षों के भीतर देश के लिए एक रोल मॉडल बन गया है। जनकल्याण के अलावा, राज्य में लागू किए जा रहे विकास कार्यक्रम देश के लिए इस कदर रोल मॉडल बन गए हैं कि तेलंगाना जो भी करता है, देश बाद में उसका पालन करता है। मंत्री शुक्रवार को सिरसिला में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) में आयोजित राज्य गठन दिवस समारोह में बोल रहे थे।

मानवतावादी दृष्टिकोण, रचनात्मक सोच, उत्तम योजना और मुख्यमंत्री के पारदर्शी शासन का एक संयोजन तेलंगाना मॉडल , जिसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा मिल रही थी। भले ही राज्य में मंदी और कोविड महामारी की मार पड़ी हो, लेकिन तेलंगाना एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने में कामयाब रहा। तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य था जिसने चतुराई से संकट से निपटते हुए कल्याणकारी योजनाओं को बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक जारी रखा। समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों और शहरों को समान प्राथमिकता देकर राज्य के व्यापक विकास के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य के विकास में एक विशेष स्थान पर कब्जा करते हुए, राजन्ना-सिरसिला जिला अपने इतिहास में भी सबसे पहले सभी मोर्चों पर विकसित हुआ।

राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को ध्यान में रखते हुए कृषि क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। तेलंगाना की योजनाओं से प्रभावित होकर, अन्य राज्यों के किसान तेलंगाना में लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अपनी संबंधित राज्य सरकारों पर दबाव बढ़ा रहे थे। अलग राज्य बनने से पहले तत्कालीन सरकारों ने कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए बहुत कम राशि आवंटित की थी। हालांकि, तेलंगाना के गठन के बाद से इस क्षेत्र पर 20 गुना अतिरिक्त धन खर्च किया गया।

केसीआर के शासन काल में किसानों की आँखों से दरिद्रता दूर हुई और वीरता प्रकट हुई। 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के अलावा, कृषक समुदाय के हितों की रक्षा के लिए रायथु बंधु, रायथु बीमा की शुरुआत की गई। शुष्क भूमि को हरे-भरे खेतों में बदलने के लिए, तालाबों के कायाकल्प के अलावा सिंचाई परियोजनाओं को पूरा किया गया। बीज, खाद और कीटनाशक दवाओं की आपूर्ति भी समय सीमा के भीतर की जा रही थी। रायतु वैदिकों के निर्माण के अलावा, कृषि विस्तार अधिकारी भी नियुक्त किए गए थे। इसके अलावा, किसानों द्वारा उत्पादित एक-एक अनाज खरीदा गया, रामा राव ने कहा और किसानों से तेलंगाना सरकार को अपना समर्थन देने की अपील की।

यह कहते हुए कि तेलंगाना देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य है, उन्होंने बताया कि राज्य 2015-16 से 2021-22 तक 12.6 प्रतिशत वार्षिक जीएसडीपी के साथ तीसरे स्थान पर रहा। जब अलग राज्य बना तो राज्य की वार्षिक जीएसडीपी केवल 12 प्रतिशत थी। यह 13.4 प्रतिशत की राष्ट्रीय विकास दर से कम था। राजन्ना-सिरसिला जिले के बारे में बात करते हुए, मंत्री ने बताया कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के पूरा होने से जिले की 2.52 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई योग्य पानी मिल रहा था।

जबकि 1.39 लाख एकड़ भूमि को पैकेज 9, 10, 11 और 12 के तहत पानी मिल रहा था, 55,980 एकड़ को श्रीपदा येलमपल्ली और मिड मनेयर जलाशय के तहत पानी मिल रहा था। अन्य 57,146 एकड़ में लघु और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के तहत खेती की जा रही है। यह बताते हुए कि पैकेज -9 के तहत मलकापेटा जलाशय का परीक्षण हाल ही में किया गया था, उन्होंने कहा कि वेमुलावाड़ाऔर सिरसिला खंडों में 96,150 एकड़ भूमि को जलाशय पूरा होने के बाद पानी मिलेगा। राजराजेश्वर जलाशय (मिड मनेयर) के 366 एकड़ में सबसे बड़े एक्वा हब की स्थापना के साथ तेलंगाना के मत्स्य पालन क्षेत्र में एक नया अध्याय बनने जा रहा है। हब में कुल 10,000 नौकरियों के सृजन के मुकाबले लगभग 5,000 स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने परियोजना का शिलान्यास शीघ्र करने की जानकारी देते हुए नई रेल लाइन को एक्वा हब से जोड़ने की जानकारी दी. इसके अलावा, जिला आईटीआई, कृषि पॉलिटेक्निक कॉलेज, जेएनटीयू इंजीनियरिंग कॉलेज, बाबू जगजीवन राम कृषि डिग्री कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्र की स्थापना के साथ एक शिक्षा केंद्र बन गया है।

बीआरएस सरकार ने किसानों के जीवन में लाया बडा बदलाव : हरीश राव

2013 में 104 करोड़ के मुकाबले 2022 में किसानों को धान पर 1,526 करोड़ मिले

सिद्दीपेट, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि सिद्दीपेट जिले के किसानों को 2022 में धान की खेती पर 1,526 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि उन्हीं किसानों ने 2013 में सिर्फ 104 करोड़ रुपये कमाए थे, जो दर्शाता है कि एक दशक की अवधि में किसान का जीवन कैसे बदल गया है। इस अवधि के दौरान तेलंगाना सरकार ने किसानों के जीवन को कैसे बदल दिया था, इस बारे में बात करते हुए, राव ने कहा है कि सिद्दीपेट में किसानों को तेलंगाना बनने से पहले 2013 में 79,000 मीट्रिक टन धान की फसल मिली थी।

तेलंगाना सरकार के किसान हितैषी उपायों से राव ने कहा है कि 2022 में धान की फसल बढ़कर 7.54 लाख मीट्रिक टन हो गई। राज्य के गठन दिवस की पूर्व संध्या पर राजकीय डिग्री कॉलेज सिद्दीपेट में शुक्रवार को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद लोगों को संबोधित, मंत्री ने कहा कि रैथु बंधु, चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति, मिशन काकतीय और कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) ने किसानों के जीवन को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहते हुए कि राज्य बनने से पहले गर्मियों के दौरान पीने के पानी का एक बर्तन लाना एक बड़ा काम था, राव ने कहाकि मिशन भागीरथ योजना के तहत तेलंगाना हर घर में पीने के पानी की आपूर्ति करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। यह कहते हुए कि 2014 में सिद्दीपेट में सिर्फ 4,400 पीने के पानी के नल कनेक्शन हुआ करते थे, राव ने कहा कि अब यह संख्या बढ़कर 2.18 लाख नल कनेक्शन हो गई है। मंत्री ने कहा कि वे मल्लन्ना सागर जलाशय के माध्यम से सिद्दीपेट को निर्बाध पेयजल आपूर्ति करने के लिए सिद्दीपेट शहर के चारों ओर एक रिंग मेन बिछा रहे थे। उन्होंने कहा है कि सरकार ने जिले भर में बेघरों को 10,122 2-बीएचके घर सौंपे थे। राव ने कहा कि जिले में अन्य 5,800 घर निर्माणाधीन हैं। राव ने विभिन्न कल्याणकारी और विकास कार्यों के बारे में विस्तार से बताया है कि कैसे उन्होंने लोगों के जीवन को बदल दिया।

तेलंगाना स्थापना दिवस पर सीएम ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थापना के 10वें वर्ष समारोह शुरू होने से पहले सीएम केसीआर ने हैदराबाद के गन पार्क में तेलंगाना के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। वहां फूल चढ़ाए गए और दो मिनट का मौन रखा गया। सीएम केसीआर ने स्वराष्ट्र की उपलब्धि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। कहा कि आंदोलन में भाग लेने वाले सभी लोगों को सलाम। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से सरकार अमरों की आकांक्षाओं और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष तथा कई प्रशासनिक अधिकारियों ने भी शहीदों को श्रद्धाजलि दी।

तेलंगाना स्थापता दिवस की झलकियां

10वें तेलंगाना स्थापना दिवस पर डॉ. बीआर अंबेडकर संचिवालय में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों की सलामी लेते हुए सीएम केसीआर तथा कार्यक्रम में उपस्थित कई मंत्री, नेता, प्रशासनिक अधिकारी, खिलाड़ी व विभिन्न क्षेत्रों में तेलंगाना का नाम रोशन करने वाले दिग्गज।

तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर लोगों परेशान

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ देर की बारिश के बाद, आंध्र प्रदेश के लोग आने वाले दिनों में भीषण गर्मी की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अनुमान लगाया है कि अगले पांच दिनों तक राज्य के 302 से अधिक मंडलों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहेगा। अधिकतम तापमान पश्चिम गोदावरी, पलनाडु, तिरुपति, एलुरु और पूर्वी गोदावरी जिलों में दर्ज किए जाने की उम्मीद है, जहां पारा 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। अल्लूरी सीताराम राजू, श्रीकाकुलम, कृष्णा, एलुरु, तिरुपति, काकीनाडा, अनाकापल्ली और विजयनगरम जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है।

आईएमडी ने अनाकापल्ली में उच्च आर्द्रता स्तर की भी चेतावनी दी है, जो लगभग 84% रहने की उम्मीद है। अनंतपुर जिले के पश्चिमी भाग, सत्य साईं, अन्नामय्या के पश्चिमी भाग, चित्तूर जिले और तिरुपति जिले के पश्चिम भागों में शाम और रात के समय छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

बीआरएस शासन के तहत विकास के मॉडल के रूप में उभरा वरंगल : बंड़ा प्रकाश

वरंगल, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आंदोलन के इतिहास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाने वाला वारंगल जिला, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दूरदर्शी नेतृत्व में विकास के एक चमकदार प्रकाश स्तंभ में बदल गया है, विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश ने कहा। शुक्रवार को तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर यहां राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में, बीआरएस सरकार ने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त निवेश किया है। जिले का उत्थान करें और इसके निवासियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करें। जिलाधिकारी पी प्रविण्य सहित अन्य उपस्थित थे।

इस बीच, पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री येरबेल्ली दयाकर राव ने जनगांव में स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के तहत उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभा को संबोधित किया। विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस नियम के तहत कई विकास कार्यक्रमों और योजनाओं ने इस पिछड़े क्षेत्र के समग्र विकास और कल्याण को बढ़ावा देने में मदद की है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आईडीओसी परिसर में हथकरघा कपड़ा विभाग और विजया डेयरी द्वारा स्थापित स्टालों का उद्घाटन किया। जिला कलेक्टर सी शिवलिंगैया और अन्य उपस्थित थे।

महबूबाबाद में मंत्री सत्यवती राठौड़ ने स्थापना दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया। कई वर्षों के संघर्ष और बलिदान के बाद, तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा किया गया और तेलंगानाराज्य का गठन किया गया। यह हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मैं इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अपने अथक प्रयासों के लिए हमारे माननीय मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहती हूं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, अधोसंरचना आदि जिलाधिकारी के शशांक सहित जनप्रतिनिधि शामिल हुए। हनमकोंडा में, पश्चिम विधायक दस्यम विनय भास्कर स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे। विधायक ने कलेक्टर सिकता पटनायक, सीपी एवी रंगनाथ और अन्य लोगों के साथ अदालत केंद्र में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

दर्दनाक हादसे में 2 साल की बच्ची की मौत

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एकदुखद घटना में, एलबी नगर में एक व्यस्त सड़क पर कार के दरवाजे से टकराने के बाद गिरने से कथित तौर पर एक दो साल की बच्ची की मौत हो गई, जिसे उसके ड्राइवर ने लापरवाही से खोला था। गुरुवार को हुई यह घटना शुक्रवार को सोशल मीडिया पर घटना का एक सीसीटीवी फुटेज साझा किए जाने के बाद वायरल हो गई। जिस कार चालक ने बिना उचित सुरक्षा उपाय किए कार को बीच सड़क पर रोक दिया, उसने लापरवाही से पीछे से आने वाले वाहनों की जांच की परवाह किए बिना उसका दरवाजा खोल दिया। पीछे से बाइक पर आ रहे दंपति सैयद और शशिरखा, उनकी बेटी धनलक्ष्मी के साथ दरवाजे से टकरा गए। मासूम सड़क पर गिर गई और गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। एलबी नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज ही जन्मा था तेलंगाना, क्या है राज्य बनने की पूरी कहानी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के इतिहास में दो जून की तारीख हमेशा के लिए याद रखी जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि आज ही के दिन तेलंगाना का जन्म भारत के 29वें राज्य के तौर पर हुआ था। तेलंगाना के अलग राज्य बनने की लड़ाई इतनी आसान न थी। आंध्र प्रदेश से अलग हुए तेलंगाना राज्य की आज 9वीं सालगिरह है। हालांकि इतने कम सालों में राज्य के तौर पर तेलंगाना ने वाकई देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। तेलंगाना 18वीं शताब्दी में हैदराबाद रियासत का हिस्सा हुआ करता था और यहां पर निजाम का शासन चलता था। हालांकि अंग्रेजों का शासन आने के बाद तटीय आंध्र में आने वाले तेलंगाना का विलय मद्रास में करवा दिया गया था। मद्रास से अलग होने के बाद आंध्र प्रदेश और फिर अलग तेलंगाना बनने की कहानी बड़ी दिलचस्प है।

केसीआर रहे आंध्र से अलग तेलंगाना के फैक्टर

केसीआर का पूरा नाम कल्वाकुंतला चंद्रशेखर राव है। उनका जन्म 17 फरवरी, 1954 को हुआ था। केसीआर तेलंगाना के वर्तमान मुख्यमंत्री हैं।

इसके साथ ही वे भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख भी हैं। केसीआर तेलंगाना के मेदक जिले के गजवेल विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। माना जाता है कि आंध्र से अलग तेलंगाना राज्य की लड़ाई के लिए केसीआर ने बड़ी भूमिका निभाई थी। यही वजह है कि केसीआर की दीवानगी आज भी उनके समर्थकों में बढ़-चढ़कर बोलती है।

'तेलंगाना' नाम क्यों पड़ा?

तेलंगाना का जो मुख्य अर्थ है वह माना जाता है तेलुगु भाषियों की भूमि। इस बात को भी लेकर जानना जरूरी है कि आखिरकार राज्य का नाम तेलंगाना ही क्यों पड़ा? माना जाता है कि साक्षात भगवान शिव इस जगह पर तीन पर्वतों पर लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। इन पर्वतों में मल्लिकार्जुन, द्राक्षाराम और कालेश्वरम, शामिल है। यह पूरा क्षेत्र इन्ही पर्वतों की सीमा के बीच बसा है। इसीलिए इस विशेष क्षेत्र को त्रिलिंग देश भी कहा गया। यहां की भाषा इसी आधार पर तेलुगु कहलाई। यही वजह थी रही कि धीरे-धीरे बदलते दौर में राज्य का नाम तेलंगाना पड़ गया है।

तेलंगाना के लिए हुआ आंदोलन

साल 1956 में तेलंगाना को आंध्र प्रदेश राज्य में विलय कर दिया गया था, जिसके बाद इसे अलग राज्य बनाए जाने के लिए आंदोलन हुआ। तब कहीं जाकर दशकों की लड़ाई के बाद दो जून, 2014 को तेलंगाना को राज्य के रूप में एक अलग पहचान मिल पाई। हैदराबाद में निजामों का राज था और उनके नुमाइंदे तेलंगाना के किसानों से जबरन कर वसूला करते थे। यह एक तरीके का किसानों के खिलाफ दमन था, जिसे कम्युनिस्टों का साथ मिलने के बाद बड़े किसान विद्रोह के रूप में देखा गया।

निजामों से ऐसे मिली आजादी

भारतीय सेना ने 13 सितंबर, 1948 को राज्य में प्रवेश किया। पुलिस, रजाकार दस्ते और निजाम सभी ने एक हफ्ते के अंदर हार मान ली। सरकारी सेना ने किसानों का समर्थन हासिल करने के प्रयास में जागीर उन्मूलन नियम (अगस्त 1949) जारी किया और व्यापक भूमि सुधार कानून के लिए कार्रवाई करने के लिए एक कृषि जांच समिति की स्थापना की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.